@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 25 नवम्बर 2025

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 21 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत'

● पंचतत्व में विलीन हुए धर्मेंद्र, सनी देओल ने दी मुखाग्नि

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और 'ही-मैन' कहलाने वाले धर्मेंद्र का निधन हो गया है। उनके बड़े बेटे सनी देओल ने विले पार्ले श्मशान घाट पर नम आंखों से उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारे अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। 'शोले' के जय रहे अमिताभ बच्चन भी वीरू को अंतिम विदाई देने पहुंचे और भावुक नजर आए। श्मशान घाट से लेकर सोशल मीडिया तक धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देने वालों की लंबी कतार दिखी। उनके पार्थिव शरीर को लेकर पहुंची एंबुलेंस की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

कुछ समय से थीं तबीयत नाजुक

धर्मेंद्र को 1 नवंबर को मुंबई के ब्रीच कैंडी

अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें 12 नवंबर को डिस्चार्ज कर दिया गया था। इसके बाद से उनकी घर पर देखरेख हो रही थी। लंबे समय से उनकी तबीयत गंभीर बताई जा रही थी, जिसके चलते फैंस लगातार उनके स्वास्थ्य की दुआ कर रहे थे। सोमवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर के साथ ही देओल परिवार पत्नी हेमा मालिनी, बेटे सनी और बॉबी देओल पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। धर्मेंद्र के निधन से पूरे बॉलीवुड में मातम पसर गया है। करण जौहर सहित कई फिल्मी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर अपने दुख को व्यक्त किया और उन्हें सिनेमाई युग का अनमोल सितारा बताया। उनके जाने को भारतीय सिनेमा के लिए एक अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

पीएम मोदी ने धर्मेंद्र के निधन पर जताया दुख

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र अब हमारे बीच नहीं रहे। सोमवार को 89 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'धर्मेंद्र जी के जाने से भारतीय सिनेमा में एक युग का अंत हो गया है। वह एक आइकॉनिक फिल्म पर्सनैलिटी थे, एक जबरदस्त एक्टर थे जो अपने हर रोल में चार्म और गहराई लाते थे। जिस तरह से उन्होंने अलग-अलग रोल किए, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ। वे अपनी सादगी, विनम्रता और प्यार के लिए भी उतने ही जाने जाते थे। इस दुख की घड़ी में, मेरी दुआएं उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत फैंस के साथ हैं। ओम शांति।'

रार-तकरार

अगर हाईकमान फैसला करता है तो मैं मुख्यमंत्री बना रहूंगा : सिद्धारमैया

एजेंसी

बेंगलुरु। लीडरशिप विवाद के बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि अगर हाईकमान फैसला करता है तो वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे। सिद्धारमैया ने सोमवार को फिर दोहराया कि वह हाईकमान के फैसले को मानेंगे। ये बयान इसलिए अहम हो गए हैं क्योंकि हाल ही में सीएम सिद्धारमैया ने कहा था कि वह पूरे पांच साल के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे और बाकी समय बजट पेश करेंगे। सिद्धारमैया ने शनिवार रात बेंगलुरु में एआईसीसी प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और लंबी बातचीत की। सोमवार को चिक्काबल्लापुर शहर में रिपोर्टरों से बात करते हुए, पावर-शेयरिंग एग्रीमेंट और संभावित लीडरशिप बदलाव के बारे में सवालों के जवाब में उन्होंने कहा, 'सभी मामलों पर आखिरी फैसला

हाईकमान लेगा। मैं हाईकमान के कहने पर काम करूंगा। अगर वे चाहते हैं कि मैं चीफ मिनिस्टर बना रहूं, तो मैं बना रहूंगा। मैं हाईकमान के कहने पर काम करूंगा।' उन्होंने आगे कहा, 'हम हाईकमान के फैसले को मानेंगे। हमारा अपना हाईकमान है। अगर वह तय करता है कि मुझे बने रहना चाहिए, तो मैं बना रहूंगा। आखिर में, डी.के. शिवकुमार और मुझे दोनों को हाईकमान की बात माननी होगी।' उन्होंने कहा, 'चार-पांच महीने पहले, मैंने कैबिनेट में फेरबदल के बारे में हाईकमान से बात की थी। उन्होंने मुझे तब इसे करने के लिए कहा था। मैंने सुझाव दिया कि फेरबदल से पहले सरकार ढाई साल पूरे कर ले। अब, मैं हाईकमान के कहने पर ही काम करूंगा।' जब पूछा गया कि क्या डिप्टी चीफ मिनिस्टर डी.के. शिवकुमार अगले चीफ मिनिस्टर बनेंगे, तो सिद्धारमैया ने जवाब दिया, 'आप यह क्यों पूछ रहे हैं जब मैंने पहले ही कह दिया है कि मैं हाईकमान का फैसला मानूंगा?' सिद्धारमैया ने कहा, 'भाजपा पूरी तरह झूठ बोलती है। क्या आपको पता है कि हमने गारंटी पर कितना पैसा खर्च किया है? हमने ढाई साल में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए हैं। मैंने हमेशा कहा है कि हम अपने वादे निभाएंगे। जैसा भरोसा दिलाया गया था, हमने अपनी बात रखी है।

इस बीच, डिप्टी चीफ मिनिस्टर डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को बेंगलुरु में अपने घर पर नागा साधुओं से आशीर्वाद लिया। नागा साधुओं ने मीडिया को बताया कि उन्होंने शिवकुमार को चीफ मिनिस्टर बनने का आशीर्वाद दिया है। उनमें से एक ने कहा, 'मैं काशी से आया हूं। मेरा नाम वेदगिरी नागा बाबा है। मैं यहाँ अपना आशीर्वाद देने आया हूं।

दिल्ली-एनसीआर की हवा बेहद खराब, अगले कुछ दिन तक राहत की संभावना नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता लगातार चिंताजनक स्तर पर बनी हुई है। पिछले 24 घंटों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) औसतन 382 दर्ज किया गया, जो हवा की बेहद खराब श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, राजधानी में दोपहर दो बजे पीएम-10 का स्तर 341.2 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पीएम2.5 का स्तर 201 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रिकार्ड किया गया। एनसीआर में नोएडा का एक्यूआई 397, गाजियाबाद का 396, ग्रेटर नोएडा का 382 और गुरुग्राम का 286 रहा। फरीदाबाद में एक्यूआई 296 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। दिल्ली के 38 प्रदूषण निगरानी केंद्रों में से 19 पर हवा गंभीर श्रेणी में रही और बाकी केंद्रों पर एक्यूआई 300 के आसपास दर्ज हुआ। सीपीसीबी ने बताया कि हवा की यह स्थिति बेहद खराब श्रेणी में है और बुधवार तक इससे राहत मिलने की संभावना नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्तर के प्रदूषण में सांस, आंख और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों के मरीजों को अधिक परेशानी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से लगभग 10 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चली। अधिकतम मिश्रण गहराई 1500 मीटर और वेंटिलेशन इंडेक्स 6000 मीटर वर्ग सेकंड रहा, जो प्रदूषकों के फैलाव के लिए अपर्याप्त माना जा रहा है। सीपीसीबी के मानदंडों के अनुसार, एक्यूआई 0 से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।उल्लेखनीय है कि दिल्ली के कुल वायु प्रदूषण में वाहनों की हिस्सेदारी 20.45 फीसदी है। पराली जलाने से 1.97 फीसदी, निर्माण और ध्वंस गतिविधियों से 3.10 फीसदी तथा आवासीय क्षेत्रों से 5.30 फीसदी योगदान है।

सिख गुरुओं की शहादत से मुगल सल्तनत में सुरक्षित बचे हमारे देवालय: दात्रेय होसबाले

● देश की आजादी से पूर्व और बाद में भी राष्ट्र धर्म में सिख समुदाय का अहम योगदान

एजेंसी

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोलेने कहा कि सिख गुरुओं ने मुगल सल्तनत की उन बातों को कभी स्वीकार नहीं किया जो राष्ट्र व धर्म के खिलाफ थीं। उन्होंने इसके लिए कितने कष्टों का सहन किया। उसको सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उनके शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मैं तो चाहता हूं कि सारे धर्म के लोग व दुनियाभर में जो भी भारतीय लोग हैं, उन्हे गुरु तेगबहादुर के प्रत्येक शहीदी दिवस पर सिर झुकाकर कृतज्ञता व्यक्त करना चाहिये। आज हमारे जो देवालय सुरक्षित हैं, उसके पीछे इन गुरुओं की शहादत है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह होसबोलेसोमवार को कानपुर में गुरु तेगबहादुर सिंह की शहीदी दिवस पर मोतीझील लॉन में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इसका आयोजन गुरु तेग बहादुर सिंह के 350वें शहीदी दिवस

पर सिख समुदाय की ओर से किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह होसबोले ने कहा कि कार्यकर्ताओं एवं सिख बंधुओं ने बहुत प्यार व अपनेपन से जिस तरह हमारा यहां स्वागत व सम्मान किया, उसका आभार व्यक्त करता हूं। गुरुद्वारे पर माथा टेकना और गुरु तेगबहादुर सिंह के 350वीं शहीदी दिवस पर्व पर आना हमारा फर्ज है। मैं तो चाहता हूं कि सारे धर्म के लोग व दुनियाभर के भारतीय लोगों को हमेशा गुरु तेगबहादुर के प्रत्येक शहीदी दिवस पर सिर झुकाकर कृतज्ञ करना चाहिए। उनके स्मरण में अपना जीवन चलाना चाहिये। दिल्ली के चांदनी चौक में जो गुरुद्वारा खड़ा है, वह दुनिया को राष्ट्र धर्म दिखा रहा है।

सर कार्यवाह ने कहा कि इन गुरुओं के शिष्यों ने देश की आजादी के पहले क्रांतिकारी के रुप में और देश की आजादी के बाद पुलिस, सेना के रुप में राष्ट्र की रक्षा के लिए बलिदान दिया है। सिख समुदाय ने जिस तरह देश और धर्म के लिए त्याग व बलिदान दिया है, उसके लिए हर भारतीय कृतज्ञ है। इन सिख गुरुओं ने धर्म के लिए जिस तरह त्याग किया उसको हम सोंच नहीं सकते है। हम सभी को गुरुओं के बताए रास्ते पर चलना चाहिए।

लाल किले में गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत का भव्य समागम शुरू

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 23 नवंबर। लाल किला परिसर में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के पावन उपलक्ष्य में आयोजित तीन-दिवसीय भव्य समागम का शुभारंभ कल श्रद्धा और पूरे धार्मिक सद्भाव के साथ शुरू हो गया। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता आज रात इस भव्य कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन अत्याचार, धार्मिक असहिष्णुता और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की पूर्ण और जीवंत मिसाल है। वे न केवल सिख धर्म के महान गुरु थे, बल्कि संपूर्ण मानवता के संरक्षक भी थे। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा की। दिल्ली में ऐसा भव्य कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम हैं और इन्हें देखने देश-विदेश से संगत पहुंच रही है। दिल्ली सरकार और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में देश-विदेश से आए हज़ारों श्रद्धालुओं ने शिरकत की। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा, श्री कपिल मिश्रा के अलावा सिख समाज के गणमान्य लोग व आम जन भी भारी संख्या में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर गुरु साहिब के पावन चरणों में नमन करते हुए कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का जीवन

अत्याचार, अन्याय और धार्मिक असहिष्णुता के सामने अडिग साहस और अटूट त्याग की मिसाल है। उन्होंने कहा कि नौवें पातशाह ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा की और मानवता को ऐसा आदर्श दिया, जो सदियों तक प्रेरणा देता रहेगा। मुख्यमंत्री ने इस ऐतिहासिक अवसर को अत्यंत भावुक क्षण बताते हुए कहा कि लाल किला, जो उनकी शहादत का साक्षी रहा है, उसी स्थान पर इस भव्य स्मृति-समारोह का आयोजन होना श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत गहन अनुभव है। मुख्यमंत्री ने गुरु तेग बहादुर साहिब जी के अनन्य सेवकों भाई सती दास, भाई मती दास और भाई दियाला जी की शहादत को भी नमन किया और कहा कि इन सभी महापुरुषों ने सत्य, धर्म और मानवता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने यह भी स्मरण कराया कि आज ही के दिन दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी का गुरुता गद्दी दिवस भी है, जिससे यह अवसर और अधिक पावन और महत्वपूर्ण बन गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार इस आयोजन को भव्य बनाने के लिए कोई कोर-कसर नहीं दोड़ रही है। दिल्ली सरकार और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी यह सुनिश्चित कर रही हैं कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, कार्यक्रम से जुड़े सभी सेवकों का विशेष आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली और देशभर से आए श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे चित्र प्रदर्शनी और संग्रहालय में लगाई गई ऐतिहासिक प्रदर्शनी अवश्य देखें, जहां गुरु साहिब के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग और दुर्लभ तथ्य अत्यंत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किए गए हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

पहलगाम में धर्म पूछकर मारा गया, घटना आज भी करती है विचलित : राजनाथ सिंह

● कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार में शामिल हुए रक्षा मंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कुरुक्षेत्र दौरे के दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार में कहा कि पहलगाम की घटना आज भी विचलित करती है, जब पहलगाम में पर्यटन के लिए गए हमारे निर्दोष यात्रियों को धर्म पूछ कर मारा गया। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने केवल भारत की शांतिप्रियता को ही चुनौती नहीं दी थी, बल्कि वो ये मान बैठे थे कि भारत की शालीनता उसकी कमजोरी है। इसके बाद हमने ऑपरेशन सिंदूर से इसका माकूल जवाब दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकी भूल गए भारत गीता का देश है, जहां करूणा भी है और युद्ध में धर्म की रक्षा की प्रेरणा भी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि शांति के ताप को जीवित रखना है तो उसके भीतर शक्ति का ताप अनिवार्य है। निर्दोषों की रक्षा करनी है तो बलिदान देने का साहस भी उतना ही आवश्यक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने भी पांडवों को यही समझाया था कि युद्ध बदले की भावना या

महत्वाकांक्षा नहीं बल्कि धर्म की स्थापना के लिए लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने भगवान श्रीकृष्ण के संदेश का ही पालन किया। भारत ने जबाव दिया कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध लड़ेगा और किसी भी सूरत में भारत कमजोर नहीं पड़ेगा। श्री कृष्ण अर्जुन को कुरुक्षेत्र में समझाया था धर्म की रक्षा केवल प्रवचन से नहीं होती उसकी रक्षा कर्म से होती है और ऑपरेशन सिंदूर वही धर्म युक्त कर्म था जिसको कि हम लोगों ने अपना और साथियों आज हम सब याद रखना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि जिस बात को आज दुनिया इतना प्रचारित करती है, वह बात श्रीकृष्ण ने हजारों वर्ष पहले ही बता दी थी कि मनुष्य का व्यवहार उसके विचारों से बनता है और विचारों का शुद्धिकरण भक्ति और योग से होता है। कर्तव्य-बोध ही गीता का सबसे बड़ा संदेश और योगदान है। गीता एक ऐसा ग्रंथ है जिसे पढ़कर विपरीत परिस्थितियों में उत्साह और आशा का संचार होता है।

भाजपा ने टीएमसी पर चुनाव से पहले माहौल बिगाड़ने का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर के बाबरी मस्जिद निर्माण की घोषणा से राजनीति गरमा गयी है। भारतीय जनता पार्टी ने इसका विरोध जताते हुए इसे चुनावी पैतरा बताया है। भाजपा ने कहा कि राज्य में चुनाव से पहले इस तरह की घोषणा कर और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध जता कर वहां माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि पश्चिम बंगाल में हालत बहुत ख़राब है। मुर्शिदाबाद में टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर कहते हैं कि वो बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण करेंगे। इंडी गठबंधन के नेता या तो इस पर चुप हैं या इसका समर्थन कर रहे हैं। चुनाव के समय टीएमसी और कांग्रेस किस तरह का माहौल बनाने की कोशिश कर रही हैं? उन्होंने कहा कि 2005 में ममता बनर्जी ने नाराज़ होकर स्पीकर की पीठ पर फ़ाइल फेंक दी थी, क्योंकि उन्हें बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर चर्चा की इजाज़त नहीं मिली थी। एक समय वो इतनी नाराज़ थीं कि संसदीय आचार संहिता तोड़ दी और आज वो इसका समर्थन कर रही हैं। सिर्फ़ संविधान निर्माताओं को ही नहीं, वो खुद को भी नकार रही हैं। इस पर कांग्रेस भी चुप है।डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि झारखंड के एक मंत्री इरफान अंसारी यह सार्वजनिक तौर पर बोलते हैं कि यदि कोई बीएलओ तुमसे जानकारी लेने के लिए आए तो उसको बंधक बना लो। यह बयान सरासर निंदनीय है। उन्होंने इंडी गठबंधन के घटक दलों से पूछा कि लोकतंत्र को बंधक बनाने का निंदनीय प्रयास है या नहीं जहां-जहां इंडी गठबंधन के घटक दल सत्ता में आते हैं, वहां संविधान की भावना दरकिनार कर दी जाती है। वो भी कुछ संदिग्ध स्रोतों से वोट प्राप्त करके सत्ता पर कब्जा करने के लिए।

बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए आज होंगे बंद

मंदिर को को फूलों से सजाने के साथ ही रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है।

एजेंसी

देहरादून। भू-बैकुंठ बदरीनाथ धाम के कपाट मंगलवार को लक्ष्मीजी के गर्भगृह में प्रवेश के साथ बंद हो जाएंगे। तीर्थ पुरोहित हितों के साथ ही मंदिर समिति ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। मंदिर को को फूलों से सजाने के साथ ही रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। बदरीनाथ - केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी सोमवार को बदरीनाथ धाम पहुंचे और बदरीनाथ धाम के कपाट बंद की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ धाम को 12 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। आज सोमवार को माता लक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना व आमंत्रण कार्यक्रम में रावल अमरनाथ नंबूदरी सहित माता लक्ष्मी मंदिर पुजारी, धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल, प्रभारी धर्माधिकारी स्वयंबर सेमवाल, वेदपाठी रविंद्र भट्ट एवं अमित बंदोलिया ने पूजा-अर्चना संपन्न की इस अवसर पर बीकेटीसी उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती, उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण

कार्यपालक मजिस्ट्रेट विजय प्रसाद थपलियाल, बीकेटीसी सदस्य महेंद्र शर्मा, देवीप्रसाद देवली, धीरज मोनू पंचभैया, प्रह्लाद पुष्पवान, दिनेश डोभाल, राजेंद्र प्रसाद डिमरी, नीलम पुरी, डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत अध्यक्ष आशुतोष डिमरी, मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान, प्रशासनिक अधिकारी कुलदीप भट्ट विकास सनवाल आदि मौजूद रहे।

फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर राष्ट्रपति ने जताया शोक

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र के निधन पर पूरे देश में शोक की लहर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, गृहमंत्री अमित शाह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत देश की तमाम हस्तियों ने शोक व्यक्त करते हुए उनके निधन को फिल्म जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने शोक संदेश में कहा कि धर्मेंद्र का निधन भारतीय सिनेमा के लिए अत्यंत बड़ी क्षति है। दशकों तक यादगार भूमिकाएं निभाने वाले धर्मेंद्र कलाकारों की नई पीढ़ी के लिए हमेशा प्रेरणा बने रहेंगे। राष्ट्रपति ने उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की। गृहमंत्री अमित शाह ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि छह दशकों तक हर पीढ़ी के दिलों को छूने वाले धर्मेंद्र का निधन फिल्म जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। एक साधारण परिवार से निकलकर धर्मेंद्र ने जो ऊंचाइयां हासिल कीं, वह बहुतों के लिए प्रेरणा हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि धर्मेंद्र ने अपने अभिनय से भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया। उन्होंने यह भी याद किया कि धर्मेंद्र बीकानेर से 14वीं लोकसभा के सांसद रह चुके थे।

ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण : जनरल द्विवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि सशस्त्र बलों की ताकत तालमेल में निहित है और ऑपरेशन सिंदूर इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। वे मुंबई में माहे श्रेणी के प्रथम पनडुब्बी रोधी उथले जल के युद्धपोत आईएनएस माहे के जलावतरण के मौके पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बहु-क्षेत्रीय परिचालन के युग में समुद्र की गहराई से लेकर ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्रों तक एक साथ मिलकर कार्य करने की देश की क्षमता भारतीय गणराज्य के सुरक्षा प्रभाव को निर्धारित करेगी। इस मौके पर जनरल द्विवेदी ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण था।'' भारत ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैन्य कार्रवाई की थी।

उत्तराखंड के टिहरी में बस खाई में गिरी, 5 लोगों की मौत

टिहरी (एजेंसी)। उत्तराखंड के टिहरी जिले के नरेंद्रनगर क्षेत्र में सोमवार को करीब 28 यात्रियों को ले जा रही एक बस के गहरी खाई में गिरने से पाँच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के अधिकारियों के अनुसार, जिला नियंत्रण कक्ष ने एसडीआरएफ वाहिनी नियंत्रण कक्ष को दुर्घटना की सूचना दी, जिसमें बताया गया कि वाहन नरेंद्रनगर थाना क्षेत्र में सड़क से फिसल गया था। शुरुआत में बस में 30 से 35 लोगों के सवार होने का अनुमान लगाया गया था। अलर्ट पर कार्रवाई कर एसडीआरएफ ने पोस्ट ढालवाला, पोस्ट कोटी कॉलोनी और एसडीआरएफ कोर मुख्यालय से पाँच टीमों को घटनास्थल पर तैनात किया। एसडीआरएफ अधिकारियों ने घटनास्थल पर पाँच लोगों की मौत की पुष्टि की है। अन्य सभी घायल यात्रियों को खाई से निकालकर इलाज के लिए नज़दीकी अस्पतालों में पहुँचाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बस में सवार यात्री कथित तौर पर राज्य के बाहर के थे।

भदौही में केमिकल टैंक में गिरने से तीन मजदूरों की मौत

भदौही (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के उगापुर बाजार स्थित सूर्या कंपनी के डाइंग प्लांट में खौलते केमिकल टैंक में गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा सोमवार को लगभग 11 बजे हुआ। घायल मजदूर को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसकी हालत नाजुक है। पुलिस और जिला प्रशासन (एसडीएम भदौही) मौके पर हैं और हादसे के कारणों की जांच तथा सुरक्षा मानकों की समीक्षा कर रहे हैं। प्लांट परिसर में हड़कंप और मजदूरों में रोष व भय का माहौल है। वहीं एक अन्य घटना में नाबालिग लड़की के अपहरण के आरोपी नाबालिग लड़के सूर्यभान यादव (होमगार्ड संजय यादव का बेटा) का शव रविवार को चकवा महावीर के पास स्थित एक तालाब से संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। सूर्यभान पर एक स्थानीय महिला की नाबालिग बेटी को 27 अक्टूबर को अपहरण करने का आरोप था (रिपोर्ट 1 नवंबर को दर्ज हुई थी)। पुलिस ने लड़की और सूर्यभान दोनों को 19 नवंबर को बरामद कर लिया था। एक दिन पहले तालाब के पास से आरोपी की पतलून, बेल्ट, आधार कार्ड और पांच पन्नों का कथित सुसाइड नोट मिला था। मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में संबंधित थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है।

चार नए श्रम कानूनों के विरोध में धनबाद में हुआ विरोध प्रदर्शन

रांची (एजेंसी)। भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र (सीटू) द्वारा झारखंड के धनबाद में आयोजित अपने राज्य सम्मेलन के दौरान केंद्र सरकार के चार नए श्रम कानूनों (लेबर कोड्स) के विरोध को दर्शाती है सीटू इन चार नए लेबर कोड्स को श्रमिक विरोधी और पूंजीपतियों के हित में बनाया गया मानती है। सीटू ने इन कानूनों के विरोध में राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। सम्मेलन के दौरान, चार नए लेबर कोड और नई श्रमशक्ति नीति 2025 के विरोध में- एक किलोमीटर लंबी मानव श्रृंखला बनाई गई, मोदी सरकार का पुतला दहन किया गया। विरोध-प्रदर्शन का नेतृत्व सीटू के राष्ट्रीय महासचिव तपन सेन (पूर्व राज्यसभा सदस्य) ने किया। सीटू ने बताया कि 26 नवंबर से देशव्यापी आंदोलन की रणनीति तैयार की जा रही है। राजनीतिक-सांगठनिक प्रतिवेदन पर बहस के बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। केंद्र सरकार की नई श्रमशक्ति नीति 2025 और लेबर कोड वापस लिए जाएं। सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण का विरोध किया जाए। किसान-मजदूर एकता को मजबूत किया जाए। 26 नवंबर को कार्यस्थलों और जिला मुख्यालयों पर जुझारू विरोध-प्रदर्शन किए जाएं।

पंकजा मुंडे का पीए गिरफ्तार, पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे के निजी सहायक (पीए) अनंत गर्जे को अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गर्जे की पत्नी डॉ गौरी पालवे (28) ने कथित तौर पर घरेलू विवाद के कारण वर्ली स्थित अपने फ्लैट में फंदे से लटकर आत्महत्या कर ली। पालवे के पिता द्वारा दर्ज कराई शिकायत के आधार पर पुलिस ने गर्जे और उसके दो रिश्तेदारों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। इसके बाद पुलिस ने गर्जे को गिरफ्तार किया। दोनों का विवाह इसी साल फरवरी में हुआ था और पालवे सरकारी केईएम अस्पताल में दंत चिकित्सक के रूप में कार्यरत थीं। पुलिस के मुताबिक पालवे के परिवार ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने उसे प्रताड़ित और परेशान किया था, इसकारण महिला ने आत्मघाती कदम उठाया।

20 दिन में एसआईआर प्रक्रिया के तहत 99.07 प्रतिशत मतदाता विशिष्ट गणना प्रपत्र का वितरण पूरा

भारतीय चुनाव आयोग ने एसआईआर को लेकर दिया ब्यौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम चल रहा है। भारतीय चुनाव आयोग ने बताया कि करीब 20 दिन में एसआईआर प्रक्रिया के तहत 99.07 प्रतिशत मतदाता विशिष्ट गणना प्रपत्र का वितरण पूरा हो गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, गोवा और लक्षद्वीप में गणना प्रपत्र का 100 प्रतिशत वितरण सबसे पहले हुआ है। अभी अंडमान और निकोबार में 99.98 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 99.83 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 99.75 प्रतिशत और गुजरात में 99.69 प्रतिशत गणना प्रपत्र बांटे गए हैं।

चुनाव आयोग रोजाना एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े आंकड़े जारी कर रहा है। नए आंकड़ों के अनुसार, मतदाता संख्या के हिसाब से सबसे बड़े राज्य यूपी में 99.62 प्रतिशत गणना प्रपत्र का वितरण पूरा हुआ है, जहां कुल मतदाता 15.44 करोड़ से अधिक हैं। पुडुचेरी में 95.58 प्रतिशत, तमिलनाडु में 96.22 प्रतिशत और केरल में 97.33 प्रतिशत गणना प्रपत्र बांटने का काम हुआ है।

जिन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर का काम जारी है, उसमें अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्यप्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

आयोग के अनुसार, 12 राज्यों में 4 नवंबर से जारी एसआईआर प्रक्रिया के तहत कुल योग 50.97 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से अब तक कुल 50.50 करोड़ से अधिक गणना प्रपत्र बंट चुके हैं। एसआईआर की ऑनलाइन प्रक्रिया ने भी तेजी पकड़ी है और 12 राज्यों में अब तक 24.13 करोड़ से अधिक फॉर्म को अपलोड किया गया है, यानी कुल डिजिटाइजेशन रेट 47.35 प्रतिशत है।

ऑनलाइन प्रक्रिया के मामले में, लक्षद्वीप 96.81 प्रतिशत के साथ सबसे आगे है। उसके बाद गोवा में 76.89 प्रतिशत और राजस्थान में 72.20 प्रतिशत फॉर्म का डिजिटाइजेशन हुआ है। केरल में सबसे कम डिजिटाइजेशन प्रोग्रेस (सिर्फ 23.72 प्रतिशत) रही है। उत्तर प्रदेश में 26.60 प्रतिशत डिजिटाइजेशन हुआ है।

सिंधुदुर्ग में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव से पहले महायुति गठबंधन के टूटने की खबरें

मुंबई (एजेंसी)। सिंधुदुर्ग में आगामी नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव से पहले महायुति गठबंधन के टूटने की खबरें है। शिवसेना विधायक नीलेश राणे ने गठबंधन टूटने का दोष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण पर लगाया है। गठबंधन भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व के कारण नहीं, बल्कि चव्हाण के व्यक्तिगत कारणों से टूटा है। राणे और चव्हाण के बीच तनावपूर्ण संबंध बताए गए हैं। शिवसेना विधायक राणे ने सवाल किया कि अगर रत्नागिरी (राजापुर, लांजा) और चिपलुन में सीट बंटवारा संभव था, तब सिंधुदुर्ग में क्यों नहीं? उन्होंने दावा किया कि मालवन में शिवसेना 10 सीटें देने को तैयार थी, और सावंतवाडी में दीपक केसरकर 50-50 फॉर्मूले के लिए तैयार थे। कणकवली में शिवसेना को केवल एक या दो सीट पर चुनाव लड़ने को कहा गया। राणे ने कहा कि प्रचार बैनर से उनकी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की तस्वीरें हटा दी गईं, जिससे उन्हें दुख हुआ। विधायक नीलेश राणे ने चव्हाण के तीन दिन तक सिंधुदुर्ग में रहने पर भी सवाल उठाया और कहा कि वह बाद में बताएंगे कि उनकी बैठकों में क्या निर्णय हुआ। राणे ने कहा कि मतभेद के बावजूद, शिवसेना ने गठबंधन बनाए रखने की कोशिश की। नीलेश राणे ने कहा कि अब वह अपने पिता और भाजपा के वरिष्ठ नेता नारायण राणे के किसी भी निर्णय को स्वीकार करने को तैयार है। सिंधुदुर्ग में शहार विकास आघाडी का गठन हुआ है, जिसमें शिवसेना, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उबाठा), कांग्रेस, और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) शामिल हैं। उन्होंने विवाद को तूल न देने की कोशिश की और कहा कि उनके भाई ने किसी का नाम नहीं लिया है। उन्होंने नीलेश राणे के आरोपों पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

आईआरसीटीसी घोटाला: मामले की सुनवाई कर रहे जज को बदलने की मांग

-बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने मुकदमे में पक्षपात की जताई आशंका

पटना (एजेंसी)। बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज की कोर्ट में याचिका दायर कर आईआरसीटीसी घोटाले की सुनवाई कर रहे जज विशाल गोगने की अदालत से अपना केस किसी और जज के पास ट्रांसफर करने की अपील की है। राबड़ी ने मुकदमे में पक्षपात की आशंका जताई है। गोगने की अदालत में लालू यादव और राबड़ी देवी के परिवार से जुड़े चार मामले की सुनवाई चल रही है। 13 अक्टूबर को अदालत ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपियों पर आरोप गठित किया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राबड़ी देवी ने अपनी याचिका में आईआरसीटीसी घोटाला, नौकरी के बदले जमीन घोटाला जैसे मामले दूसरे जज के पास ट्रांसफर करने की गुजारिश की है। राबड़ी ने एमपी-एमएलए कोर्ट के जिला जज की अदालत में दायर इस याचिका में अपने मुकदमों के जज पर पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर सुनवाई करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि जज अभियोजन पक्ष की तरफ झुके हैं। उन्होंने याचिका में लिखा है कि उनके खिलाफ मुकदमों की सुनवाई और उस दौरान दिए गए आदेशों से उन्हें पक्षपात की आशंका है, इसलिए न्यायपूर्ण सुनवाई के लिए मामले को दूसरे जज की कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए।

राबड़ी देवी के वकील ने इस बात की जानकारी संबंधित जज को दी और उन्हें बताया कि इस पर जल्द सुनवाई हो सकती है। संभावना है कि इस अपील पर मंगलवार को सुनवाई हो सकती है। मामले में चार्ज फ्रेम का चरण पूरा हो चुका है। लालू परिवार पर रेलवे की नौकरी दिलवाने के बदले भी औने-पौन भाव पर बेशकीमती जमीन लेने का आरोप है, जिसको लेकर ईडी का मुकदमा भी चल रहा है।

अरुणाचल निवासी महिला से शंघाई एयरपोर्ट पर बदसलूकी, चीनी अफसरों ने कहा... अरुणाचल चीन का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश निवासी एक महिला ने आरोप लगाया कि चीन में अधिकारियों ने उसके भारतीय पासपोर्ट को पहचानने से मना किया। महिला का कहना है कि इमिग्रेशन अफसरों ने इतना तक कहा कि अरुणाचल चीन का हिस्सा है। महिला का कहना है कि चीनी इमिग्रेशन अफसरों ने शंघाई एयरपोर्ट पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया। इतना ही नहीं महिला को हिरासत में लेकर घंटे तक प्रताड़ित किया गया। भारतीय मूल की यह महिला ब्रिटेन में रहती है। इस महिला का नाम प्रेमा वांगजोम थोंकडोक है। वह 21 नवंबर को लंदन से जापान की यात्रा कर रही थी। यात्रा के दौरान वह शंघाई पुडांग एयरपोर्ट पर ट्रांजिट हाल्ट के लिए ठहरी थी। महिला का आरोप है कि इमिग्रेशन काउंडर पर अधिकारियों ने उसके पासपोर्ट को अवैध बताया। ऐसा करने की वजह यह थी पासपोर्ट पर महिला का जन्मस्थान अरुणाचल प्रदेश लिखा था।

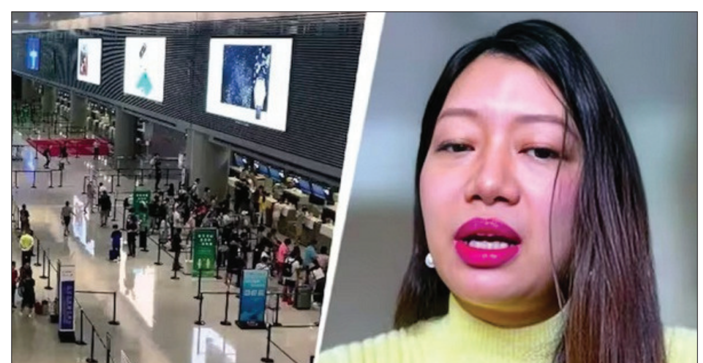

महिला ने कहाकि इमिग्रेशन के बाद मैंने अपना पासपोर्ट जमा किया और सिक्योरिटी का इंतजार करने लगी। तभी अधिकारी आया और मेरा नाम लेकर इंडिया-इंडिया चिल्लाने लगा। वह मेरी तरफ इशारा भी कर रहा था। महिला के मुताबिक इस पर जब मैंने पूछा, तब वह मुझे इमिग्रेशन डेस्क पर ले गया और कहा कि अरुणाचल, वैध पासपोर्ट नहीं। इस पर जब महिला ने पूछा कि आखिर उसका भारतीय पासपोर्ट वैध क्यों नहीं है? इस पर उस अधिकारी ने कहा कि अरुणाचल चीन का हिस्सा है।

इसके बाद प्रेमा ने याद किया कि बीते साल भी जब शंघाई ट्रांजिट किया था, जब ऐसा कुछ नहीं हुआ था। महिला का यह भी कहना है कि कई अन्य इमिग्रेशन अधिकारियों और चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस स्टाफ ने उसका मजाक उड़ाया। इतना ही नहीं इन लोगों ने चीनी पासपोर्ट के लिए अप्लाई करने की सलाह दे डाली।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद वह एक ब्रिटिश दोस्त के सहारे किसी तरह शंघाई के भारतीय कांसुलेट पहुंची। इसके बाद वहां भारतीय अधिकारियों ने महिला की मदद की। अब प्रेमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य अधिकारियों को चिट्ठी लिखी है। महिला ने भारतीय सरकार से अनुरोध किया है कि वह इस मामले को बीजिंग में अधिकारियों के सामने उठाए।

कर्नाटक कांग्रेस में दबाव की राजनीति या कुछ और करने दिल्ली पहुंचे शिवकुमार समर्थक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में सत्ता परिवर्तन के लिए दबाव की राजनीति जारी है। इसके चलते उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक विधायक दिल्ली पहुंच रहे हैं। दो समूह पहले ही दिल्ली में डेरा डाले हुए थे, वहीं अब तीसरा समूह, जिसमें लगभग 6 से 8 विधायक शामिल बताए जा रहे हैं, भी राजधानी पहुंच गए हैं। सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार गुट के विधायक चाहते हैं कि कांग्रेस हाईकमान नेतृत्व, सत्ता संतुलन और संगठन से जुड़े मामलों पर स्पष्ट रुख दिखाए। पिछले एक हफ्ते में यह तीसरी बार है जब शिवकुमार समर्थक विधायक दिल्ली पहुंचे हैं। लगातार यात्राओं ने बेंगलुरु से दिल्ली तक राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है।

बेंगलुरु में हैं खड़गे

शिवकुमार समर्थक विधायक भले ही दिल्ली में मुलाकात का समय मांगते हुए डटे हैं, लेकिन इस समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे खुद बेंगलुरु में हैं। सूत्र बताते हैं कि खड़गे की दिल्ली वापसी फिलहाल टाल दी गई है और वे लगातार राज्य के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि पार्टी केंद्रीय नेतृत्व किसी जल्दबाजी में कोई फैसला लेने के पक्ष में नहीं है। बेंगलुरु में नेताओं की लगातार बैठकें और दिल्ली में विधायकों की लामबंदी-दोनों घटनाक्रमों को कर्नाटक कांग्रेस में बढ़ते असंतोष से जोड़ा जा रहा है। हाल ही में हुई डिनर मीटिंग में भी कई नेताओं ने नेतृत्व से कहा था कि वे मौजूदा स्थिति पर स्पष्ट निर्णय दें, जिससे संगठन में बन रही असमंजस की स्थिति खत्म हो सके। हालांकि पूरे घटनाक्रम पर वरिष्ठ नेता खुलकर टिप्पणी करने से बच रहे हैं।

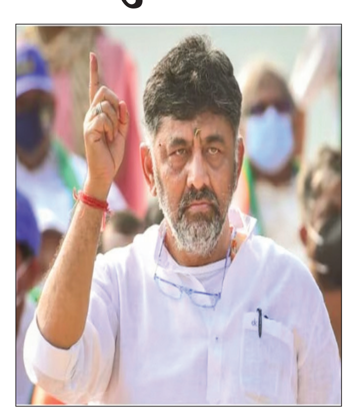

अयोध्या राम मंदिर ध्वजारोहण पर शंकराचार्य ने उठाए सवाल; कहा- पूरा कार्यक्रम ही शास्त्र के विपरीत

वाराणसी (एजेंसी)। अयोध्या में कल 25 नवंबर को एक भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित कई लोग शिरकत करेंगे। यह भव्य आयोजन ट्रस्ट बड़े ही विशाल रूप में कर रहा है, जिसे लेकर तैयारियां और अनुष्ठान जारी है। वहीं, ध्वजारोहण को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में कहीं ध्वजारोहण जैसी चीज मंदिरों के लिए है ही नहीं। ध्वज बदलने की परंपरा है। यहां सिर्फ और सिर्फ सब मनमाने तरीके से किया जा रहा है। शास्त्रों का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 25 तारीख को ध्वजारोहण का कार्यक्रम हो रहा है। मेरे हिसाब से शास्त्र में ऐसा उल्लेख कहीं नहीं है कि मंदिर पर ध्वजारोहण किया जाए। ध्वजारोहण का कार्यक्रम धार्मिक रूप से कहीं नहीं होता है। मैंने कहीं पढ़ा भी नहीं है। ध्वज बदला जाता है, एक बार जब ध्वज स्थापित होता है। शिखर की प्रतिष्ठा होती है उसके बाद यहां तो शिखर की प्रतिष्ठा हुई ही नहीं। कहा भी न ही कहा जा रहा है कि शिखर की प्रतिष्ठा होगी। मैं जहां भी देख रहा हूं वह यही कह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चंपत राय भी ध्वजारोहण की बात कह रहे हैं। धीरे-धीरे ध्वज ऊपर जाएगा। ध्वजारोहण शब्द शास्त्र में कहीं है ही नहीं, आरोहण का क्या मतलब हुआ, धीरे-धीरे राष्ट्रध्वज ऊपर जाता है, ऐसे कहीं ध्वज मंदिर के ऊपर चढ़ने की परंपरा है ही नहीं। उन्होंने कहा किसी मंदिर में ध्वजारोहण होता ही नहीं है। भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में प्रतिदिन ध्वज बदला जाता है। एक व्यक्ति ध्वज लेकर ऊपर जाता है और उसे बदलता है उसका आरोहण नहीं होता है। द्वारिका जी में एक दिन में तीन से चार ध्वज बदला जाता है। वहां भी ध्वजारोहण नहीं होता है। ध्वज का बदला जाना तब होगा, जब पहले वहां ध्वज और शिखर की प्रतिष्ठा हो। ऐसी कोई बात कही नहीं जा रही की शिकार की प्रतिष्ठा हो शास्त्र के अनुसार या उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम में हमारे भाग लेने का कोई तात्पर्य ही नहीं है। अयोध्या के ट्रस्ट का मन कुछ भी शास्त्र अनुसार करने का नहीं दिखाई पड़ रहा है। उनका कहना है कि इस पूरे आयोजन में शंकराचार्य को बुलाया ही नहीं गया है। मैंने तो शास्त्रों में ऐसा उल्लेख पढ़ा ही नहीं है, जो वहां होने जा रहा है। वहां पर सब कुछ मनमाना किया जा रहा है।

आतंकवाद समर्थकों व युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने सुरक्षा समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

जबलपुर (एजेंसी)। जम्मू,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को आतंकवाद के समर्थकों और युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सिन्हा ने आतंकवादियों के खिलाफ खुफिया अभियानों को तेज करने के लिए कहा। साथ ही आतंकी संगठनों की ओर से कट्टरपंथ और वित्तपोषण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डिजिटल मंचों की निगरानी के लिए ठोस प्रयास करने को भी कहा।

एलजी सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर पुलिस को आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण, नार्को-आतंकवाद संबंधों, आतंकी समर्थकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई के साथ आतंकवाद का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कतई सहन नहीं करने की नीति पर जोर देते हुए कहा कि हमारे समन्वित प्रयास यह तय करेंगे कि जम्मू-कश्मीर से आतंकवादी पारिस्थितिकी तंत्र पूरी तरह से खत्म हो।

सिन्हा ने अधिकारियों को उभरती सुरक्षा चुनौतियों के प्रति सतर्क और चौकस रहने के निर्देश दिए। सूत्रों के मुताबिक सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करने के साथ-साथ, सर्दियों की तैयारियों, खासकर अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के हालात का भी जायजा लिया। उन्हें जम्मू-कश्मीर में टेरर इकोसिस्टम को खत्म करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में भी जानकारी दी।

बंगाल की खाड़ी की तरफ बढ़ रहा सेन्यार तूफान, मचा सकता है तबाही

-आईएमडी ने किया अलर्ट, ओडिशा के तटीय इलाकों में हो सकती है बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। समुद्र में बन रहा तूफान भारत में लोगों की धड़कनें बढ़ा रहा है। आशंका है कि इस दौरान 100 किमी की तूफानी हवाएं भारी तबाही मचा सकती हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बन रहा कम दबाव का क्षेत्र मजबूत हो रहा है और अगले 48 घंटों में यह एक चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंक जताई जा रही है। आईएमडी ने इसे लेकर अलर्ट जारी कर कहा कि यह सिस्टम 26 नवंबर के आसपास 'चक्रवात सेन्यार' का रूप ले सकता है। इसके असर से ओडिशा के तटीय इलाकों में 25 से 27 नवंबर के बीच बारिश हो सकती है।

आईएमडी के मुताबिक फिलहाल यह सिस्टम मलक्का जलडमरूमध्य और दक्षिण अंडमान सागर के पास सक्रिय है और धीरे-धीरे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। यह सिस्टम अभी मुख्य भूमि से करीब 1,000 किलोमीटर दूर है, इसलिए इसके सटीक रूट और असर के बारे में साफ जानकारी आज शाम तक मिल सकेगी। आईएमडी से संकेत मिल रहे हैं कि यह सिस्टम 24 नवंबर तक डिप्रेशन और 26-27 नवंबर तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। 27 नवंबर के आसपास बंगाल की खाड़ी में हवा की रफ्तार 100 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इससे समुद्र बहुत उग्र होने और दक्षिण ओडिशा के तटीय जिलों में भारी बारिश की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओडिशा के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा है कि राज्य सरकार अलर्ट है और संभावित चक्रवात से निपटने के लिए तैयारियां कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी मशीनरी पूरी तरह तैयार है, चाहे सिस्टम आगे और ज्यादा ताकतवर ही क्यों न हो जाए। यह सिस्टम सबसे पहले अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर प्रभाव डालेगा। इसकी वजह से 26 नवंबर तक द्वीपों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। निकोबार क्षेत्र में 24 और 25 नवंबर को बारिश चरम पर रहने का अनुमान है। हवा की रफ्तार 35-45 किमी प्रति घंटा से शुरू होकर 55 किमी प्रति घंटा तक जा सकती है। 25 नवंबर को गति बढ़कर 65 किमी प्रति घंटा होने की आशंका है।

इस तूफान के रूट को लेकर अभी अनिश्चितता बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिक आकलन लगा रहे हैं कि 26 नवंबर के बाद यह तूफान तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ेगा या उत्तर की ओर मुड़कर ओडिशा-बांग्लादेश की दिशा लेगा। फिलहाल लोगों को नियमित मौसम अपडेट पर नजर रखने की सलाह दी गई है। आईएमडी ने मछुआरों को 25 नवंबर तक अंडमान सागर और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में समुद्र में न जाने की सलाह दी है। यह चेतावनी 28 नवंबर तक जारी रहेगी। समुद्री इलाकों और निचले तटीय क्षेत्रों में स्थानीय प्रशासन निगरानी बढ़ा चुका है।

तूफान का नाम 'सेन्यार' क्यों?

इस तूफान का नाम 'सेन्यार' नाम रखा है जिसका अर्थ है 'शेर'। यह नाम संयुक्त अरब अमीरात ने सुझाया था और यह विश्व मौसम संगठन और संयुक्त राष्ट्र के चक्रवात नामकरण पैनल की स्वीकृत सूची का हिस्सा है। उत्तर हिंद महासागर में बनने वाले अगले तूफान के लिए इसी नाम का क्रम था। बंगाल की खाड़ी का सिस्टम जैसे-जैसे ताकत पकड़ रहा है, पूर्वी तट के सभी राज्यों को अलर्ट पर रखा गया है।

युवक की गोली मारकर हत्या, तीन नाबालिग धरे

नई दिल्ली। रणहौला इलाके में बुधवार रात 18 साल के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त सैनिक एन्क्लेव, मोहन गार्डन निवासी नितिन (18) के रूप में हुई है। वह फर्नीचर की फैक्टरी में काम करता था। पुलिस ने हत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस ने मामले की छानबीन कर वारदात में शामिल तीन नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर हत्या के कारणों की जांच कर रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि बुधवार शाम करीब सात बजे रणहौला थाना पुलिस को जीडी लांसर पब्लिक स्कूल के पास एक युवक को गोली मारे जाने की जानकारी मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, तब तक परिवार वाले युवक को पास के अस्पताल में ले जा चुके थे। अस्पताल में पुलिस को पता चला कि डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। उसके शरीर पर तीन गोली के घाव थे। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कर जांच शुरू कर दी। जांच में पता चला कि घटना के समय नितिन स्कूल के सामने बैठा हुआ था, इसी दौरान वहां तीन युवक पहुंचे। इस दौरान एक नाबालिग ने उसपर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। पुलिस ने तुरंत क्राइम और फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने वहां से कई साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की। जिसमें वारदात को अंजाम देते आरोपी कैद हुए थे। मुखबिरों के जरिये पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर बृहस्पतिवार को तीन आरोपियों को पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने पिस्टल बरामद कर ली। पुलिस आरोपियों से हमला करने का कारणों के बारे में पूछताछ कर रही है।

थ्री-वे किडनी स्वैप ट्रांसप्लांट से तीन लोगों को मिला जीवन

नई दिल्ली। साकेत के एक निजी अस्पताल में हाल ही में तीन मरीजों को थ्री-वे पेयर्ड किडनी ट्रांसप्लांट के जरिये नई जिंदगी मिली। इन मरीजों में पश्चिम बंगाल के शादाब अली (36), दिल्ली के जोगिंदर कुमार (52) और बिहार के विनोद कुमार (51) शामिल थे। हर मरीज के पास एक डोनर तो था, लेकिन ब्लड ग्रुप मैच न होने की वजह से सीधे ट्रांसप्लांट संभव नहीं था। इसलिए, परिवारों ने पेयर्ड किडनी एक्सचेंज का विकल्प चुना। इस विशेष व्यवस्था में शादाब की पत्नी सिमरन परवीन ने अपनी किडनी जोगिंदर को दी, जोगिंदर की बहन सुमन ने विनोद को और विनोद की पत्नी पूनम देवी ने शादाब को किडनी दी। सभी छह लोगों तीन मरीज और उनके डोनर का ऑपरेशन सफल रहा और उन्हें एक हफ्ते के अंदर छुट्टी दे दी गई।

12 वार्डों के उपचुनाव में पार्टियां लगा रहीं जोर, जनता में सन्नाटा; कई इलाकों का माहौल भी निल

नई दिल्ली। एमसीडी के 12 वार्डों में होने वाले उपचुनाव में राजनीतिक दलों के दफ्तरों से लेकर गलियों तक चुनावी गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा, आप व कांग्रेस ने बूथ प्रबंधन, वोटर लिस्ट की पड़ताल और प्रचार की रणनीति पर पूरी ताकत झोंकनी शुरू कर दी है। किन मैदान में एक अलग ही तस्वीर दिख रही है। जहां नेताओं में उत्साह है वहीं, जनता में उपचुनाव को लेकर उत्सुकता बेहद कम है। कई इलाकों में कुछ लोगों को यह तक नहीं पता कि उनके वार्ड में चुनाव हो रहा है। इसी वजह से नुक्कड़ सभाओं और छोटे जनसंपर्क कार्यक्रमों में भीड़ आम जनता की नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं की ही नजर आ रही है। मुंडका, शालीमार बाग-बी, अशोक विहार, चांदनी चौक, चांदनी महल, द्वारका-बी, दिचाऊं कला, द्वारका-बी, नारायणा, संगम विहार-ए, दक्षिणपुरी, ग्रेटर कैलाश और विनोद नगर वार्ड में राजनीतिक दलों ने डोर-टू-डोर कैंपेन शुरू

किया है। भाजपा केंद्र व दिल्ली सरकार के साथ-साथ एमसीडी के कार्यों को गिना रही है जबकि आप अपनी पुरानी उपलब्धियां बताने और भाजपा पर वादे पूरे नहीं के आरोप लगा रही है। इसके अलावा वह मौजूदा समस्याओं पर भी प्रकाश डाल रही है जबकि कांग्रेस नेता भाजपा व आप को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। इन सबके बीच जनता की हिस्सेदारी अब भी कमजोर है। कई वार्डों में नुक्कड़ सभाएं आधे घंटे तक शुरू ही नहीं हो पा रहीं क्योंकि उम्मीदवार इंतजार करते हैं कि कुछ लोग और जुड़ जाएं। मुंडका गांव के हरी सिंह ने बताया कि उन्हें उपचुनाव के बारे में एक ग्रामीण के बताने पर मालूम हुआ। दिचाऊं कला वार्ड की लक्ष्मी देवी ने बताया कि नेताओं की तरफ से भी पर्याप्त जागरूकता अभियान नहीं चलाया गया। जो भी पार्टी वाले आए बस अपने पोस्टर लगा गए। द्वारका-बी के पोचनपुर निवासी रिंकी ने बताया कि उन्हें चुनाव के बारे में नहीं पता। नारायणा के शुभराम ने बताया कि स्थानीय समस्याओं का हल न होने से लोग उम्मीद खो चुके हैं। लोग सोचते हैं कि जो भी आएगा फर्क नहीं पड़ेगा इसलिए चुनाव में रूचि नहीं है। इस तरह कई जगहों पर उम्मीदवार खुद स्वीकार कर रहे हैं कि उपचुनाव के प्रति लोगों में उत्साह जगाना इस बार बड़ी चुनौती है। प्रचार में तेजी आएगी = राजनीतिक दलों के नेताओं का मानना है कि जैसे-जैसे मतदान तिथि नजदीक आएगी, प्रचार में तेजी आएगी और कुछ हद तक जनता की भागीदारी भी बढ़ेगी लेकिन उपचुनाव में कम वोटिंग का खतरा पहले से मंडरा रहा है। वार्ड उपचुनाव को लेकर प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने विनोद नगर और ग्रेटर कैलाश में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठकों को संबोधित करते हुए भ्रष्टाचार व धन-बल के मुद्दों पर आप घेरा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भाजपा समर्थकों के वोट लंच टाइम से पहले डलवाने की रणनीति पर जोर देते हुए कहा कि यह उपचुनाव दिल्ली से आप की सफाई का अवसर है। आप ने विनोद नगर में भ्रष्टाचार में लिप्त प्रत्याशी को टिकट दिया है जबकि ग्रेटर कैलाश में प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज धन-बल के सहारे जीत ढूंढने निकले हैं। उनके अनुसार, दोनों वार्डों की जनता भ्रष्टाचार और धनबल को हराकर दम लेगी। उधर, संगठन महामंत्री पवन राणा ने चांदनी महल वार्ड में बैठकें कीं जबकि केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने विनोद नगर में नुक्कड़ सभा में शिरकत की।सांसद मनोज तिवारी ने द्वारका बी वार्ड में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने यमुना किनारे छठ पर्व मनाकर पूर्वांचल वासियों का दिल जीता लिया है। शालीमार बाग, दक्षिणपुरी, संगम विहार और चांदनी चौक सहित कई वार्डों में कुलजीत चहल, आदेश गुप्ता, संजय गोयल, मोहन सिंह बिष्ट, योगिता सिंह व अन्य नेताओं ने भी सभाएं कीं।

ड्रग्स का डर दिखाकर पूर्व बैंक अधिकारी को किया डिजिटल अरेस्ट, दिल्ली में 23 करोड़ की ठगी

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के हौजखास इलाके में साइबर ठगों ने पूर्व बैंक अधिकारी से 23 करोड़ रुपये ठग लिए। आरोपियों ने पहले पुलिस अधिकारी, बाद में प्रवर्तन निदेशालय व सीबीआई अधिकारी बनकर बुजुर्ग को मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त बताकर डरा दिया। बुजुर्ग की शिकायत पर इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) टीम ने साइबर ठगों के बैंक खातों में ठगी के 12.11 करोड़ रुपये फ्रीज करवा दिए। पुलिस के मुताबिक पीड़ित नरेश मल्होत्रा (73) परिवार के साथ हौजखास इलाके में रहते हैं। वह सरकारी बैंक से रिटायर हैं। पीड़ित ने बताया कि चार अगस्त को उनके पास एक शख्स का कॉल आया। कॉलर ने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी बताकर कहा कि वह ड्रग्स की तस्करी में शामिल हैं। उनके नाम से विदेश भेजा गया पार्सल पकड़ा गया है, जिसमे ड्रग्स मिले हैं। आरोपियों ने पीड़ित को गिरफ्तारी का डर दिखाकर उनके फ्लैट में कैद कर लिया। बदमाशों का कहना था कि जब तक वह नहीं कहेंगे तक वह न तो बाहर जाएंगे और न किसी को कॉल करेंगे। इसके बाद आरोपियों ने डराकर पीड़ित के खाते से रकम ट्रांसफर करवानी शुरू कर दी। पीड़ित इतनी बुरी तरह डरे हुए थे कि वह ठगों के अनुसार बताए हुए बैंक खातों में रुपये ट्रांसफर करते रहे। आरोपियों ने पीड़ित के तीन बैंक खातों को खाली करवा दिया। यह सिलसिला चार सितंबर तक चला। डर के कारण पीड़ित ने किसी को भी कुछ नहीं बताया। बाद में ठगे जाने का अहसास होने पर शुक्रवार को उन्होंने एनसीआरपी के पोर्टल पर ऑन लाइन शिकायत की। बाद में आईएफएसओ ने मामला दर्ज कर आधी से ज्यादा रकम फ्रीज करवा दी है। अब पुलिस बाकी रकम भी बरामद करने का प्रयास कर रही है। द्वारका इलाके में बैंक खाते में गलत तरीके से करोड़ों रुपये की लेन-देन होने की बात कहकर एक बुजुर्ग दंपती से 6.22 लाख रुपये ठग लिए गए। खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर जालसाजों ने बुजुर्ग दंपती को वीडियो कॉल करके डराकर अपने खाते में रकम ट्रांसफर करा ली। बुजुर्ग दंपती की शिकायत पर साइबर सेल ने मामला दर्ज कर लिया है और तकनीकी जांच कर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। पीड़ित बुजुर्ग दंपती सीता देवी अपने पति राजपाल और परिवार के अन्य सदस्य के साथ महावीर एन्क्लेव इलाके में रहती हैं। 20 सितंबर को साइबर सेल में दर्ज प्राथमिकी में सीता देवी ने बताया कि एक अज्ञात नंबर से उनके पास वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताते हुए उनके केनरा बैंक के खाते में दो होने की बात कहकर एक बुजुर्ग दंपती से 6.22 लाख रुपये ठग लिए गए। खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर जालसाजों ने बुजुर्ग दंपती को वीडियो कॉल करके डराकर अपने खाते में रकम ट्रांसफर करा ली। बुजुर्ग दंपती की शिकायत पर साइबर सेल ने मामलाकरोड़ रुपये आने की जानकारी देते हुए सवाल पूछा कि ये पैसे कहां से आए हैं। बुजुर्ग महिला ने बताया कि जब उन्होंने कहा कि मुंबई में कोई बैंक खाता नहीं है। आरोपी ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि बैंक खाता खोलने में उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल हुआ है। आरोपी ने बताया कि आपको डिजिटल अरेस्ट कर लिया गया है। अगले दिन फिर पूछताछ शुरू की और पति को भी वीडियो कॉल पर आने के लिए कहा। जालसाजों ने कहा कि दो खाते खोले गए हैं, एक खाते में 10 लाख रुपये जबकि दूसरे में दो करोड़ रुपये आए हैं। करेंसी की जांच होने की बात कहकर आरोपियों ने पीड़िता से उनके बैंक खातों की जानकारी ली और फिर उसमें से 6.22 लाख रुपये अपने बैंक खाते में ट्रांसफर कर लिए।

टक्कर के बाद कार और ट्रक के टायरों में ब्लास्ट, दरवाजा टूटते ही हाईवे पर गिरी एमडीएस छात्रा की मौत

मेरठ। कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात सड़क हादसे में कार सवार दिल्ली के वैशाली एंक्लेव निवासी डॉक्टर अरुण मेहरा की बेटी अनुराधा मेहरा (28) की मौत हो गई। वह एमडीएस (डेंटल) की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। कार सवार तीन साथी रूपाली राज, निखिल धामा व देवांश को अस्पताल में भर्ती कराया। देवांश के पैर की हड्डी टूट गई। अन्य दो मामूली रूप से घायल हैं। दिल्ली के वैशाली एंक्लेव निवासी अनुराधा मेहरा सुभारती विश्वविद्यालय में एमडीएस (डेंटल) की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। बुधवार रात वह अपनी दोस्त रूपाली राज निवासी मणिकपुर बिहार, निखिल धामा निवासी सदतपुर दिल्ली व देवांश निवासी विद्यावासनी कॉलोनी वाराणसी के साथ खाना खाने के लिए कंकरखेड़ा की तरफ गई थी। देर रात खाना खाने के बाद चारों कार से वापस लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार खड़ौली चौराहे से आगे राज रिसोर्ट के सामने कार चला रहे निखिल ने एक वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया तो उनकी कार आगे चल रहे ट्रक के पिछले पहिए से टकरा गई। इससे ट्रक और कार के पहिए फट गए। कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइडर से टकराते ही अनुराधा कार से निकलकर सड़क पर गिर गई। हादसे में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया, जहां अनुराधा की मौत हो गई। चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग गया। हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर थाने आ गई। सीओ दौराला प्रकाशचंद्र अग्रवाल का कहना है कि तहरीर आने पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। बेटी अनुराधा की सड़क हादसे की सूचना मिलने के बाद पीड़ित परिवार मेरठ पहुंचा। बेटी को घायल अवस्था में देखकर परिजन परेशान हो गए। बुधवार देर रात छात्रा की अस्पताल में मौत होने पर कोहराम मच गया। पिता बेटी के शव से लिपटकर रोने लगे। अन्य रिश्तेदारों ने किसी तरह पीड़ित परिवार को संभाला।

सरोगेसी की अनुमति मांग रहे दंपती को वर्चुअल सुनवाई की इजाजत

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने कनाडा में रह रहे एक भारतीय दंपती को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने जिला चिकित्सा बोर्ड के सामने सरोगेसी से जुड़ी कार्यवाही में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होने की अनुमति दे दी। बोर्ड के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें दंपती से व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने को कहा गया था। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की एकल पीठ ने कहा कि जिला चिकित्सा बोर्ड का मुख्य काम दंपकी के मेडिकल रिकॉर्ड की जांच करना है ताकि पता लगाया जा सके कि क्या उन्हें 'सर्टिफिकेट ऑफ मेडिकल इंडिकेशन' जारी किया जा सकता है। इस चरण में शारीरिक उपस्थिति अनिवार्य करने का कोई औचित्य नहीं है। कोर्ट ने कहा कि बोर्ड को मामले को व्यावहारिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए और वर्चुअल उपस्थिति की अनुमति देनी चाहिए। यदि दंपती से कोई स्पष्टीकरण चाहिए तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ही पर्याप्त है। अदालत ने टिप्पणी की कि सरोगेसी रेगुलेशन 2023 के तहत राज्य बोर्ड को वर्चुअल सुनवाई की सुविधा अनिवार्य रूप से उपलब्ध करानी पड़ती है तो जिला बोर्ड को भी इसके लिए खुद को तैयार करना चाहिए। बोर्ड के वकील ने विरोध जताते हुए कहा कि शारीरिक उपस्थिति जरूरी है ताकि किसी भी तरह के शोषण की आशंका को पूरी तरह खत्म किया जा सके। हाईकोर्ट ने बोर्ड का यह तर्क खारिज करते हुए कहा कि मेडिकल रिकॉर्ड की जांच मुख्य कार्य है और दंपति का अधिकृत प्रतिनिधि सभी मूल दस्तावेज लेकर बोर्ड के सामने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होगा। यह दंपती साल 2015 में शादी के बाद 2022 से कनाडा में रह रहा है और काम कर रहा है। संतान न होने के कारण उन्होंने दिल्ली दक्षिण जिले के चिकित्सा बोर्ड से 'गेस्टेशनल सरोगेसी के लिए मेडिकल इंडिकेशन सर्टिफिकेट' मांगा था और वर्चुअल सुनवाई की अनुमति भी मांगी थी। हालांकि बोर्ड ने मार्च में आदेश जारी कर उन्हें शारीरिक रूप से उपस्थित होने

नीदरलैंड के सामाजिक संगठन ने डॉ विवेक शर्मा को किया सम्मानित

नीदरलैंड के सिटी वेसल में स्थित सामाजिक संगठन इक्वल फाउंडेशन

में जयपुर के चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर विवेक शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया हैं। संगठन के अध्यक्ष हांक, ई,रदरफोर्ड ने डॉ विवेक द्वारा गरीब, दिव्यांग,वंचित एवम स्ट्रीट बच्चों के लिए मेडिकल सर्विस उपलब्ध कराने एवम मेडिसिन और उपचार देने की सराहना की है।

लाल किले में गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत का भव्य समागम शुरू

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा कि यह अवसर दिल्ली के हर बच्चे और हर नागरिक को गुरु के जीवन, उपदेशों और शहादत की गहन विरासत से जोड़ने का अद्वितीय माध्यम है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तेग बहादुर साहिब जी की शिक्षाएं मानवता, करुणा, सहिष्णुता और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। दिल्ली सरकार ऐसे आयोजनों के माध्यम से गुरु परंपरा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी जैसी महान शहादत हुई है और इसी धरती पर उनकी अमर कथा दर्ज है। लाल किला, जिसने सदियों पहले गुरु साहिब की शहादत का वह ऐतिहासिक क्षण देखा था, आज उसी गुरु की महिमा से पुन: आलोकित हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने स्वयं यह निर्देश दिए हैं कि समागम में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और हर व्यवस्था सर्वोत्तम स्तर पर हो। श्री सिरसा ने भावुक होकर कहा कि लाल किले के प्रांगण में गुरु तेग बहादुर साहिब जी की जीवन-गाथा का इस भव्य रूप में प्रस्तुत होना अपने आप में ऐतिहासिक है। गुरु के चरणों में यह आयोजन समर्पित करना हम सभी के लिए बड़ा सौभाग्य है। उन्होंने संगत का धन्यवाद करते हुए कहा कि लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति इस पावन अवसर को और अधिक अर्थपूर्ण बनाती है। उन्होंने दशमेश पातशाह श्री गुरु गोविंद सिंह जी के गुरुता गद्दी दिवस की भी सप्रेम बधाई दी और संगत से कहा कि गुरु की सेवा और श्रद्धा ही सबसे बड़ी फतेह है।

बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कूलों में आउटडोर एक्टिविटी पर लगी रोक

नई दिल्ली। दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण बहुत तेजी से बढ़ रहा है। हवा की गुणवत्ता गंभीर स्तर पर पहुंच गई है, जो लोगों की सेहत के लिए बहुत खतरनाक है। इसी वजह से दिल्ली सरकार ने सभी स्कूलों को आदेश दिया है कि वे बच्चों की बाहर होने वाली गतिविधियों और खेलों को कुछ समय के लिए रोक दें। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (छ्त्तरू) से कहा था कि वह स्कूलों में खेल गतिविधियां रोकने पर विचार करे। आयोग ने बताया कि अभी की हवा बच्चों के लिए बहुत हानिकारक है, इसलिए नवंबर और दिसंबर में होने वाली खेल प्रतियोगिताएं भी रोक दी गई हैं। डॉक्टरों का कहना है कि बच्चे प्रदूषित हवा से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। इसका कारण यह है कि उनका शरीर और फेफड़े अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुए होते। बच्चे वयस्कों की तुलना में तेज सांस लेते हैं और ज्यादा समय बाहर खेलते हैं। इसी वजह से उनके शरीर में जहरीली हवा और हानिकारक कण ज्यादा मात्रा में पहुंच जाते हैं। इस मामले में न्यायालय की सहायता कर रहे न्यायमित्र ने कहा कि नवंबर और दिसंबर में स्कूलों में बाहरी गतिविधियां कराना बच्चों को मानो गैस चैंबर में धकेलने जैसा है।

NAME CHANGE
I SOWATI DEVI W/O LATE PARAM SINGH R/O M14 C BASANT LANE RAILWAY COLONY PAHAR GANJ DELHI -110055, I have changed my minor child name Labis Singh to Labish Rawat

NAME CHANGE
I, Neha Sagar W/O Kokkala Abhinay Kumar Gupta R/O F-14, Harswaroop Colony, Fate? Pur Beri, South Delhi, 110074, Have changed my name to Neha Gupta for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KULDEEP S/o AMAR NATH R/o H.No-1/2244, Street No-14, East Ram Nagar, Shahdara, Delhi-110032, have changed my name and shall hereafter be known as JHAMMAN.

NAME CHANGE
It is for general information that I SADAF D/O MOHAMMAD YASIN R/O WZ-NA-3B-167 3rd Floor, Vishnu Garden, Tilak Nagr, Dist: West Delhi, Delhi-110018, declare that name of my father has been wrongly written as MOHD YASEEN in my all Educational Documents. The actual name of my father is MOHAMMAD YASIN which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Manoj Kumar S/o Mata Prasad R/o C-7/72, Senpura, Chetganj, Varanasi, Uttar Pradesh - 221001, have changed my minor daughter's name from Aaradhya aged 07 years to Aradhya Chaurasiya forever

NAME CHANGE
I Chameli Devi W/o Ramesh Kumar R/o Vill-Rura, PO-Fakharpur, District-Sitapur, Uttar Pradesh -261151, have changed my name to Ragini Devi

NAME CHANGE
I Triloki Prakash Mehta Alias Triloki Prakash Alias Triloki Prasad S/o Chetan Dass R/o 12-A, Rajvilas, Rathakhana Ke Paas, VTC- Bikaner, District- Bikaner, Rajasthan - 334001, have changed my name to Triloki Prakash Mehta.

NAME CHANGE
S/O SHEKHARCHANDRA R/O 215, Chhajarsi Colony Noida, Sector-63, PO: Chhajarsi, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201307, have changed my name and shall hereafter be known as GAJENDRA KUMAR.

NAME CHANGE
I, Shahnawaz S/o Aziz Kha R/o B-172, Shaheed Nagar, Chikamberpur, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201006 declare that name of my father has been wrongly written as Abdul Aziz in my School Records. The actual name of my father is Aziz Kha

NAME CHANGE
I, hitherto known as KESAVAN PERUMAL RAMAMURTHI S/O RAMAMURTHY GOPALA R/O 67KH NO-182/2, QUTUB VIHARPHASE-2 B-BLOCK, D C GOYLA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110071 have changed my name and shall hereafter be known as KESAVA PERUMAL RAMAMOORTHY .

NAME CHANGE
It is for general information that I, ZOYA AHMED D/O AZAZ AHMED R/O 237, NEAR BADI MASJID, HAUZ RANI, SOUTH DELHI, DELHI-110017 declare that name of mine, my father and my mother have been wrongly written as JOYA EJAJ, EJAJ KHAN and EARJANA in my 10th Class Educational Documents. The Actual name of mine, my father and my mother are ZOYA AHMED, AZAZ AHMED and FARZANA AHMED respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, LILA DEVI BASNET is real mother of No. 13776058X Rank RFN Name PRAKASH CHETTRI presently residing VPO-PHAMTAM, TEH-RAVANGLA, DIST-SOUTH SIKKIM, (SIKKIM)-737139 have changed my name from LILA DEVI BASNET to LALI DEVI CHETTRI for all Future Purposes. Vide Affidavit No-IN-DL97958897891770X Dated 21/11/2025 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I Ruchi W/o Vipin Sakhuja R/o Flat No. 913, Sargodha Appts, Plot No. 13, Sec - 7 Dwarka Delhi - 110075 have changed my name to Ruchi Sakhuja for all future purposes.

NAME CHANGE
I Bharti Sharma W/o Karan R/o 591, Pocket - 2, Paschim Puri, Paschim Vihar West, Delhi - 110063 have changed my name to Bharti for all future purposes.

NAME CHANGE
I Vipin S/o S S Sakhuja R/o Flat No. 913, Sargodha Appts, Plot No. 13, Sec - 7 Dwarka Delhi - 110075 have changed my name to Vipin Sakhuja for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SURENDER SINGH S/O KHEM SINGH R/O E-24, ASHOK VIHAR PHASE-2, NEAR HANUMAN MANDIR, SECTOR-5, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO SURENDER SINGH BISHT FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I SOHAN PAL SHARMA S/O KHAM KARAN R/O 70/C/8-A/4-A OLD TEJAB MIL BHOLA NATH NAGAR SHAHDARA DELHI - 110032, I have changed my name to SOHAN PAL Permanently

NAME CHANGE
I, AKHLAQ AHMAD s/o Ameer Hasan R/o H.No. 469/51, Street No.9B, Near Minara Masjid, Mohanpuri, Maujpur, Delhi-110053, have change my name to AKHLAQUE AHMAD permanently

NAME CHANGE
I, Niranjan Lal Gupta S/o Bhagwan Sahai Gupta R/o A-670, first Floor, Shastri Nagar, Delhi-110052 have changed my name to Niranjan Gupta S/o Bhagwan Sahay Gupta for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KRISHNA NARAIN SHARMA S/O JAI NARAIN SHARMA R/O K-4/5, FIRST FLOOR, DLF PHASE II, GURUGRAM HARYANA-122002.have changed my name to KRISHAN NARAIN SHARMA for all future purpose.

सार्वजनिक सूचना
यह आपको सूचित करने के लिए है कि श्री भरत कुमार पुत्र श्री विनोद पटेल, आवासीय मकान संख्या C-1, क्षेत्रफल 67.5 वर्ग गज, खसरा संख्या 211 से बाहर, ग्राम विष्णुली क्षेत्र, जे.डी.एस. ग्रीन एन्क्लेव कॉलोनी, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित, को श्री विशाल, श्री भुवांशु, श्री वीरेंद्र कुमार और सुश्री लवीना से क्रय करने का इरादा रखते हैं। राजस्व रिकॉर्ड (खतौनी) के अनुसार उक्त संपत्ति के मूल प्रारंभिक स्वामी श्री राजपाल थे। श्री राजपाल ने संपूर्ण संपत्ति को बिक्री विलेख दिनांक 13.02.2020 के माध्यम से एम/एस ओम शिवाय कंस्ट्रक्शन को बेचा था। इसके उपरांत, एम/एस ओम शिवाय कंस्ट्रक्शन ने उक्त मकान को बिक्री विलेख दिनांक 23.12.2020 के माध्यम से श्रीमती प्रेमलता को बेचा। दुर्भाग्यवश, श्रीमती प्रेमलता, पत्नी श्री वीरेंद्र कुमार, का 06.06.2021 को देहांत हो गया। उनके कानूनी वारिसों में श्री भुवांशु (पुत्र), सुश्री लवीना (पुत्री), श्री वीरेंद्र कुमार (पति) और श्री विशाल (पुत्र) शामिल हैं, जैसा कि उत्तरजीवी सदस्य प्रमाण पत्र संख्या 90660000303921 दिनांक 13.10.2025 में उल्लेखित है। फलस्वरूप, श्री विशाल, श्री भुवांशु, श्री वीरेंद्र कुमार और सुश्री लवीना उपरोक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वास्तविक स्वामी हैं, तथा यह संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बाध्यता, बंधक, देयता या दावे से मुक्त है। कृपया यह भी नोट करें कि उपरोक्त संपत्ति वर्तमान में Can Fin Homes Ltd., पीतमपुरा (NSP) शाखा, दिल्ली के साथ बंधक की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Narendra Bhati D/O Kartar Singh, R/O Village Darin, Khera Chauganpur. Kulesara, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201306, have changed the name of my minor daughter Anjil Bhati aged 16 years and she shall hereafter be known as ANGEL BHATI

NAME CHANGE
I, POORADAN Father of No. 15322315P Rank-HAV Name-JUSTIN P Residing at VILL-PUNKARAI AALUVILAI, PO-THIRUVITHANCODE, TEHSIL-KALKULAM, DISTT-KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU-629174, have changed my name from POORADAN to POORADAN M for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1954 instead of my correct date of birth as 12/01/1953 Vide Affidavit dated 24/11/2025 before Notary Public Delhi

NAME CHANGE
I, RETHINA BAI Mother of No. 15322315P Rank-HAV Name-JUSTIN P Residing at VILL-PUNKARAI AALUVILAI, PO-THIRUVITHANCODE, TEHSIL-KALKULAM, DISTT-KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU-629174, have changed my name from RETHINA BAI to RATHINABAI MANIKKAM for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of my correct date of birth as 01/11/1949 Vide Affidavit dated 24/11/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, LAXMI Mother of NO-16128696K, Rank-SPR, Name-B PRASHANTH residing at 1-2, GOPAL PET, ADILABAD, TELANGANA-504110, have changed my name from LAXMI to BONDLA LAXMI for all future purposes vide Affidavit dated 24/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MURALI Father of NO-16128696K, Rank-SPR, Name-B PRASHANTH residing at 1-2, GOPAL PET, ADILABAD, TELANGANA-504110, have changed my name from MURALI to BONDLA MURALI for all future purposes vide Affidavit Dated 24/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NAHAR SINGH TOMAR (Retd.) Presently residing at Q-82, SHATABDIPURAM, 60 PHUTA ROAD, GOLE KA MANDIR, GIRD, GWALIOR, MADHYA PRADESH-474005, have changed name of my daughter from KUMARI RESHU to RESHU TOMAR vide Affidavit dated 24/11/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Jitendra Yadav S/O Roop Chand Yadav R/O House No-rc-92, Khora Gaon, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201303, Have changed my name to Jitender Yadav for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Sanjo W/O Sanjay Singh, R/O nagla badan, VTC: Baznagar Safed, PO: Baznagar, Sub District: Kasganj, District: Kasganj, Uttar Pradesh, 207402, have changed my name and shall hereafter be known as Manju Devi.

NAME CHANGE
I SHAZIA W/O AFZAL MALIK R/O B-381 GALI NO-3 BRIJPURI ROAD INDRA VIHAR NORTH EAST DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAZIA MALIK.

NAME CHANGE
I hitherto known as Viri Singh S/O Nanua R/O Surir kalan, Post- Surir, Tahsil- mant, Surirkalan Bagar, Mathura ,Uttar Pradesh - 281205, have changed my name and shall hereafter be known as BIRI SINGH.

सार्वजनिक सूचना
यह आपको सूचित करने के लिए है कि श्री राहुल पृथ्वी संपत्ति संख्या WZ-875, क्षेत्रफल 300 वर्ग गज, जो खसरा नंबर 328 एवं 352 से संबंधित है, गाँव सलीमपुर मजरा मादीपुर, दिल्ली राज्य स्थित, जो वर्तमान में अबादी के रूप में रानी बाग, शकूर बस्ती, दिल्ली-110034 के नाम से जानी जाती है, का तीसरी मंज़िल एवं छत के अधिकार खरीदने का इरादा रखते हैं। उक्त संपत्ति श्री तजिंदर सिंह एवं श्रीमती तवलीन कौर से खरीदी जानी प्रस्तावित है। मूल मालिक श्री सुभाष खन्ना, श्रीमती शशि दत्त एवं श्री कुलदीप गुलाटी (जो श्रीमती सरोज शर्मा एवं अन्य के जनरल अटॉर्नी थे) ने उक्त पूर्ण 300 वर्ग गज संपत्ति में से ½ हिस्सा (150 वर्ग गज) श्री प्रदुमन कुमार जैन को विक्रय विलेख दिनांक 10.10.1981 के माध्यम से बेचा था तथा शेष ½ हिस्सा (150 वर्ग गज) श्री मनीष कुमार को नोटराइज़्ड GPA, ATS एवं वसीयत दिनांक 08.02.1988 के माध्यम से स्थानांतरित किया था। इसके उपरांत, श्री प्रदुमन कुमार जैन ने अपना ½ हिस्सा (150 वर्ग गज) श्री मनीष कुमार के पक्ष में नोटराइज़्ड GPA, ATS एवं वसीयत दिनांक 23.06.1992 के माध्यम से स्थानांतरित कर दिया। तत्पश्चात, श्री मनीष कुमार ने द्वितीय मंज़िल संपूर्ण क्षेत्रफल 300 वर्ग गज को श्री मदन लाल के पक्ष में नोटराइज़्ड GPA, ATS एवं वसीयत दिनांक 04.06.1999 के माध्यम से स्थानांतरित किया। श्री मदन लाल ने इसके बाद दूसरी मंज़िल के पश्चिमी भाग, क्षेत्रफल 150 वर्ग गज, को श्री यश गुलाटी के पक्ष में रजिस्टर्ड GPA, ATS एवं रजिस्टर्ड वसीयत दिनांक 21.04.2004 के माध्यम से स्थानांतरित किया। दुर्भाग्यवश, श्री यश गुलाटी का देहांत हो गया और उनके कानूनी उत्तराधिकारी—श्रीमती सोनिया गुलाटी, श्री अभिषेक गुलाटी एवं श्री विवेक गुलाटी—उनके पीछे रह गए। बाद में, श्रीमती सोनिया गुलाटी और श्री अभिषेक गुलाटी ने अपने हिस्से श्री विवेक गुलाटी के पक्ष में त्याग विलेख दिनांक 06.11.2012 के माध्यम से त्याग दिए। इसके उपरांत, श्री विवेक गुलाटी ने दूसरी मंज़िल की पश्चिमी छत का हिस्सा श्रीमती गुरमीत कौर के पक्ष में विक्रय विलेख दिनांक 10.11.2012 के माध्यम से बेच दिया। दुर्भाग्यवश, श्रीमती गुरमीत कौर का भी देहांत हो गया और उनके कानूनी उत्तराधिकारी—श्रीमती तवलीन कौर एवं श्री तजिंदर सिंह—उनके पीछे रह गए। इसके अतिरिक्त, श्री तजिंदर सिंह ने दूसरी मंज़िल के छत अधिकार 85 वर्ग गज क्षेत्रफल श्री जवाहर लाल के पक्ष से विक्रय विलेख दिनांक 24.09.2009 के माध्यम से खरीदे थे तथा वही फ्लैट क्षेत्र श्रीमती कमलेश रानी से भी विक्रय विलेख दिनांक 24.09.2009 के माध्यम से खरीदा था। श्री जवाहर लाल एवं श्रीमती कमलेश रानी ने उक्त मंज़िल को पहले श्री मदन लाल से दो अलग-अलग विक्रय विलेखों, दिनांक 03.11.2004 एवं 30.03.2005 के माध्यम से खरीदा था। आगे, श्रीमती तवलीन कौर ने अपना SPA दिनांक 27.04.2025 के माध्यम से श्री तजिंदर सिंह को नियुक्त किया। अत:, श्रीमती तवलीन कौर एवं श्री तजिंदर सिंह वर्तमान में उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी हैं। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाज़ियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SUMIT S/O HARI BABU, R/O Plot No. B,Kh. No. 26/8/2, Block-E Extn, Begum Vihar, Begumpur, North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of my Father and my mother has been wrongly written as BABU LAL and PHOOLA in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are HARI BABU and PHOOLWATI , which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती गर्गी त्यागी एवं श्री सुनीत त्यागी, संपत्ति संख्या F-239, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज (83.61 वर्ग मीटर), खसरा संख्या 445/49/16 एवं 445/49/17, स्थित गाँव घरौंडा नीम का बंगर उर्फ पटपड़गंज, आबादी ब्लॉक-F, पांडव नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110091, के बाएँ हाथ की तरफ निर्मित तृतीय तल तथा उसके साथ छत के अधिकार (जिसे आगे उक्त मंजिल कहा जाएगा) को श्रीमती अंजु शर्मा से खरीदने का इरादा रखते हैं। इस संपत्ति के मूल स्वामी श्री कौशल राम थे, जिन्होंने यह संपत्ति एम/एस दिल्ली हाउसिंग कंपनी से विक्रय विलेख दिनांक 19.03.1959 के माध्यम से खरीदी थी। श्री कौशल राम ने इस संपत्ति को श्री सतेंद्र कुमार के नाम पर दिनांक 05.02.1973 को पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, सेल एग्रीमेंट एवं वसीयत के माध्यम से स्थानांतरित किया था। तत्पश्चात, श्री सतेंद्र कुमार ने इस संपत्ति को श्रीमती इंद्रा शर्मा के नाम पर विक्रय विलेख दिनांक 02.03.2007 के माध्यम से बेच दिया था। श्रीमती इन्द्रा शर्मा ने दिनांक 12.02.2021 को एक पंजीकृत वसीयत Ms. Satwant Rani Laumas (S.R. Laumas) और Mr. Sandeep Sharma के पक्ष में निष्पादित की। वसीयत के अनुसार, उक्त फ्लोर Mr. Sandeep Sharma के पक्ष में आवंटित किया गया है। दुर्भाग्यवश, श्रीमती इंद्रा शर्मा का देहांत 15.02.2021 को हो गया। इसके उपरांत, श्री संदीप शर्मा ने दिनांक 10.03.2025 के उपहार विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति अपनी पत्नी श्रीमती अंजु शर्मा को उपहारस्वरूप प्रदान की। परिणामस्वरूप, श्रीमती अंजू शर्मा अब उपरोक्त संपत्ति की पूर्ण स्वामिनी हैं। यह संपत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, बाधाओं, बंधनों, दावों अथवा किसी भी प्रकार के भार से मुक्त पाई गई है। कृपया अवगत रहें कि यह संपत्ति वर्तमान में आरबीएल बैंक लिमिटेड, शाखा- ओखला, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

टैलेंट सर्च 2025 में बच्चों ने बिखेरी प्रतिभा, 27 टीमों और 63 प्रतिभागियों ने लिया भाग

एजेंसी

हिसार। जिला परियोजना संयोजक शिक्षा विभाग के तत्वाधान में टैलेंट सर्च 2025 का आयोजन कैमरी स्थित सुरभि आर्ट सिटी में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैमरी सरपंच ओमप्रकाश भांभू रहे जबकि जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला परियोजना संयोजक राम रतन ने की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथियों ने रविवार को कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाने का कार्य करती हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति-कौशल और प्रतिस्पर्धात्मक भावना से भी भरती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मंचों के माध्यम से विद्यार्थी अपनी योग्यता को निखारकर न केवल जिला स्तर पर, बल्कि प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना सकते हैं।मुख्य अतिथियों ने कहा कि नई पीढ़ी में असीम क्षमता है और आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर प्रदान करने की है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं के साथ-साथ खेल गतिविधियां भी बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाती हैं। खेल न केवल शरीर को सशक्त रखते हैं, बल्कि टीमवर्क व अनुशासन भी विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में बच्चों की सक्रिय भागीदारी उन्हें भविष्य में बड़े मंचों के लिए तैयार करती है, इसलिए ऐसे प्रयास अत्यंत सराहनीय है।

सरकारी योजनाओं व नीतियों की जानकारी के लिए डिजिटल पोर्टलों से जुड़े युवा: डॉ वीरेंद्र दहिया

पानीपत। पानीपत के उपायुक्त वीरेंद्र कुमार दहिया ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे केंद्र और राज्य सरकार द्वारा बनाए गए डिजिटल पोर्टलों से जुड़कर सरकारी योजनाओं व नीतियों की जानकारी प्राप्त करें और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि अब सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए पारंपरिक माध्यमों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है। सरकार ने ऐसे डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किए हैं जो न केवल योजनाओं की जानकारी देते हैं बल्कि नागरिकों को नीति निर्माण और संवाद का अवसर भी प्रदान करते हैं। इनमें सबसे प्रमुख है माईजीओवी, जो नागरिकों को सरकार के साथ जोड़कर गुड गवर्नेंस में भागीदारी सुनिश्चित करता है। यहां लोग चर्चाओं, सर्वे, पोल, क्विज और ऑन-ग्राउंड गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं। माईजीओवी की मजबूत सोशल मीडिया मौजूदगी भी है और यह ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब व भारतीय प्लेटफॉर्म जैसे कू, शेयरचैट, चिंगारी, रोपोसो पर सक्रिय है। माई भारत युवाओं को नेतृत्व क्षमता विकसित करने और समाज में योगदान का अवसर देता है, जबकि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप पोर्टल युवाओं को व्यावहारिक अनुभव और कौशल विकास के जरिए करियर निर्माण में मदद करता है। उन्होंने कहा कि ये प्लेटफॉर्म युवाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और नीति निर्माण में योगदान देने का सुखद अवसर दे रहे हैं।

पानीपत में युवक की रेल की चपेट में आने से मौत

पानीपत। पानीपत रिफाइनरी पुल के नीचे रात एक युवक की रेलगाड़ी की चपेट में आने से मृत्यु हो गई। रेलगाड़ी के ड्राइवर ने दुर्घटना की सूचना तुरंत रेलवे कंट्रोल रूम को दी, जिसके बाद जीआरपी और रेलवे सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही जीआरपी थाने से पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को रेल ट्रैक से हटाकर अपने कब्जे में लिया। अंधेरे में ही पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव की शिनाख्त के प्रयास शुरू किए। प्रारंभिक जांच में मृतक के पास पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला, जीआरपी थाना प्रभारी चंदन सिंह ने बताया कि मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष है। उन्होंने कहा कि युवक के कपड़ों की तलाशी ली गई, लेकिन न तो मोबाइल फोन मिला और न ही कोई पहचान पत्र। फिलहाल पुलिस आसपास के थानों और क्षेत्रों में गुमशुदगी से संबंधित रिपोर्टों की पड़ताल कर रही है, ताकि मृतक की पहचान की जा सके। शव को रात में ही सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया है। जहां पुलिस ने बताया कि घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। वहीं पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि युवक रेलवे ट्रैक पर कैसे पहुंचा। पुलिस ने कहा कि युवक की पहचान के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं।

ड्यूटी से घर लौट रहे दो युवकों की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत

गुरुग्राम। अपनी ड्यूटी करके बाइक पर घर लौट से दो युवकों की पिकअप द्वारा टक्कर मारे जाने से मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। रात हुई इस घटना पर रविवार को पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार शनिवार की देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 (एनएच-48) पर मानेसर में सेक्टर-8 के कट के पास बाइक पर सवार दो युवक ड्यूटी खत्म करके अपने घर जा रहे थे। इसी बीच एक पिकअप गाड़ी तेज रफ्तार से आई और उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों युवक दूर जाकर गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके पर से फरार हो गया। दोनों युवक मानेसर में ही एक कंपनी में नौकरी करते थे। नाहरपुर गांव में वे किराये के घर में रहते थे। मरने वाले युवकों की पहचान अंकुश पाल (24) निवासी पुरवा नया ओरैया उत्तर प्रदेश, विकास बाबू (20) निवासी बीना इटावा उत्तर प्रदेश केरूप में हुई। इस घटना की सूचना मिलते ही मानेसर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान काफी जाम भी लग गया। पुलिस ने मौके का मुआयना करके शवों को शव गृह भिजवाया।

देवदर्शन योजना में चमकाएंगे पानीपत का चुलकाना धामः डॉ अरविंद शर्मा

एजेंसी

पानीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार चुलकाना धाम को देव दर्शन योजना के तहत चमकाएगी। उन्होंने कहा कि भजन सम्राट कन्हैया मित्तल और श्याम भक्तों द्वारा पानीपत से चुलकाना श्री श्याम भव्य निशान यात्रा न केवल सनातन धर्म को मजबूत करेगी, अपितु राष्ट्रीय एकता की भावना को भी सशक्त बनाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में आस्था के बड़े केन्द्र चुलकाना धाम पर आने वाले भक्तों को बेहतर सड़कें और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

श्री नवयुवक खाटूश्याम मित्र मंडल के सौजन्य एवं भजन सम्राट कन्हैया मित्तल के नेतृत्व में पानीपत से चुलकाना धाम तक आयोजित श्री श्याम भव्य निशान यात्रा में सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा शामिल हुए। पदयात्रा में खाटू नरेश

की जय, हारे के सहारे की जय, तीन बाणधारी की जय, शीश के दानी की जय के जयकारों के बीच सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने श्याम भक्तों को संबोधित किया।

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि बाबा श्याम के चरणों मे चुलकाना धाम निरन्तर आने का उन्हें भी सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। श्रद्धालुओं की गहरी आस्था के केंद्र चुलकाना धाम को देव दर्शन योजना के तहत विकसित करते हुए बेहतरीन सड़कें व अन्य सुविधाएं दी जाएंगी, ताकि ?यहां आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि बाबा श्याम का आदेश है, श्रद्धालुओं के लिए हम सब मिलकर चुलकाना धाम को चमकाएंगे। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने भजन सम्राट कन्हैया मित्तल की भव्य निशान यात्रा की पदयात्रा के लिए सराहना करते हुए कहा कि उनके विचार सनातन धर्म को मजबूत बनाने और आमजन को राष्ट्रीय एकता के भाव के साथ जोड़ने के हैं। उन्होंने कहा कि यह पदयात्रा श्रद्धालुओं के साथ-साथ आमजन में जागरूकता लाएगी और लोगों में जोश एवं उत्साह भरने का काम करेगी। इस पदयात्रा में समालखा विधायक मनमोहन भड़ाना भी शामिल हुए।

गौशाला में हरियाणा त्यागी समाज के प्रदेश अध्यक्ष ने दी 2.51 लाख की सहायता

.एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर के गांव शाहपुर तगा स्थित 108 मोहनदास गौशाला में लगी भीषण आग से बड़ा नुकसान हुआ। गौशाला परिसर में संग्रहित लगभग 300 एकड़ पराली और बड़ी मात्रा में तूड़ा जलकर राख हो गया। युवा भाजपा नेता और हरियाणा त्यागी समाज के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत राई मौके पर पहुंचे। उन्होंने गौशाला प्रबंधन से पूरी जानकारी ली और नुकसान का विस्तृत निरीक्षण किया। गौशाला में हुए भारी नुकसान को देखते हुए पुनीत राई ने समाज सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए अपने निजी कोष से 2 लाख 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गौशालाएं हमारी संस्कृति और परंपरा का प्रतीक हैं, इसलिए इस संकट में सभी को सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से यह भी आग्रह किया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा प्रबंध मजबूत किए जाएं। गौशाला प्रबंधन और ग्रामीणों ने पुनीत राई का आभार व्यक्त किया।?

अपनी हक व मांगो पर प्रदेश स्तरीय रैली करेगा ओबीसी बिग्रेड

एजेंसी

हिसार। शहर के राजगढ रोड पर स्थित संत कबीर संस्थान में ओबीसी बिग्रेड का राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रदेश भर से ओबीसी समाज के लोगों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय सम्मेलन में ओबीसी बिग्रेड के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र तंवर मुख्य अतिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मिट्टी कला बोर्ड के पूर्व चेयरमैन कर्ण सिंह राणोलिया ने की। सामाजिक कार्यकर्ता डा. मुखत्यार सिंह सदर, देशराज कंबोज, ओबीसी महासचिव सुरेंद्र रोहिल्ला, सेवानिवृत डीएसपी करता राम कश्यप, जांगिड़ महासभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महावीर प्रसाद जांगड़ा व डा. कृष्ण बागोरिया विशिष्ट अतिथि रहे। ओबीसी बिग्रेड के सम्मेलन में अनेक फैसले लिए गए। इसके तहत सम्मेलन में 27 प्रतिशत आरक्षण हिस्सेदारी देने की मांग प्रमुख रही। साथ ही पिछडे वर्गो की अन्य मांगे उठाई गई। इस दौरान सभी

सभी वक्ताओं ने अपने विचार रखे। इसमें फैसले लिए गए है ओबीसी बिग्रेड द्वारा हरियाणा में पांच जोन बनाए जाएंगे जिसमें जोन स्तर पर एक प्रभारी की नियुक्ति की जाएगी। संगठन का विस्तार करते हुए एक महीने के अंदर–अंदर जिला व ब्लॉक स्तर पर संगठन के पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। ओबीसी बिग्रेड द्वारा एक महीने तक गाड़ियों के काफिले के साथ प्रदेश स्तर पर जन जागरुकता अभियान यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा हरियाणा के एक हजार गांवों को कवर करेगी। संगठन को हरियाणा के प्रत्येक गांव स्तर पर जोडा जाएगा। ओबीसी बिग्रेड हर जिले में जाकर प्रशिक्षण शिविर लगाएगी और संगठन को ग्रास रुट तक ले जाने का काम करेंगे।

कांग्रेस के हार के बहाने पर अब नहीं रहा जनता को भरोसा : धनखड़

एजेंसी

झज्जर। वोट चोरी अभियान के दौरान हरियाणा में एक स्थान पर कांग्रेसियों द्वारा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के फोटो पर कालिख पोतने को भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कांग्रेस की बुद्धि का दीवालियापन बताया है। उन्होंने साथ ही उन कांग्रेसियों को यह सलाह भी दी कि जिनमें अभी थोड़ी-बहुत बुद्धि बची है उन्हें कम से कम अपनी सदबुद्धि को जगाए रखने चाहिए। भाजपा नेता धनखड़ मार्केट कमेटी झज्जर के कार्यालय में कमेटी के नव नियुक्त चेयरमैन सतबीर सिंह व वाइस चेयरमैन को उनका पदभार ग्रहण कराने पहुंचे थे। यहां एक सादे समारोह में उन्होंने मार्केट कमेटी की इस नई टीम को पदभार ग्रहण कराया। बाद में मीडिया के रूबरू हुए धनखड़ ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, सच्चाई तो यह है कि कांग्रेस साल 2014 से पहले के युग में जी रही है। कांग्रेस अब भी अपडेट नहीं हुई तो इस पार्टी को इसी तरह से अपने बहाने ढूंढने होंगे। कांग्रेस की दुर्गति ही दुर्गति होगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के हार

के बहाने पर अब देश की जनता को भरोसा नहीं रहा है। एसआईआर पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा में एसआईआर शुरू हो चुका है। फिलहाल देश के 12 राज्यों में एसआईआर शुरू हो चुका है और आने वाले समय में पूरे देश होगा। उन्होंने यह भी कहा कि साल 2002 से 2004 के बीच पहले भी एसआईआर हुआ था। यह एक प्रक्रिया है जोकि हर बीस-पच्चीस साल बाद होती है। दुष्यंत चौटाला द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को असफल मुख्यमंत्री बताए जाने के सवाल का जवाब देते हुए धनखड़ ने कहा कि नायब सैनी सबसे शानदार सीएम हैं। इस मौके पर उनके साथ भाजपा के झज्जर जिलाध्यक्ष विकास बाल्मीकि, भाजपा नेता संजय कबलाना, हरिप्रकाश यादव, भाजपा के जिला प्रवक्ता गीतांशु चावला, प्रकाश धनखड़, अनिल शर्मा, सुनीता चौहान व कमलेश अत्री भी मौजूद थी।

धुंध के दौरान वाहन चलाते समय बरते विशेष सावधानीः एसपी सुरेश सैनी

एजेंसी

पानीपत। यातायात पुलिस ने धुंध में होने वाली सड़क दुर्घटनों पर अंकुश लगाने के लिए सोमवार को जीटी रोड़ पर रिफ्लेक्टर टेप लगाकर चालकों को नियमों बारे में जागरूक किया। यातायात पुलिस ने जीटी रोड़ पर 150 से अधिक वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगा वाहन चालकों को जागरूक किया।

यातायात उप पुलिस अधीक्षक सुरेश कुमार सैनी ने कहा कि आने वाले दिनों में मौसम में कोहरे व धुंध के चलते सड़कों पर दृश्यता कम होगी। ऐसे में सड़कों पर वाहन का प्रयोग करते समय अधिक सावधानी बरतनी होगी। वाहन मालिक व चालक अपने-अपने वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर जरूर लगाएं। धुंध के मौसम में रिफ्लेक्टिव टेप बहुत ही कारगर साबित होती है। उन्होंने कहा कि यातयात नियमों का पालन करना न केवल अपने लिए व दूसरों के लिए

भी बुहत जरुरी है। यातायात उप पुलिस अधीक्षक सुरेश कुमार सैनी ने बताया कि पानीपत में यातायात पुलिस सड़क हादसों पर अंकुश लगाने की दिशा में विशेष जागरूक्ता अभियान चलाए हुए है। आमजन को यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके और सड़क पर सभी की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बीते 3 सप्ताह में दौरान 2680 वाहनों के चालान किए गए है। उन्होंने कहा कि अधिकतर दुर्घटनाए नियमों की अनदेखी के कारण घटित होती है। इसलिए वाहन चलाते समय यातायात के सभी नियमों की पालना करें। तेज गति से वाहन न चलाए, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग ना करें, नशा करके वाहन न चलाए, नींद आने पर वाहन न चलाए, वाहन चलाते समय हमेशा सीट बैल्ट का प्रयोग करें, वही दो पहियां वाहन चलाते हमेशा हेल्मेट का प्रयोग करें इत्यादी वाहन चलाते समय यातायात के सभी नियमों की पालना करें।

एसबीआई ने थुराना पीएचसी में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की

एजेंसी

हिसार। भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय व्यवसायिक कार्यालय ने गांव थुराना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जनसाधारण के लिए मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करवाई। अपने सामाजिक दायित्व को पूरा करते हुए बैंक ने सुलभ शौचालय, जरूरतमंदों के लिए व्हील चेयर, पानी की निकासी व्यवस्था और पेयजल व बिजली लाइट की व्यवस्था को सुचारू करवाया। इन कार्यों के लिए बैंक के क्षेत्रीय प्रबन्धक अभिनय कुमार पाठक ने दिशा-निर्देशन किया। बैंक के सीनियर मैनेजर सुनील कुमार और मैनेजर गुलाब सिंह ने गांव के सरपंच रामदिया पानू के साथ पहुंचकर इन सब कार्यों का शुभारंभ करवाया तथा यह सुविधाएं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कर्मचारियों को सुपुर्द कर दी गई। बैंक अधिकारियों ने उपस्थितजनों को बताया कि भारतीय स्टेट बैंक सामाजिक भलाई के कार्यों में निरंतर अग्रणी रहा है और भविष्य में भी जनमानस कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। इस मौके पर सुमित सिंहमार, अशोक कुमार, हरपाल सिंह, मास्टर शिवकुमार, अमनदीप पन्नू, राकेश कुमार सहित बैंक व स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी मौजूद रहे।

सरदार पटेल ने राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोकर बनाया सशक्तः राव इंद्रजीत सिंह

एजेंसी

रेवाड़ी। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में रेवाड़ी के राव तुलाराम स्टेडियम से लघु सचिवालय तक पदयात्रा का भव्य आयोजन किया गया। पदयात्रा का उद्देश्य राष्ट्र की एकता, अखंडता और सेवा भावना को सुदृढ़ करना रहा। राव तुलाराम स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने शिरकत की। उनके साथ विशेष रूप से रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, बावल से विधायक डा कृष्ण कुमार, कोसली से विधायक अनिल यादव मौजूद रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्र भारत की नींव को मजबूती देने का कार्य किया। उन्होंने 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरो कर देश को एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। सरदार पटेल जी का जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सही दिशा में किए गए प्रयास किसी भी असंभव कार्य को संभव बना सकते हैं। हमेशा समाज में समानता, एकता और समरसता के मूल्यों को बढ़ावा दिया। गुजरात में निर्मित विश्व की

सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सरदार पटेल के अद्वितीय योगदान और उनके एकता संदेश का प्रतीक है।

राष्ट्रीय एकता और स्वदेशी अपनाने की दिलाई शपथ

केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने आयोजित कार्यक्रम में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने हाथों में तिरंगा लिए राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करने का संदेश लेकर निकाली गई पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेवाड़ी के राव तुलाराम स्टेडियम से शहर के विभिन्न चौक से होती हुई यह यूनिटी मार्च लघु सचिवालय रेवाड़ी के समीप स्थित शहीद स्मारक पर संपन्न हुई। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों और नागरिकों को एक भारत आत्मनिर्भर भारत के तहत राष्ट्रीय एकता और स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलवाई।

फार्मासिस्ट केवल दवाओं का वितरक नहीं समाज की सेहत का संरक्षक भी : रमन श्योराण

एजेंसी

हिसार। राजकीय बहुतकनीकी मंडी आदमपुर में राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह के द्वितीय दिवस पर फार्मेसी विभाग की ओर से महत्वपूर्ण विशेषज्ञ संवाद सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ ड्रग कंट्रोल ऑफिसर रमन श्योराण ने फार्मेसी पेशे से जुड़े छात्रों को संबोधित करते हुए दवाओं के सुरक्षित एवं जिम्मेदार प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। अपने संबोधन में रमन श्योराण ने रविवार को कहा कि एक फार्मासिस्ट केवल दवाओं का वितरक ही नहीं, बल्कि समाज की सेहत का संरक्षक भी होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को दवाओं के भंडारण एवं रख-रखाव में उचित तापमान, स्वच्छता, तथा गुणवत्ता नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सलाह दी। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि किसी भी परिस्थिति में नशे की दवाइयों की अवैध बिक्री, ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) गलत दवा जारी करना या बिना वैध डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के दवा प्रदान करना कानूनी अपराध है। उन्होंने छात्रों को फार्मेसी अधिनियम के प्रावधानों, दवाओं की ट्रेसबिलिटी, रिकॉर्ड मेंटेनेंस तथा मरीज की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने का संदेश दिया।इस अवसर पर फार्मेसी विभागाध्यक्ष राकेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह का उद्देश्य छात्रों में पेशेगत नैतिकता, ज़िम्मेदारी, और मरीज-केन्द्रित सेवा भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि आधुनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में फार्मासिस्ट की भूमिका दिन-प्रतिदिन महत्वपूर्ण होती जा रही है, इसलिए छात्रों को अपने ज्ञान को निरंतर अपडेट करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।इस अवसर पर आदमपुर केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र भाटिया, टीपीओ नरेश घनघस, विभागाध्यक्ष अशोक कुमार, वरिष्ठ प्राध्यापक बिजेंद्र सिंह चंदेलिया, गुलशन भयाना, सोमबीर, मनोज कुमार सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित थे। द्वितीय सत्र में प्राध्यापक सोमबीर के नेतृत्व छात्रों ने कुछ इनडोर खेलों का आनंद लिया। विभागाध्यक्ष ने मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया और छात्रों को फार्मेसी पेशे में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

सोनीपत मुठभेड़ में पिता-पुत्र हत्याकांड का मुख्य आरोपी ढेर

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ में पिता-पुत्र की हत्या में नामजद मुख्य आरोपी शुभम घायल हो गया, बाद में उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि हत्या मामले में वांछित शुभम कुंडली-मानेसर मार्ग पर अपने साथी के साथ मौजूद है। टीम के पहुंचते ही दोनों बदमाशों ने पुलिस पर गोलीबारी कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायर किया। इसमें शुभम को पेट, छाती और पैर में छह गोलियां लगीं, जबकि उसका साथी बाइक लेकर मौके से फरार हो गया। घायल शुभम को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे गंभीर हालत में खानपुर पीजीआई भेजा गया। उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। शुभम करनाल जिले के छापर गांव का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार उस पर हरियाणा और उत्तर प्रदेश में लूट, हत्या और हत्या के प्रयास सहित कई मामले दर्ज थे। मौके से दो देशी कट्टे, जिंदा कारतूस और एक बैग बरामद हुए हैं। पिता-पुत्र हत्याकांड 24 अक्टूबर को हुआ था। दीपालपुर निवासी धर्मवीर अपने

बेटे मोहित के साथ बाइक पर खरखौदा जा रहे थे। कलां रोड बाईपास पर दो हमलावर गाड़ी में आए और बाइक को टक्कर मारकर गिरा दिया। दोनों के गिरते ही बदमाशों ने लगभग दस से पंद्रह राउंड गोलियां चलाईं, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद हमलावरों की गाड़ी रेलिंग से टकरा गई तो वह वहां से गुजर रहे एक ग्रामीण की बाइक छीनकर फरार हो गए। पुलिस जांच में सामने आया था कि मोहित पर वर्ष 2020 में एक युवक की हत्या का मामला दर्ज था और उसी रंजिश में उसकी और उसके पिता की हत्या की गई। कुछ समय पूर्व मोहित पर जानलेवा हमला भी हुआ था, जिसमें तीन युवकों की गिरफ्तारी हुई थी। पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने कहा कि मुठभेड़ में एक आरोपी के ढेर होने से हत्या कांड की कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दे रही है और अपराध रोकने के लिए सख्त कार्रवाई जारी है।

पटेल के आदर्शों पर चलकर सशक्त राष्ट्र बनाने का लें संकल्पःअभय सिंह यादव

एजेंसी

नारनौल। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष में यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन किया गया। एकता मार्च मेजर सतीश दहिया राजकीय कॉलेज नांगल चौधरी से शुरू होकर लूजोता में सम्पन्न हुई। इस यात्रा में पूर्व मंत्री डॉ अभय सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और हरी झंडी दिखाकर पदयात्रा को रवाना किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में एडीसी उदय सिंह, जिला प्रमुख डॉ राकेश कुमार, डीएसपी भारत भूषण सहित सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। डॉ अभय सिंह यादव ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्श भारत की एकता, अखंडता और शक्तिशाली राष्ट्र निर्माण की नींव हैं। उन्होंने कहा कि आज का युवा यदि लौह पुरुष की सोच, देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा को अपनाकर आगे बढ़े तो भारत विश्व का सबसे सशक्त और संगठित राष्ट्र बन सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक भारत श्रेष्ठ भारत और फिट इंडिया की पहल में सभी नागरिक अपना योगदान दें उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने नागरिकों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अपनाओ मंत्र को जीवन में उतारने का आह्वान किया और स्वदेशी अपनाओं मंत्र की शपथ दिलाई ताकि हम सब आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहयोग दे सकें और युवाओं के अपील कि युवा माय भारत पोर्टल पर अपने आप को रजिस्टर करके युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों में हिस्सा लें। उन्होंने मेजर सतीश दहिया राजकीय कॉलेज ग्राउंड में एक पेड़ मां के नाम व एक पेड़ देश के नाम के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में कॉलेज की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। मुख्य अतिथि ने बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए उन्हें सर्टिफिकेट प्रदान किए । यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों और ग्रामीण नागरिकों ने भारत माता के जयकारे लगाए और पदयात्रियों का फूलमालाओं से स्वागत किया। पूरे मार्ग पर देशभक्ति और एकता का जोश देखने को मिला।

अमेरिकी प्रतिबंध से भारत का रूसी तेल आयात 75 फीसदी घटेगा

- पहले भारत रोजाना 17-18 लाख बैरल रूसी तेल ले रहा था

नई दिल्ली ।

अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, जो 21 नवंबर 2025 से पूरी तरह लागू हो चुके हैं। इन प्रतिबंधों के बाद भारत का रूसी कच्चा तेल आयात तेजी से घटने वाला है। पहले भारत रोजाना 17-18 लाख बैरल रूसी तेल ले रहा था, लेकिन दिसंबर-जनवरी में यह घटकर लगभग 4 लाख बैरल रोज हो सकता है। यानी आयात में लगभग 75 फीसदी कटौती संभव है। भारत की बड़ी रिफाइनरियां रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल, मित्तल एनर्जी और मंगलोर रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल से तेल लेना रोक दिया है। केवल नयारा एनर्जी ही रोसनेफ्ट से तेल ले रही है, क्योंकि उसकी रिफाइनरी पहले से यूरोपीय प्रतिबंधों के दायरे में है। रिलायंस ने 20 नवंबर से अपनी सेज रिफाइनरी में रूसी तेल लोडिंग पूरी तरह बंद कर दी है। अमेरिका ने केवल रोसनेफ्ट और ल्यूकोइल को निशाना बनाया है। रूस की अन्य कंपनियां जैसे सर्गुटनेफ्टेगाज और गज़्प्रोम नेफ्ट भारत को तेल सप्लाई कर सकती हैं, यदि वे प्रतिबंधित बैंक या जहाज का उपयोग न करें। रूस नए व्यापारियों, शैडो फ्लीट और

शिप-टू-शिप ट्रांसफर के जरिए सप्लाई बनाए रख सकता है। पिछले दो सालों में सस्ता रूसी तेल मिलने की वजह से रिफाइनरियों ने अच्छा मुनाफा कमाया। अब जब यह तेल कम आएगा, रिफाइनरियां सऊदी अरब, इराक, यूएई और अमेरिका से तेल खरीदेंगी। तकनीकी रूप से इनको प्रोसेस किया जा सकता है, लेकिन मार्जिन कुछ कम हो सकता है।

अफगानिस्तान से भारत का व्यापार तेजी से बढ़ा

- 34 अरब रुपये के सूखे मेवे और मसाले खरीदे गए

नई दिल्ली ।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच व्यापार लगभग बंद होने के बाद भारत के साथ अफगानिस्तान का व्यापार लगातार बढ़ रहा है। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सात महीनों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 525 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा अफगानिस्तान के निर्यात का रहा, जो लगभग 379 मिलियन डॉलर (34 अरब रुपये) तक पहुंचा। अफगानिस्तान के उद्योग और वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता अखुंदजादा अब्दुल सलाम जवद के अनुसार, भारत को भेजे जाने वाले प्रमुख निर्यात में सूखे अंजीर, केसर, हींग और इसके बीज, किशमिश, जीरा, पिस्ता और बादाम शामिल हैं। ये उत्पाद भारत में घरेलू और प्रीमियम खाद्य बाजार में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होते हैं। अफगानिस्तान की ये निर्यात वस्तुएं भारतीय त्योहारों और विशेष अवसरों के लिए भी काफी मांग में रहती हैं। भारत ने आधिकारिक रूप से दोनों देशों के बीच कार्गो फ्लाइट्स बहाल कर दी हैं। यह

कदम अफगान कारोबारियों के लिए राहत भरा माना जा रहा है क्योंकि वाघा बॉर्डर रूट के अनुपलब्ध होने से व्यापार प्रभावित हो रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि एयर-कार्गो उच्च मूल्य वाले उत्पादों जैसे सूखे मेवे के लिए सबसे लाभकारी विकल्प है, हालांकि इसकी लागत सुलभ होनी चाहिए।

इस हफ्ते चार बड़ी कंपनियों के आईपीओ शेयरों का लॉक-इन खत्म

- बाजार में बढ़ सकती है हलचल

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते एनटीपीसी ग्रीन इनर्जी, बोराना वेब्जि गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस और मंगल इलेक्ट्रिकल के आईपीओ शेयरों की लॉक-इन अवधि समाप्त हो रही है। कुल 57,124.63 करोड़ रुपए के शेयर अब बाजार में उपलब्ध होंगे।

लॉक-इन अवधि खत्म होने के बाद प्रमोटर और शुरुआती निवेशक अपने शेयर बेच सकते हैं, जिससे बाजार में शेयरों की आपूर्ति बढ़ती है और शुरुआती दिनों में कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। 24 नवंबर को मंगल इलेक्ट्रिकल की तीन महीने की लॉक-इन अवधि खत्म हो रही है। इसके बाद 11 लाख शेयर, जिनका कुल मूल्य 46.75 करोड़ रुपए है, बाजार में उपलब्ध होंगे। कंपनी 28 अगस्त 2025 को लिस्ट हुई थी। 25 नवंबर को गो डिजिट की छह महीने की लॉक-इन अवधि पूरी हो जाएगी। इसके बाद 1.858 करोड़ शेयर, जिनकी कुल कीमत 654.28 करोड़ रुपए है। यह कंपनी 23 मई 2024 को लिस्ट हुई थी। 26 नवंबर को इस हफ्ते का सबसे बड़ा अनलॉक होने वाला है। एनटीपीसी ग्रीन इनर्जी के 5,806 मिलियन शेयर बाजार में खुलेंगे, जो कंपनी की कुल इक्विटी का 69 फीसदी है। इन शेयरों का कुल मूल्य 56,347.42 करोड़ रुपए है। कंपनी 27 नवंबर 2024 को लिस्ट हुई थी।

27 नवंबर को बोराना वेब्स की लॉक-इन अवधि खत्म होगी। इस दिन 26 लाख शेयर, जिनकी कीमत 76.18 करोड़ रुपए है, बाजार में उपलब्ध होंगे। कंपनी 27 मई 2025 को लिस्ट हुई थी।

टीसीएस को अमेरिकी कोर्ट में 1600 करोड़ का जुर्माना

- पुराने डेटा इस्तेमाल की रोक हटाई

नई दिल्ली।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) को अमेरिकी कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कंप्यूटर साइंसेज कॉर्पोरेशन (के साथ लंबे समय से चल रहे ट्रेड सीक्रेट्स विवाद में अमेरिकी कोर्ट ने टीसीएस के खिलाफ 194.2 मिलियन डॉलर (लगभग 1600 करोड़ रुपये) के हर्जाने को बरकरार रखा है। साथ ही कोर्ट ने पहले लगी स्थायी रोक हटा दी है, जिससे अब टीसीएस बिना डर के सीएससी के पुराने मटेरियल और डेटा का इस्तेमाल कर सकेगी। मामला दोबारा टेक्सास की निचली अदालत में समीक्षा के लिए भेजा गया है। यह विवाद 2019 में शुरू हुआ था। सीएससी ने आरोप लगाया कि टीसीएस ने उनके ट्रेड सीक्रेट्स का गलत फायदा उठाया। ट्रांसअमेरिका ने 2 बिलियन डॉलर का बड़ा आउटसोर्सिंग प्रोजेक्ट टीसीएस को दिया, उस दौरान कई कर्मचारी सीएससी से टीसीएस में शामिल हुए। सीएससी का कहना था कि इन कर्मचारियों की वजह से टीसीएस ने उनके सॉफ्टवेयर का अनुचित लाभ उठाया और नया इंश्योरेंस प्लेटफॉर्म विकसित किया, जो सीएससी से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। टीसीएस ने कोर्ट के फैसले को चुनौती देने की योजना बनाई है और ऊपरी कोर्ट में अपील करेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि जो भी हर्जाना अंतिम रूप से तय होगा, उसके लिए अकाउंटिंग प्रोविजन पहले से तैयार है। टीसीएस ने भरोसा दिलाया कि वह पूरी ताकत से अपना पक्ष रखेगी और भविष्य में कानूनी लड़ाई जारी रखेगी।

भारत की जीडीपी 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान: एसएंडपी ग्लोबल

- कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। एजेंसी ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा। एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है, जो पिछले पांच तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)) ने इस वर्ष की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वर्ष 6.5 प्रतिशत से बेहतर है। एजेंसी ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में आयकर छूट बढ़ाकर 12 लाख रुपये करने से लगभग एक लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है। इसके अलावा, आरबीआई ने जून में प्रमुख ब्याज दर

5.5 प्रतिशत तक घटा दी। इन उपायों से निवेश की अपेक्षा उपभोग वृद्धि प्रमुख चालक बनेगी। एसएंडपी ने कहा कि अमेरिकी शुल्क में वृद्धि से भारत के निर्यातोन्मुखी विनिर्माण पर असर पड़ रहा है। हालांकि, अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क घटा सकता है। एजेंसी ने यह भी कहा कि व्यापार नीति के प्रति अमेरिका के नए दृष्टिकोण के कारण सरकारें और कंपनियाँ छूट के लिए समय और संसाधन खर्च कर रही हैं।

बिटकॉइन में तेज गिरावट, क्रिप्टो मार्केट हिला

मुंबई । अक्टूबर में बिटकॉइन ने 1,26,000 डॉलर का सार्वजेनिक उच्च स्तर बनाया था, लेकिन यह 80,000 डालर तक गिर गया। यह गिरावट लगभग 36 फीसदी की है। बिटकॉइन ने थोड़ी रिकवरी दिखाई और रविवार शाम 6.15 बजे 86,583.24 पर कारोबार कर रहा था, जो 2.25 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। हालांकि, 2025 में बिटकॉइन ने -7.36 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है और पिछले 1 महीने में 20.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बाजार का मनोबल लालच से डर में बदल चुका है और लिक्विडिटी तेजी से बाहर जा रही है। अक्टूबर के हाई से गिरावट यह दर्शाती है कि बाजार की दिशा अब पलट चुकी है और टेक्निकल इंडिकेटर अभी भी कमजोर हैं।

भारत और कनाडा एफटीए वार्ता फिर से शुरू

- 2030 तक व्यापार बढ़ाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं। इस समझौते का लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाना है। गोयल ने कहा कि इस तरह के समझौते दोनों देशों के निवेशकों और कारोबारियों के बीच विश्वास को मजबूत करते हैं। गोयल ने बताया कि भारत और कनाडा स्वाभाविक सहयोगी हैं और एक-दूसरे के साथ प्रतिद्वंद्विता नहीं करते। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की ताकतें व्यापार और निवेश के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर सकती हैं। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत पर आरोपों के कारण वार्ता रोक दी गई थी। भारत ने इन आरोपों को खारिज किया। मार्च 2022 में दोनों देशों ने अंतरिम प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता (ईपीटीए) के लिए वार्ता शुरू की थी। गोयल ने कहा कि दोनों देश उच्च महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता करके 2030 तक व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखते हैं। जून 2024 में जी-7 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई समकक्ष की बातचीत से दोनों देशों के संबंधों में नई ऊर्जा आई है।

इक्विलिब्रेटेड वेंचर ने पैसालो में बढ़ाया स्वामित्व, खरीदे 54 लाख शेयर

नई दिल्ली । पैसालो डिजिटल लिमिटेड के प्रवर्तक समूह का हिस्सा इक्विलिब्रेटेड वेंचर ने पिछले सप्ताह खुला बाजार लेनदेन के जरिए लगभग 54 लाख शेयर खरीदे। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इकाई ने 13 नवंबर को 43.94 लाख, 18 नवंबर को 8.37 लाख और 19 नवंबर को 1.4 लाख शेयर खरीदे। इस खरीदारी के बाद इक्विलिब्रेटेड की हिस्सेदारी 19.94 फीसदी से बढ़कर 20.53 फीसदी हो गई। यह प्रवर्तक समूह के स्वामित्व में वृद्धि का संकेत है। पैसालो डिजिटल के वर्तमान में 1.14 लाख से अधिक शेयरधारक हैं। इस खरीदारी का समय कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति के बीच हुआ, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा सकता है।

इंगरसोल-रैंड इंडिया ने शेयरधारकों के लिए घोषित किया 550 फीसदी डिविडेंड

- डिविडेंड 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले शेयर पर आधारित

नई दिल्ली ।

इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड ने 14 नवंबर 2025 को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अंतरिम डिविडेंड 55 रुपये प्रति शेयर घोषित किया। यह डिविडेंड 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयर पर आधारित है, यानी 550 फीसदी का रिटर्न। कंपनी ने अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह निर्णय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग में लिया गया। डिविडेंड पाने के लिए रिकॉर्ड डेट 25 नवंबर तय की गई है। यानी इस दिन जिनके डीमैट अकाउंट में इंगरसोल-रैंड के शेयर होंगे, वही लाभार्थी होंगे। डिविडेंड की राशि सीधे 11 दिसंबर 2025 को शेयरधारकों के खाते में ट्रांसफर कर दी जाएगी। 30 सितंबर 2025 को खत्म हुई तिमाही में कंपनी की आय 321.94 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की समान तिमाही के 318.35 करोड़ रुपये से थोड़ी अधिक है। टोटल इनकम बढ़कर 330.92 करोड़ रुपये हुई। वहीं, कुल खर्च 247.38 करोड़ से बढ़कर 250.07 करोड़ रुपये हो गया। इस तिमाही में कंपनी का मुनाफा 60.35 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के बराबर है। बीते शुक्रवार कंपनी का शेनि बीएसई पर 0.05 फीसदी गिरकर 3,888.60 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में शेयर में 0.83 फीसदी की गिरावट रही। लंबी अवधि में कंपनी के शेयर ने शानदार प्रदर्शन किया है। 1 साल, 2 साल और 5 साल के रिटर्न क्रमशः -6.98, 32.03 और 510.17 फीस रहे। 10 साल में शेयर ने 402.44 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी का मार्केट कैप 12,275.53 करोड़ रुपये है, जबकि 52-वीक हाई और लो क्रमशः 4,699.90 रुपये और 3,060.80 रुपये हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 331, निफ्टी 108 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 331.21 अंक नीचे आकर 84,900 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 108.65 अंक टूटकर 25,959.50 पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट धातु और और रियल्टी शेयरों के टूटने से आई है। अधिकतर सूचकांकों में गिरावट रही। निफ्टी रियल्टी 2.05 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.23 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 1.18फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 1.14 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.42 और निफ्टी एफएमसीजी 0.66 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। मुख्य सूचकांकों में केवल निफ्टी आईटी ही 0.41 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 194.70 अंक टूटकर 60,081.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 151 अंक फिसलकर 17,696.50 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा और कोटक महिंद्रा बैंक गेनर्स थे। बीईएल, टाटा स्टील, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और एनटीपीसी के शेयर गिरे। पूरे सत्र में बाजार ने एक

सीमित दायरे में कारोबार किया। हालांकि, आखिरी कारोबारी सत्र में बिकवाली हावी रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। सेंसेक्स करीब 100 अंक की बढ़त के साथ 85,320 पर खुला और कुछ ही मिनटों में इसमें और मजबूती देखने को मिली। इसी तरह निफ्टी-50 भी 26,122.80 पर हरे निशान में खुला और यह 43.85 अंक की बढ़त के साथ 26,112 पर पहुंच गया। वहीं एशियाई बाजारों में भी सोमवार को सकारात्मक माहौल देखने को मिला। फेडरल रिज़र्व द्वारा संभावित ब्याज दर कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 1 फीसदी ऊपर रहे, जबकि जापानी बाजार अवकाश के चलते बंद रहा।

पेट्रोल-डीजल के दाम कुछ शहरों में बढ़े तो कुछ में कम हुए

- गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमत 8 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए प्रति लीटर

नई दिल्ली ।

देश की पेट्रोलियम कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी किए। इससे कई शहरों में ईंधन की कीमतों में बदलाव देखा गया। उत्तर भारत के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल महंगे हुए, जबकि दक्षिण और कुछ पूर्वी शहरों में कीमतें कम हुईं। दिल्ली के नजदीकी गुरुग्राम में पेट्रोल की कीमत 8 पैसे बढ़कर 95.65 रुपए प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल 7 पैसे महंगा होकर 88.10 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। जयपुर में पेट्रोल 68 पैसे बढ़कर 105.40 रुपए प्रति लीटर और डीजल 61 पैसे बढ़कर 90.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। लखनऊ में पेट्रोल और डीजल क्रमशः 5 और 6 पैसे महंगे हुए। पटना में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 27 पैसे बढ़ा। प्रयागराज में पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 1 रुपए महंगा हो गया। भुवनेश्वर में पेट्रोल और डीजल के दाम 18-18 पैसे घटकर क्रमशः 100.93 और 92.51 रुपए प्रति लीटर पर आ गए। तिरुवनंतपुरम में पेट्रोल 18 पैसे और डीजल 30 पैसे सस्ता हुआ। आगरा में पेट्रोल और डीजल क्रमशः 5-5 पैसे सस्ते हुए, वहीं अंबेडकरनगर में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 26 पैसे घटकर बिक रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम

और स्थानीय कर संरचना के आधार पर यह बदलाव हुआ है। उत्तर भारत में महंगाई का दबाव और तेल की मांग बढ़ने के कारण कीमतें बढ़ीं, जबकि दक्षिण भारत में कर घटाव और बाजार में आपूर्ति बढ़ने के कारण रेट घटे।

राइट्स पहली बार चालू डीजल लोकोमोटिव दक्षिण अफ्रीका को निर्यात करेगी

- गेज परिवर्तन सहित तकनीकी बदलाव के बाद क्यू4 वित्त वर्ष 26 तक भेजेगी पहली खेप

नई दिल्ली । रेल मंत्रालय की सार्वजनिक कंपनी राइट्स लिमिटेड (आरआईटीईएस) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए पहली बार चालू डीजल लोकोमोटिव निर्यात करने की मंजूरी पाई है। कंपनी ने दक्षिण अफ्रीका से 18 ऐसे लोकोमोटिव का ऑर्डर हासिल किया है, जिन्हें वहां की केप गेज प्रणाली (1,067 मिमी) के अनुरूप तकनीकी रूप से संशोधित किया जा रहा है। भारत में ये लोकोमोटिव ब्रॉड गेज (1,676 मिमी) पर चलने के लिए बनाए गए थे, लेकिन आवश्यक बदलाव के बाद वे पूरी तरह उपयुक्त होंगे। राइट्स के एक अधिकारी ने बताया कि क्योंकि भारतीय रेल अब लगभग पूरी तरह विद्युतीकृत हो चुकी है, इसलिए 15 साल से अधिक शेष सेवा-आयु वाले डीजल इंजन निर्यात के लिए उपयुक्त बने हुए हैं। पहली संशोधित खेप वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही तक दक्षिण अफ्रीका भेज दी जाएगी। गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता की उम्मीद के साथ, राइट्स भविष्य में दक्षिण अफ्रीका के पड़ोसी देशों से भी इसी तरह के ऑर्डर की संभावनाओं की बात कर रही है।

दिल्ली में सर्किल रेट में बड़े बदलाव की तैयारी

- बाजार और सरकारी मूल्य में तालमेल होगा

नई दिल्ली । दिल्ली में सर्किल रेट में एक दशक बाद बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। राजधानी में सर्किल रेट आखिरी बार 2014 में तय किए गए थे, तब से रियल एस्टेट की कीमतों में भारी वृद्धि हो चुकी है। खासकर लुटियंस दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और शहरीकृत इलाकों में संपत्तियों की कीमतें कई गुना बढ़ चुकी हैं, लेकिन आधिकारिक सर्किल रेट अब भी पुराने स्तर पर हैं। सरकार का मकसद अब संपत्तियों के सरकारी मूल्य को वास्तविक बाजार दरों के करीब लाना है। वर्तमान में दिल्ली के सर्किल रेट आठ कैटेगरी में विभाजित हैं। कैटेगरी ए में रेट 7.74 लाख रुपए प्रति वर्गमीटर तक है, जबकि कैटेगरी एच में यह 23,280 रुपए प्रति वर्गमीटर तक है। हालांकि एक ही कैटेगरी में शामिल इलाकों में बाजार दरों और सुविधाओं के अंतर काफी हैं। उदाहरण के लिए, गोल्फ लिंक और कालिंदी कॉलोनी दोनों कैटेगरी ए में हैं, लेकिन दोनों की संपत्ति दरों में जमीन-आसमान का अंतर है। सरकार अब इस कैटेगरीकरण को अधिक वैज्ञानिक और यथार्थवादी बनाने पर काम कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सर्किल रेट के पुराने आंकड़े सरकार को भारी राजस्व हानि पहुंचाते हैं। जहां बाजार मूल्य कई गुना अधिक होता है, वहीं दस्तावेजों में कम मूल्य दिखाने से स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस कम होती है और कैश लेन-देन बढ़ते हैं। इसके विपरीत, कुछ क्षेत्रों में सर्किल रेट अधिक होने से लेन-देन धीमा पड़ जाता है।

नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन से आर्थिक विकास को दी जा सकती है गति

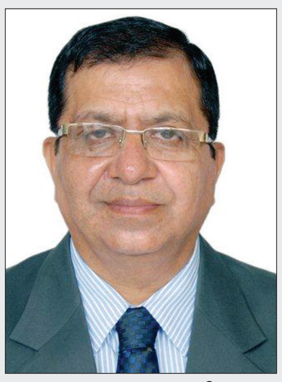

प्रहलाद सबनानी

भारत के समस्त नागरिक यदि उक्त मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करते हैं तो भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के ऊपर ले जाने में किसी प्रकार की अन्य कठिनाई आने वाली नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें अपनी ओर से देश के लिए हितकारी आर्थिक नीतियां बनाने की पूरी कोशिश कर रही हैं परंतु भारतीय नागरिक होने के नाते हमें भी अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा तभी हम सब मिलकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ कर पाएंगे।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों पर करों का बोझ कम करने का ईमानदार प्रयास किया है। सबसे पहिले आयकर की सीमा को 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया (जिसका मतलब है कि 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले नागरिकों को अब आयकर नहीं देना होगा), इसके बाद वस्तु एवं सेवा कर की दरों का युक्तिकरण करते हुए पूर्व में लागू चार दरों (5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत) को केवल दो दरों (5 प्रतिशत एवं 18 प्रतिशत) में परिवर्तित कर दिया गया। इससे भारत में 90 प्रतिशत से अधिक उत्पाद एवं सेवाओं पर करों की दर में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों की दरों में की गई उक्त कमी के चलते नागरिकों के हाथो में खर्च करने हेतु अधिक राशि की बचत हुई है और इसका प्रभाव इस वर्ष दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के शुभ अवसर पर उपभोक्ता वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री में हुई भारी भरकम वृद्धि के रूप में देखने को मिला है। वर्ष 2025 के दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के समय 5.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि के उत्पाद एवं 65,000 करोड़ रुपए की राशि की सेवाओं की बिक्री हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी ब्याज दरों में कटौती की है। वर्ष 2025 में रेपो दर को 6.50 प्रतिशत से घटाकर 5.50 प्रतिशत तक नीचे लाया गया है, इससे भारत में नागरिकों एवं उद्योग जगत को सस्ती दरों पर ऋण की सुविधा उपलब्ध हो रही है। दिसम्बर 2025 में भी रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे ऋणों पर ब्याज दर में और अधिक कमी हो सकती है। साथ ही, अब तो केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों द्वारा भी किसानों, बुजुर्गों एवं महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ही सहायता राशि जमा की जा रही है, जिससे भारतीय नागरिकों के हाथों में अधिक मुद्रा उपलब्ध हो रही है और वे अधिक मात्रा में बाजार से उत्पादों को खरीदने में सक्षम हो रहे हैं। भारत में, हाल ही के समय में, आम जनता की क्रय शक्ति इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर पर भी नियंत्रण स्थापित किया जा सका है और खुदरा महंगाई की दर 2 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है, जो 10/12 वर्ष पूर्व तक 10 प्रतिशत के आसपास रहती थी। कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि भारत 10 प्रतिशत वार्षिक विकास दर को हासिल करने की ओर तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है।

केंद्र सरकार द्वारा 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज भी उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे भारत में अति गरीब नागरिकों की संख्या तेजी से कम हो रही है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाया जा सका है। भारत में लगातार कम हो रही अति गरीब नागरिकों की संख्या की प्रशंसा वैश्विक वित्तीय संस्थानों, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आदि, द्वारा भी समय समय पर की गई है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारतीय नागरिकों को करों में उक्त वर्णित रियायतें देनें एवं गरीब वर्ग को मुफ्त अन्न उपलब्ध कराने एवं उनके खातों में सीधे सहायता राशि जमा कराने जैसी योजनाओं को चलाने के बावजूद केंद्र सरकार के बजटीय घाटे को लगातार कम करने में सफलता मिल रही है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के खंडकाल में लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच गया था जो प्रतिवर्ष लगातार कम होते होते वर्ष 2026 में 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आने का अनुमान लगाया गया है। यह सम्भव हो सका है क्योंकि भारत के नागरिकों द्वारा अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर की राशि को ईमानदारी से सरकार के खजाने में जमा कराया जा रहा है। भारत में हाल ही के वर्षों में कर अनुपालन में काफी सुधार दिखाई दिया है।

यह सही है कि किसी भी देश में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में, उस देश में, इस संदर्भ लागू की जाने वाली आर्थिक नीतियों का प्रभाव पड़ता है परंतु यदि उस देश में समाज भी सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का प्रयास करे तो आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज किया जा सकता है। अर्थात, समाज को अपने नागरिक कर्तव्यों पर आज और अधिक विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में संघ के स्वयंसेवकों द्वारा पंच परिवर्तन नामक कार्यक्रम को समाज के बीच ले जाने का प्रयास बड़े उत्साह से किया जा रहा है। पंच परिवर्तन कार्यक्रम में 5 बिंदु शामिल हैं - नागरिक कर्तव्य, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, समरसता एवं स्व के भाव का जागरण (इसमें स्वदेशी अर्थात देश में निर्मित उत्पादों का उपयोग भी शामिल है)। इन 5 आयामों के माध्यम से समाज परिवर्तन के कार्य को गति देने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें भारतीय नागरिकों को अपने नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन पर भी विशेष ध्यान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। देश के कानूनों का पालन करना और उनका सम्मान करना नागरिकों की जिम्मेदारी है। इस कर्तव्य को पूरा करने से समुदाय में अनुशासन और सुरक्षा की भावना पैदा होती है। दैनिक जीवन के छोटे छोटे नियमों का पालन करने से सामाजिक अनुशासन का विकास होता है। जैसे, यातायात नियमों का पालन करना। जहां आवश्यक हो वहां वाहन कतार में लगाना। नागरिक कर्तव्य के अंतर्गत नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे विभिन्न करों का भुगतान समय पर करें एवं सही राशि का भुगतान करें। यह देश की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। यदि समस्त नागरिक अपने इस कर्तव्य का पालन करते हैं तो भारत में करों की दरों को निश्चित ही और अधिक नीचे लाया जा सकता है। इसी प्रकार, राष्ट्रीय सम्पत्ति की सुरक्षा एवं रखरखाव करना भी नागरिकों का परम कर्तव्य है, जैसे सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना। कभी कभी आम जनता को गुमराह कर आंदोलन हिंसक रूप लेते नजर आते हैं एवं परिणामस्वरूप देश में आगजनी, लूटपाट और राष्ट्रीय सम्पदा की हानि देखने को मिलती है। इस सम्बंध में समाज में जागरूकता पैदा किए जाने की आज सख्त आवश्यकता है। वैसे भी लोकतंत्र की सफलता और स्थिरता नागरिकों की भागीदारी और कर्तव्यों के प्रति सजगता पर निर्भर करती हैं। जब नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनका ईमानदारी से पालन करते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं और देश के आर्थिक विकास की गति तेज होती है। समाज की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए नागरिकों की अपने कर्तव्यों प्रति संवेदनशीलता तथा कटिबद्धता आवश्यक है। देशभक्ति न केवल अपने देश के प्रति प्रेम और निष्ठा है, बल्कि अपने देश के उत्थान और सुरक्षा में योगदान भी है। एक देशभक्त नागरिक अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति सदैव संवेदनशील एवं जागरूक रहता है। नागरिक एवं सामाजिक अनुशासन का पालन करना ही स्वतंत्र देश में प्रतिदिन प्रकट होने वाली देशभक्ति है।

नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों में मुख्य रूप से शामिल है, (1) संविधान का पालन करना एवं उसके आदर्शों और संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना। (2) जिसने हमारे राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को जन्म दिया प्रेरित होने पर उन ऊंचे आदर्शों को विकसित करना और उनका पालन करना। (3) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता उनका रख-रखाव एवं संरक्षण करना। (4) देश की रक्षा करना और आह्वान किए जाने पर राष्ट्रीय सेवा करना। (5) धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या वर्ग मतभेदों को पार करना, भारत के लोगों के बीच एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना, महिलाओं की गरिमा को कम करने वाली प्रथाओं को त्यागना। (6) हमारी विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना और इसे बचाना। (7) वनों, झीलों, नदियों, वन्य जीवों और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना, जीवित प्राणियों के प्रति दया दिखाना। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद, जिज्ञासा और सुधरवाद का विकास करना। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करना एवं हिंसा का कठोर त्याग करना। (10) देश में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करना एवं सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करना।

भारत के समस्त नागरिक यदि उक्त मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करते हैं तो भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के ऊपर ले जाने में किसी प्रकार की अन्य कठिनाई आने वाली नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें अपनी ओर से देश के लिए हितकारी आर्थिक नीतियां बनाने की पूरी कोशिश कर रही हैं परंतु भारतीय नागरिक होने के नाते हमें भी अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा तभी हम सब मिलकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ कर पाएंगे।

संपादकीय

'इंडिया' अस्तित्व में या नहीं?

बिहार में करारी पराजय के बाद विपक्ष एक बार फिर विभाजित होता लग रहा है। ह्यइंडियाह्ल ब्लॉक अथवा महागठबंधन कभी अस्तित्व में थे अथवा नहीं, यह भी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि उनके घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते रहे हैं। बिहार इसका ताजातरीन उदाहरण है। अब दो विरोधाभासी बयान सामने आए हैं। एक तो ह्यइंडियाह्ल गठबंधन को लेकर है कि अब उसकी कोई जरूरत नहीं है, लिहाजा कांग्रेस ने राजद और सपा से अलग होने की घोषणा की है। जिन सूत्रों से यह खबर सार्वजनिक हुई, उनका दावा है कि यह खुद गांधी परिवार का निर्णय है। लेकिन कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस निर्णय का खंडन किया है। अलबत्ता यह घोषणा जरूर की गई है कि पश्चिम बंगाल, असम के चुनाव में कांग्रेस 'एकला' ही लड़ेगी। केरल में न तो 'इंडिया' था और न ही गठबंधन संभव है, क्योंकि वहां कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है और 10 साल से सत्ता के बाहर है। वाममोर्चा सरकार में है। तमिलनाडु में भी चुनाव 2026 के अप्रैल-मई में होने हैं। अभी तक द्रमुक सरकार के सहारे कांग्रेस सत्ता में भागीदार है। नए समीकरणों की फिलहाल कोई घोषणा नहीं है। कांग्रेस बीते 58 साल से तमिलनाडु में अपना मुख्यमंत्री निर्वाचित नहीं करा पाई है। बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस आधी-अधूरी ही 'इंडिया' गठबंधन में है। वह इस गठबंधन के घटक होने का दावा तो करती रही है, लेकिन कांग्रेस सरीखे प्रमुख घटक दल के साथ गठबंधन नहीं करती। दोनों संसदीय और विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ते हैं। इस बार भी गठबंधन के कोई आसार नहीं हैं, क्योंकि अब कांग्रेस 'एकला' ही अपनी राजनीतिक लड़ाई लड? के मूड में है या उसकी राजनीतिक बाध्यता है। सवाल है कि जब ऐसी स्थिति है, तो बिहार की पराजय के बाद ममता बनर्जी के चंपुओं ने यह शोर मचाना क्यों शुरू किया कि ममता को 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व सौंपना चाहिए। एक और आवाज उप्र से गूंजने लगी है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को 'इंडिया' ब्लॉक का प्रमुख चुनना चाहिए। उप्र में 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। लोकसभा में भाजपा के 240 और कांग्रेस के 99 सांसदों के बाद सपा 37 सांसदों वाली तीसरी बड़ी पार्टी है। उप्र में 1989 और बंगाल में 1977 के बाद कांग्रेस सत्ता में नहीं है, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन का आकलन किया जाए, तो कांग्रेस के बिना विपक्षी गठबंधन के अस्तित्व की कल्पना ही नहीं की जा सकती। कांग्रेस बनाम सपा, तृणमूल, द्रमुक के दरमियान, निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के आधार पर, फासले बेहद व्यापक हैं। यदि 'इंडिया' के अस्तित्व को बरकरार रखना है, तो कांग्रेस के नेतृत्व को नकारना असंभव है। फिर वह नेतृत्व मल्लिकार्जुन खडगे का हो अथवा राहुल गांधी का हो! दरअसल कांग्रेस ही 'इंडिया' गठबंधन की बुनियाद है। उसकी अपनी तीन राज्य सरकारें हैं और 650 से अधिक विधायक हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों
एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?
महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?
वह बोला- नहीं जानता।
तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?
अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

मात्र 51 रुपये मिले थे धर्मेंद्र को पहली फिल्म के!

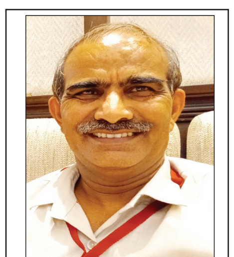

डॉ श्रीगोपाल नारसन

दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने 89 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। धर्मेंद्र के निधन से देओल परिवार समेत पूरे सिनेमा जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। धर्मेंद्र ने सन 1960 में फिल्म दिल भी तेरा हम भी तेरे से बॉलीवुड में कदम रखा था। शुरूआती दौर में उन्होंने अनपढ़, बंदिनी, अनुपमा और आया सावन झूम के जैसी फिल्मों में आम आदमी के किरदार निभाए। बाद में वे एक्शन और कॉमेडी के बड़े स्टार बने. शोले, धरम वीर, चुपके चुपके, मेरा गांव मेरा देश और ड्रीम गर्ल जैसी सुपरहिट फिल्मों में उन्होंने लीड रोल किए। हाल ही में वे शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में वे नजर आए थे। उनकी अगली फिल्म इक्कीस है, जिसमें अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज होगी। धर्मेंद्र ने अपने करियर में सदा बहार अभिनेता बलराज साहनी, राज कपूर, संजीव कुमार, अमिताभ बच्चन और अमरीश पुरी के साथ काम किया। साथ ही धर्मेंद्र आज की पीढ़ी के कलाकारों के साथ भी फिल्मों में नजर आए। उन्होंने रणवीर सिंह, शाहिद कपूर, आलिया भट्ट सहित अन्य कलाकारों के साथ भी काम किया। धर्मेंद्र ने सन 1960 के दशक में बॉलीवुड डेब्यू किया था और अब तक फिल्मों में एक्टिव रहे। एक्टिंग के अलावा उन्होंने कई फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया और खूब दौलत भी कमाई। उन्हें फिल्मी दुनिया का ही-मैन कहा जाता था। धर्मेंद्र कई दशक फिल्मों में काम किया । उन्होंने फिल्म आंखें, शिकार, आया सावन झूम के, जीवन मृत्यु, मेरा गांव मेरा देश, सीता और गीता, राजा जानी , जुगनू, यादों की बारात, दोस्त, शोले, प्रतिज्ञा, चरस, धरम वीर, गुलामी, हुकूमत, आग ही आग, ऐलान-ए-जंग और तहलका में अपने काम का लोहा मनवाया।

सन 1990 के दशक के अंत में, वह कई सफल और प्रशंसित फिल्मों में चरित्र भूमिकाएं निभाते हुए दिखाई दिए। इन फिल्मों में,प्यार किया तो डरना क्या, लाइफ इन एङ्क मेट्रो, अपने, जॉनी गद्दार, यमला पगला दीवाना और इधर कुछ सालों में वे रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया शामिल है। सन 1997 में, उन्हें बॉलीवुड में उनके योगदान के लिए फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला। वह भारत की 15वीं लोकसभा के सदस्य रहे, और भारतीय जनता पार्टी से राजस्थान के बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

धर्मेंद्र ने मात्र 19 वर्ष की आयु में सन 1954 में प्रकाश कौर से शादी की थी, जिससे उनके चार बच्चे हुए, दो बेटियां और दो बेटे। उनके बेटे सनी देओल और बॉबी देओल बॉलीवुड के सुपरस्टार्स बने। फिर उन्होंने दूसरी शादी सन 1980 में फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी से की, इस शादी से उनकी दो बेटियां हुईं- ईशा देओल और अहाना देओल। ईशा ने भी फिल्मों में काम किया है। धर्मेंद्र को फिल्मों में पहला ब्रेक डायरेक्टर अर्जुन हिंगोरानी ने दिया था। फिल्म थी दिल भी तेरा हम भी तेरे और यह 1960 में रिलीज हुई। इस फिल्म के लिए धर्मेंद्र को सिर्फ 51 रुपये मिले थे। इस फिल्म के बाद भी धर्मेंद्र ने अर्जुन हिंगोरानी के साथ ज?तनी भी फ?ल?में कीं, उसके लिए नाम मात्र ही पैसे लिए। उनके कुल 6 बच्चे हैं और 13 नाती-पोते हैं। सन 2025 की शुरूआत में उनकी कॉर्निया ट्रांसप्लांट सर्जरी हुई थी। धर्मेंद्र की बाईं आंख का कॉर्निया डैमेज हो गया था, जिसका बाद में ट्रांसप्लांट किया गया था। इससे पहले 2018 से 2020 के आसपास धर्मेंद्र को कई बार मांसपेशियों में खिंचाव और कमर दर्द की की शिकायत हुई थी। उन्हें कमजोरी भी आ गई थी। उन्होंने अपने जीवन का आखिरी समय अपने फार्म हाऊस में खेती कार्य करते हुए बिताया। सदा बहार फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र को मेरा शत शत नमन।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार व चिंतक है)

प्रतीकों के सियासी टोटके फिर भी नाकाम!

उमेश चतुर्वेदी

चुनाव नतीजों के बाद बिहार के सियासी गलियारों में एक लतीफा चल पड़ा है। मुकेश सहनी ने तालाब में कूद कर एक मछली पकड़ी, उसे बड़ी हसरत के साथ राहुल गांधी को थमाया, लेकिन राहुल के हाथ से वह मछली भी फिसल गई। जो सहनी महागठबंधन के उप मुख्यमंत्री उम्मीदवार थे, उसके हाथ सिफर ही लगा है। बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश के साथ राहुल गांधी और कन्हैया कुमार तालाब में कूद गए थे। 'सन ऑफ मल्लाह' के साथ दोनों का तालाब में कूदना दरअसल लोक से जुड़ने का सियासी टोटका था, लेकिन चुनाव नतीजों से साफ है कि ये सियासी टोटके एक बार फिर नाकाम रहे।

राजनीति में प्रतीकों के जरिए लोकसंदेश की स्थापित परंपरा है। शिखर नेता और शीर्ष राजनीतिक परिवार लोगों से रस्मी घुलना-मिलना, उनकी सदाशयता और सादगी के प्रतीक के रूप में स्थापित हो गया है। किसी हस्ती का सामान्य दिखना और आम लोगों जैसे काम करना वोटरों के समर्थन की गारंटी माना जाता रहा है। यही वजह है कि कांग्रेस के प्रथम परिवार के राहुल जब भी ऐसा करते हैं, उनसे उम्मीदें बढ़ जाती हैं। यह बात और है कि राजनीति में कामयाबी पाने का यह टोटका कांग्रेस के लिए मुफीद नहीं रहा है।

बिहार में बीते तीन महीनों में राहुल गांधी ने आम आदमी बनने की दो कोशिशें कीं । ह्यवोटर अधिकार यात्राह्ल के दौरान मोजे पहने ही मखाने के पानीभरे खेत में वे उतरे और बाद में चुनाव प्रचार के दौरान मुकेश सहनी के साथ मछली पकड़ने के लिए गंदले तालाब में उतर गए। राहुल जब ऐसा करते हैं, बौद्धिकों का एक तबका इसे अभूतपूर्व कदम साबित करने लगता है। बहुत तो इसमें राहुल के दिल की नरमी भी खोज लाते हैं। सोनीपत में जब राहुल ने धान-रोपाई की और ट्रैक्टर चलाया, तब भी ऐसी ही उम्मीदों के पंख लग गए थे । 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दोनों चरणों में भी ऐसे कई सारे नजारे दिखे। तब एक वर्ग की नजर में राहुल की ऐसी कोशिशों से राजनीति बदलने लगी थी। लेकिन तेलंगाना छोड़, राहुल के ऐसे कदमों का कोई चुनावी फायदा नहीं मिला।

इस प्रसंग में सवाल उठ सकता है कि प्रधानमंत्री भी तो ऐसे काम अक्सर करते हैं। काशी के गंगा घाट और प्रयागराज कुंभ जैसे कई मौकों और जगहों पर मोदी सफाई कर्मचारियों का पैर धो चुके हैं, उनके साथ भोजन कर चुके हैं, अयोध्या में अचानक गरीबों के घर पहुंच नेह जताते रहे, किसी परियोजना के पूरा होने के बाद उसमें श्रमस्वेद बहा चुके मजदूरों संग खाना खाते रहे हैं। तो उन पर ऐसे सवाल क्यों नहीं उठते। ऐसा नहीं कि सवाल नहीं उठते। वैचारिक खांचे में बंटी राजनीति और समाज में महज विरोध के लिए सवाल उठते रहे हैं। जिनका जवाब बीजेपी की बजाय वोटर देते रहे हैं।

सवाल है कि राहुल के लोक लुभावन कदमों के बावजूद लोग कांग्रेस के साथ क्यों नहीं खड़ा हो रहे? कुछ महीने पहले कांग्रेस के अंदरूनी हलके में वरिष्ठ नेताओं से पार्टी को उबारने को लेकर राय मांगी गई थी। तब कुछ नेताओं ने अपने घनिष्ठ प्रबुद्ध लोगों की राय मांगी थी। ये पता नहीं कि नेताओं ने पार्टी को सफलता के गुर सुझाए या नहीं । वैसे कांग्रेस के जैसे अंदरूनी हालात हैं, शायद ही कोई नेता सही और वाजिब राय देने का साहस जुटा पाए। सियासी नाकामी से उबारने का नुस्खा वरिष्ठ कांग्रेसियों के पास भी है। चूंकि यह नुस्खा बेहद कड़वा है। डर ये है कि कड़वी दवा सुझाना कठिन हो सकता है। लिहाजा राय देने से लोग बच रहे हैं।

स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि पार्टी रही कांग्रेस अखिल भारतीय संगठन से लैस है। सत्तावादी राजनीति के दौर में कांग्रेस इस थाती पर गर्व कर सकती है। लेकिन संगठन को गतिशील बनाने वाले सही मुद्दों और लोकमर्म को छूने वाले विचारों से वह सर्वथा दूर है। राहुल उन्हीं मुद्दों को ज्यादा उछालते हैं, जिन्हें उनके वामपंथी सलाहकार सुझाते हैं। बौद्धिक और अकादमिक जगत इससे चाहे जितना भी आकर्षित हो, जमीनी स्तर पर वह अस्वीकार्य हो चुकी है। निजीकरण की कुछ खामियां हैं, लेकिन भूलना नहीं होगा कि निजीकरण ने चमक-दमक भी बढ़ाई है। भले ही एक वर्ग तक निजीकरण की रोशनी नहीं पहुंच सकी है। उस वर्ग का भी सपना चमक को हासिल करना है। वामपंथी वैचारिकी इसे नहीं समझती। वह जाहिर करती रही है कि अतीत की तरह अब भी समूचा देश अंधेरे में डूबा है। वह भूल जाती है कि देश पर सबसे ज्यादा दिनों तक कांग्रेस का ही शासन रहा है।

जातिवाद कड़वी सच्चाई है। हजारों साल की परंपरा का एकदम खत्म होना संभव नहीं। कड़वा सच है कि जातिवाद को दूर करने और उससे दूर रहने का दावा करने वाली राजनीति और बौद्धिक भी इनसे अछूते नहीं। उनके अंदरूनी खांचे में जातिवाद कई रूपों में मौजूद है। वैसे जाति और धर्म के संदर्भ में समूचे देश और समाज को एक फॉमूर्ले से समझना संभव नहीं। कांग्रेस यही गलती दोहरा रही है। राहुल के सलाहकारों की टीम उन्हें इसी फॉमूर्ले में बार-बार आगे बढ़ने का सुझाव देती है। अब तो योगेंद्र यादव भी राहुल गांधी के बड़े सलाहकार हैं। समाजवादी दिग्गज किशन पटनायक के शिष्य यादव की सोच पर समाजवाद का कम, वामपंथ का असर ज्यादा है। 1999 में एक्जिट पोल को काला जादू न मानने वाले योगेंद्र को अब बीजेपी की हर जीत में शंका ही नजर आती है। कांग्रेस आलाकमान के तमाम सलाहकार कभी शिक्षा के लालगढ़ की राजनीति के प्रतीक रहे। दुर्भाग्यवश उनकी सामाजिक सोच जमीनी हकीकत की बजाय वामपंथी दर्शन से ज्यादा प्रभावित है। इस टीम के अनुसार ऊंच-नीच और जात-पांत का विचार समूचे देश में एक जैसा है। लेकिन यह अधूरा सच है। समूचा देश ना तो एक तरह से सोचता है ना ही उसका एक-सा व्यवहार है। शीर्ष नेतृत्व की सलाहकार मंडली

अलग-अलग हिस्सों की माटी के रंग, व्यवहार और विचार से कोसों दूर है।

राहुल को इन दिनों अपनी दादी इंदिरा गांधी की याद खूब आती है। लेकिन वे इंदिरा के कई गुणों को अब तक समझ नहीं पाए हैं..। समाज को लेकर इंदिरा की समझ गहरी थी। यही वजह है कि वक्त और इलाके की परंपरा के मुताबिक, किसी इलाके में ठेठ बहू बन जाती थीं, तो किसी इलाके में आधुनिक महिला। कुछ इलाकों में वे अपने सिर पल्लू रखती थीं तो कुछ इलाकों में नहीं। आज इंदिरा रहतीं और वैसा करतीं तो शायद कांग्रेस के मौजूदा सिपहसालारों की नजर में वे दकियानूस मान ली जातीं।

स्वाधीनता आंदोलन के दौरान कांग्रेस की छतरी तले कई विचारधाराएं काम कर रही थीं। इंदिरा काल के किंचित वामपंथीकरण को छोड़ दें तो पार्टी का नजरिया ज्यादातर मध्यमार्गी और समाजवादी ही रहा। इंदिरा काल में वामपंथी प्रभाव इतना नहीं रहा कि वह अपनी बुनियादी विचारधारा को ही बदल दे। लेकिन आज देश की सबसे पुरानी पार्टी पर वामपंथ का खूब असर है। इसलिए उसके मुद्दे भी इसी से प्रभावित हैं। वाम वैचारिकी हर मुद्दे को नैरेटिव विशेष के लिहाज से उछालती है। सांप्रदायिकता,धर्म और जाति से जुड़े उसके विचार पारंपरिकता से इतर हैं। बीजेपी के खिलाफ हर बार सांप्रदायिकता का वामपंथी एजेंडा और नैरेटिव का उठाना इसी मंडली की कारसाजी होती है। इस नजरिया वाली सांप्रदायिकता का प्रतिकार सूत्र बीजेपी ने खोज लिया है। उसके लिए यह पिच आसान हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो गिरफ्तार, कुछ दिन बाद शुरू होने वाली है 27 साल की जेल की सजा

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील की संघीय पुलिस ने पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई जब बोल्सोनारो कुछ ही दिनों में अपनी 27 साल की जेल सजा शुरू करने वाले थे। उनकी सहयोगी अंद्रिएली सिरिनो ने बताया कि गिरफ्तारी सुबह करीब 6 बजे हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बोल्सोनारो को उनकी घर में नजरबंदी वाली जगह से हिरासत में लेकर राजधानी ब्रासीलिया स्थित संघीय पुलिस मुख्यालय लाया गया। यह कार्रवाई ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर की गई। बोल्सोनारो को तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था। उन पर आरोप था कि 2022 के चुनाव में हार के बाद उन्होंने सरकार पलटने, लोकतंत्र खत्म करने और हिंसा भड़काने की कोशिश की। अभियोजन पक्ष ने अदालत में यह भी कहा था कि साजिश में राष्ट्रपति लूला की हत्या की योजना और 2023 की शुरुआत में विद्रोह भड़काने की कोशिश भी शामिल थी। अदालत ने उन्हें सशस्त्र आपराधिक संगठन चलाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को हिंसा से समाप्त करने की कोशिश के अपराधों में दोषी पाया। अभी तक बोल्सोनारो घर में नजरबंद थे, लेकिन ब्राजील के कानून के अनुसार सजा शुरू होने पर किसी भी दोषी को जेल में जाना जरूरी है। इसलिए शनिवार की गिरफ्तारी का मतलब यह नहीं है कि वे पुलिस मुख्यालय में ही अपनी सजा काटेंगे; उन्हें जेल में शिफ्ट किया जाएगा। बोल्सोनारो के बेटे, सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो, पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर लोगों से अपने पिता के समर्थन में सड़कों पर उतरने की अपील कर रहे हैं। कई समर्थक दावा कर रहे हैं कि बोल्सोनारो राजनीतिक साजिश का शिकार हैं। जुलाई में अमेरिकी सरकार की ओर से ब्राजील के कई निर्यातों पर 50% तक शुल्क लगाया गया था, जिसमें बोल्सोनारो का नाम एक आदेश में आया था। हालांकि ट्रंप ने शुक्रवार को इन अधिकांश बढ़े हुए शुल्कों को वापस ले लिया।

ताकाइची के बयान के बाद यूएन तक पहुंचा चीन–जापान तनाव

टोक्यो, एजेंसी। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान को लेकर दिए गए बयान के बाद चीन और जापान के बीच तनाव और भी बढ़ गया है। ताकाइची ने बीते सात नवंबर को संसद में कहा था कि ताइवान पर चीन के बल प्रयोग जापान के लिए अस्तित्व खतरा बन सकता है। इसके जवाब में चीन ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र भेजकर इन टिप्पणियों को गलत और बेहद दुर्भावनापूर्ण बताया।

लास एंजिलिस बंदरगाह पर कंटेनर जहाज में भीषण आग

लास एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लास एंजिलिस के बंदरगाह पर शुक्रवार रात एक कंटेनर जहाज में भीषण आग लग गई। दर्जनों दमकलकर्मी तैनात किए गए। वन हेनरी हडसन नामक जहाज पर मौजूद सभी 23 क्रू सदस्य सुरक्षित हैं और कोई घायल नहीं हुआ। आग जहाज के डेक के नीचे इलेक्ट्रिकल फायर के रूप में शुरू हुई और बाद में कई स्तरों तक फैल गई। इस दौरान एक विस्फोट भी हुआ। जहाज पर खतरनाक सामग्री भी लदी हुई है। इसके चलते 100 से अधिक दमकलकर्मी मोर्चे पर लगे हैं।

यमनी सहायता कर्मियों की गिरफ्तारी से परिजन चिंतित

सना , एजेंसी। यमन की राजधानी सना में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के सहायता संगठनों के कर्मचारियों की गिरफ्तारी से परिवारों में भय का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, संगठन के कर्मचारियों में शामिल अहमद अल–यमनी की बेटी की शादी के अगले ही दिन नकाबपोश सैनिक उनके घर में घुस आए और उन्हें बिना कारण बताए गिरफ्तार कर ले गए। उनका परिवार महीनों तक उनसे कोई संपर्क नहीं कर पाया। माना जा रहा है कि उनका दोष सिर्फ स्थानीय मानवीय संगठनों के लिए काम करना था।

यूरोप में नेटवर्क बढ़ा रहा है हमास, कमांड मिलते ही हमले की तैयारी; मोसाद ने किया खुलासा

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल की खुफिया सेवा मोसाद ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि हमास यूरोप में गुप्त सेल्स के माध्यम से एक ऑपरेशनल नेटवर्क तैयार कर रहा है। जो कमांड मिलते ही कभी भी धमाका करने की क्षमता रखेगा। मोसाद ने कहा कि यूरोपीय सुरक्षा सेवाओं के साथ सहयोग के चलते हथियारों की खोज हुई है, संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है और कई नियोजित हमलों को रोका गया है। मोसाद के बयान के अनुसार, यूरोपीय सहयोगियों ने इजरायली और यहूदी समुदायों को निशाना बनाने की साजिशों को विफल करने में मदद की।

जर्मनी और ऑस्ट्रिया जैसे देशों में संयुक्त कार्रवाई के परिणामस्वरूप कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और नागरिकों के खिलाफ कमांड पर उपयोग के लिए तैयार किए गए हथियारों के जखीरे को जब्त किया गया। जांच एजेंसियों को एक प्रमुख सफलता पिछले सितंबर में वियना में मिली। ऑस्ट्रिया की छ्रस्ह सुरक्षा सेवा को हैंडगन और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखे हुए मिली, जिसे बाद में हमास राजनीतिक ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारी बासेम नईम के बेटे मोहम्मद नईम से जोड़ा गया।

मोसाद ने हमास के विदेशी नेतृत्व पर चुपचाप इन प्रयासों को सुविधाजनक बनाने का आरोप लगाया। मोसाद ने कहा, 'संगठन के कतर स्थित नेतृत्व का आतंकी ऑपरेशनों को आगे बढ़ाने में शामिल होना पहली बार सामने नहीं आया है।' मोसाद ने सितंबर में मोहम्मद नईम और उसके पिता बासेम नईम के बीच कतर में हुई मुलाकात का भी जिक्र किया, जो यूरोप में हमास के औपचारिक समर्थन को दर्शाता है।

जांचकर्ता तुर्की से काम कर रहे हमास-समर्थित व्यक्तियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जर्मन अधिकारियों ने नवंबर में बुरहान अल-खतीब को गिरफ्तार किया। अधिकारियों का कहना है कि वह पहले तुर्की में सक्रिय था। मोसाद ने चेतावनी दी कि वरिष्ठ नेताओं द्वारा चल रहे इनकार दुष्ट गुर्गों पर नेतृत्व के नियंत्रण खोने का संकेत दे सकते हैं।

यूरोपीय खुफिया सेवाओं ने अब सीधे सुरक्षा हस्तक्षेपों से परे कार्रवाई का विस्तार किया है। जर्मनी में अधिकारियों ने फंड जुटाने या चरमपंथी विचारधारा फैलाने में हमास की मदद करने वाली चैरिटी और धार्मिक संस्थानों को निशाना बनाया है, उन्हें महाद्वीप पर संगठन के बुनियादी ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। मोसाद ने जोर दिया कि हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमले के बाद अपनी विदेशी गतिविधियों को तेज कर दिया है, जो ईरान और उसके प्रॉक्सी द्वारा उपयोग की जाने वाली रणनीतियों के समान, विदेशों में गुप्त सेल और परिचालन क्षमताएं बनाने की कोशिश कर रहा है।

मोसाद ने कहा कि वह वर्तमान में दुनिया भर में दर्जनों हमलावर साजिशों को विफल करने के लिए काम कर रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायली और यहूदी समुदायों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कई देशों से संदिग्धों को पकड़ा गया मोसाद का कहना है कि हमास का आतंकी नेटवर्क यूरोप में यहूदी समुदाय और इस्राइली नागरिकों पर हमले की साजिश रच रहा था। जर्मनी, ऑस्ट्रिया जैसे देशों में भी मोसाद ने स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वित ऑपरेशन चलाकर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पिछले सितंबर में वियना में ऑस्ट्रिया की डीएनएस सिक्योरिटी सर्विस ने हथियारों का एक जखीरा ढूंढा, जिनमें विस्फोटक और हैंडगन शामिल थे। सुरक्षा बलों ने मोहम्मद नईम नामक संदिग्ध के बारे में पता लगाया, जांच में पता चला कि मोहम्मद नईम हमास के शीर्ष ब्यूरो अधिकारी बासेम नईम का बेटा है, जो गाजा में हमास के शीर्ष नेता खलील अल-हया का करीबी बताया जा रहा है।

हमास नेतृत्व पर मदद का आरोप : मोसाद ने आरोप लगाया कि हमास का नेतृत्व भी यूरोप में आतंकी नेटवर्क तैयार करने में मदद कर रहा है। तुर्किए में भी हमास के संगठन बेस की जांच चल रही है। जर्मनी ने बीते दिनों हमास ऑपरेटिव बुरहान अल खतीब को गिरफ्तार किया गया। जांच अधिकारियों का कहना है कि वह जर्मनी आने से पहले तुर्किए में ही सक्रिय था। जर्मनी में उन संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी टारगेट किया जा रहा है, जिन पर हमास के लिए फंड जुटाने और कट्टरपंथी सोच फैलाने का आरोप है। मोसाद ने दावा किया कि 7 अक्तूबर को इस्राइल पर हमले के बाद से हमास ने अपनी विदेश में गतिविधियों को तेज कर दिया है।

जेलेंस्की को ट्रंप का अल्टीमेटम, बोले- 27 तक शांति योजना स्वीकार करें वरना खो देंगे समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए रखी गई शांति योजना में यूक्रेन के सामने कठिन विकल्प रखा है। ट्रंप ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सामने वाशिंगटन के 28-सूत्रीय प्रस्ताव पर 27 नवंबर तक की समयसीमा (अल्टीमेटम) तय की है।

ट्रंप ने जेलेंस्की ने चेताया, यूक्रेन अपनी गरिमा व आजादी या वाशिंगटन का समर्थन खोने का जोखिम उठा रहा है। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप बोले-आगामी सर्दियों में रक्तपात को रोकने की जरूरत को देखते हुए समय बहुत कम है और जेलेंस्की को इस योजना को मंजूरी देनी ही होगी। वह बोले, अमेरिकी शांति योजना रूस का समर्थन करती है। जेलेंस्की को यह प्रस्ताव स्वीकार करना ही होगा, और अगर उन्हें यह पसंद नहीं आता है, तो फिर मुझे लगता है कि उन्हें लड़ते रहना चाहिए। ट्रंप ने कहा, उन्हें कहीं न कहीं कुछ ऐसा स्वीकार करना ही होगा जो अब तक नहीं किया गया है।

यथार्थवादी रास्ता पहचाना : इससे पहले टीवी पर जेलेंस्की ने आगाह किया, देश एक महत्वपूर्ण दौर में है। यूक्रेन एक कठिन विकल्प का सामना कर सकता है। उसके सामने सम्मान की हानि या अहम साझेदार को खोने का खतरा है। ट्रंप

ने ओवल दफ्तर में कहा, मैं मानता हूं कि शांति का एक यथार्थवादी रास्ता पहचान लिया गया है, लेकिन प्रस्ताव जेलेंस्की के हस्ताक्षर से ही आगे बढ़ सकता है।

यूरोप का अटूट समर्थन और चिंताएं : यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के लिए अपने अटूट समर्थन को दोहराया है, रूस की आक्रामकता को यूरोप के लिए ही अस्तित्वगत खतरा मानते हुए जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटिश नेताओं ने जी-7 सदस्यों से बात भी की। सभी ने यूक्रेन को निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। जेलेंस्की ने जब कहा कि यूक्रेन को यह चुनना होगा कि वह अपनी गरिमा को जोखिम में डालना चाहता है या एक प्रमुख सहयोगी को खोना चाहता है, तो ट्रंप ने चेतावनी दी कि यूक्रेन अपना भूभाग खो रहा है और कुछ ही समय में खो देगा। जेलेंस्की ने कहा-कीव शांति को संभव बनाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर अमेरिका और यूरोप के साथ मिलकर काम करने पर सहमत हो गया है।

सीजफायर के बाद भी नहीं मान रहा इस्राइल: गाजा में फिर की एयरस्ट्राइक, 24 लोगों की मौत; अस्पतालों ने की पुष्टि

गाजा, एजेंसी। इस्राइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने शनिवार को हमास ठिकानों में हवाई हमले किए, जिनमें 24 लोगों की मौत हो गई और 54 लोग घायल हुए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इस्राइली सेना ने दावा किया कि ये हमले उन हमास लड़ाकों के जवाब में किए गए, जिन्होंने संघर्षविराम के बावजूद इस्राइल-नियंत्रित क्षेत्र में घुसकर सैनिकों पर गोली चलाई। सेना ने इस घटना को सीजफायर का गंभीर उल्लंघन बताया। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि कार्रवाई में हमास के पांच वरिष्ठ सदस्य मारे गए, जबकि हमास ने आरोप लगाया कि इस्राइल बहाने बनाकर युद्ध फिर शुरू करना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका द्वारा कराए गए युद्धविराम के बावजूद इस्राइल अब तक गाजा में 394 हमले कर चुका है, जिनमें 300 से अधिक लोग मारे गए और करीब 700 से ज्यादा घायल हुए। इससे पहले बुधवार को भी आईडीएफ ने गाजा में हमले कर 25 लोगों को मार दिया था, जब इस्राइल ने दावा किया कि हमास ने युद्धविराम का उल्लंघन किया है। कई हमले, कई मोहल्ले तबाह गाजा में कई इलाकों पर एक के बाद एक हुए हमलों ने पूरे माहौल को दहशत से भर दिया। गाजा सिटी के रिमाल क्षेत्र में एक वाहन को निशाना बनाए गए हमले में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक गंभीर रूप से घायल हुए। शिफा अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक, घायलों में बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं। इसी के साथ, अल-अवदा अस्पताल के पास एक मकान पर हुए हमले में 3 लोगों की जान गई और 11 घायल हुए। नुसेरात कैंप में एक घर पर किए गए हमले में सात लोगों की मौत हुई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल था। दैर अल-बलाह में एक और आवासीय घर को निशाना बनाए जाने से तीन लोगों की मौत हुई, जिनमें एक महिला भी थी। दैर अल-बलाह के खालिल अबू हातब ने भयावह दृश्य बताते हुए कहा अचानक जोरदार धमाका हुआ और चारों तरफ धुआं ही धुआं फैल गया। कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। यह कैसा संघर्षविराम है? यहां तो कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है।

वेनेजुएला में तख्तापलट करा सकता है अमेरिका:सीक्रेट ऑपरेशन की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में वेनेजुएला के खिलाफ नया ऑपरेशन शुरू हो सकता है। ट्रम्प प्रशासन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का तख्तापलट भी करवा सकता है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दी है।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक शुरुआत सीक्रेट ऑपरेशन से हो सकती है। अभी साफ नहीं है कि यह कदम कब उठाया जाएगा और इसका दायरा कितना बड़ा होगा, लेकिन इतना जरूर है कि ट्रम्प प्रशासन इसे लेकर काफी गंभीर है। हाल के हफ्तों में अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई इलाके में बड़ी संख्या में जहाज, विमान और सैनिक तैनात किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच टकराव की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका बोला- हर तरह की ताकत

का इस्तेमाल करेंगे अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन और सीक्रेट एजेंसी सीआईए इस पूरे मामले पर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ड्रग तस्करी रोकने के लिए हर तरह की ताकत का इस्तेमाल करने को तैयार हैं। कैरेबियाई इलाके में बीते कुछ महीनों से अमेरिकी सेना का जमावड़ा लगातार बढ़ रहा है। सबसे बड़ा अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर 'जेराल्ड आर फोर्ड' और उसके साथ कई युद्धपोत, एक परमाणु पनडुब्बी और स्न-35 विमान तैनात किए गए हैं। मादुरो ड्रग तस्करी का आरोप लगा रहा अमेरिका अमेरिका लंबे समय से मादुरो पर आरोप लगाता रहा है कि वह ड्रग तस्करी में शामिल हैं, हालांकि मादुरो इन आरोपों को साफ तौर पर झूठा बताते हैं। दूसरी तरफ मादुरो का कहना है कि अमेरिका उन्हें सत्ता से निकालना चाहता है, लेकिन देश और सेना किसी भी बाहरी दखल का विरोध करेगी। अमेरिकी सेना सितंबर से अब तक दर्जनों ड्रग बोट्स पर हमले कर चुकी है, जिनमें 80 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि अमेरिका बिना सबूत के लोगों को मार रहा है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। वेनेजुएला के एयरस्पेस से उड़ान भरने को लेकर चेतावनी जारी हालात और तनावपूर्ण तब हो गए जब अमेरिका की फेडरल एविएशन एजेंसी (एफएए) ने वेनेजुएला के ऊपर उड़ान भरने को लेकर चेतावनी जारी कर दी। एफएए ने कहा कि वेनेजुएला के एयर स्पेस में मिलिट्री एक्टिविटी बढ़ गई है और जीपीएस सिस्टम में दखल जैसी समस्याएं देखी गई हैं, जो उड़ानों के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। हालांकि वेनेजुएला ने कभी नागरिक विमानों को निशाना बनाने की बात नहीं कही है। इस चेतावनी के बाद कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने वेनेजुएला से उड़ानें रद्द कर दीं। टकराव के बीच दोनों देशों में बातचीत भी जारी इस बीच अमेरिका सोमवार को 'कार्टेल दे लॉस सोल्स' को विदेशी आतंकी संगठन घोषित करने जा रहा है।

अमेरिका का आरोप है कि मादुरो इस संगठन का नेता है, जबकि मादुरो इसे पूरी तरह नकारते हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा है कि आतंकी संगठन घोषित होने के बाद अमेरिका के पास कई नए विकल्प खुल जाएंगे, यानी सैन्य कार्रवाई की संभावना और बढ़ सकती है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच बातचीत भी चल रही है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि बातचीत से तनाव कम होगा या अमेरिकी प्लानिंग में कोई बदलाव आएगा। अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम भी बढ़ाकर 50 मिलियन डॉलर कर दिया है।

नाइजीरिया के कैथोलिक स्कूल पर हमले में 300 से अधिक बच्चों का अपहरण

नाइजर, एजेंसी। नाइजीरिया के नाइजर में बंदूकधारियों ने एक कैथोलिक संस्थान पर शुक्रवार को हमला कर 303 स्कूली छात्रों और 12 अध्यापकों का अपहरण कर लिया। देश के 'क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया' (सीएएन) ने यह जानकारी दी। सीएएन ने पहले बताया था कि 215 छात्रों का अपहरण किया गया है। सीएएन की नाइजर राज्य शाखा के अध्यक्ष 'मोस्ट रेवरेंड' बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार, ''सत्यापन प्रक्रिया और अंतिम गणना के बाद'' संख्या में बदलाव किया गया। योहाना ने शुक्रवार को स्कूल का दौरा किया था। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान 88 अन्य छात्रों को ''भागने की

कोशिश करते समय पकड़ लिया गया।'' इनमें लड़के और लड़कियां शामिल हैं और उनकी उम्र 10 से 18 साल के बीच है। हमला और अपहरण की यह घटना 'सेंट मैरीज स्कूल' में हुई, जो अग्वारा स्थानीय सरकार के पापिरी समुदाय में स्थित एक कैथोलिक संस्थान है। नाइजर राज्य पुलिस कमान ने कहा कि अपहरण की घटना तड़के हुई और उसके बाद से इलाके में सेना एवं सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। उसने बताया कि सेंट मैरीज एक माध्यमिक विद्यालय है। उपग्रह से ली गई तस्वीरों से पता चलता है कि स्कूल परिसर एक निकटवर्ती प्राथमिक विद्यालय से जुड़ा हुआ है और इसमें 50 से अधिक कक्षाएं और छात्रावास हैं। यह येल्वा और मोक्वा कस्बों को जोड़ने वाली एक प्रमुख सड़क के पास स्थित है। स्थानीय निवासी दाउदा चेकुला (62) ने बताया कि अपहृत स्कूली बच्चों में उनके चार पोते-पोतियां भी शामिल हैं, जिनकी उम्र सात से 10 साल के बीच है। नाइजर राज्य सरकार के सचिव द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि पूर्व में दी गई खुफिया चेतावनी के बावजूद यह अपहरण हुआ। बयान में कहा गया, ''सेंट मैरीज स्कूल ने राज्य सरकार को सूचित किए बिना या उसकी मंजूरी लिए बिना ही शैक्षणिक गतिविधियां पुनः शुरू कर दीं, जिससे विद्यार्थियों और कर्मचारियों को अनावश्यक जोखिम का सामना करना पड़ा।'' अभी तक किसी भी समूह ने अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है। योहाना ने राज्य सरकार के इस दावे को झूठा बताया कि नाइजर राज्य के इस क्षेत्र के विद्यालयों को सुरक्षा खतरों के कारण अस्थायी रूप से बंद करने का निर्देश दिए जाने के बावजूद स्कूल को खोला गया।

टैरिफ की धमकी देकर 8 में से 5 युद्धों को रुकवाया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा

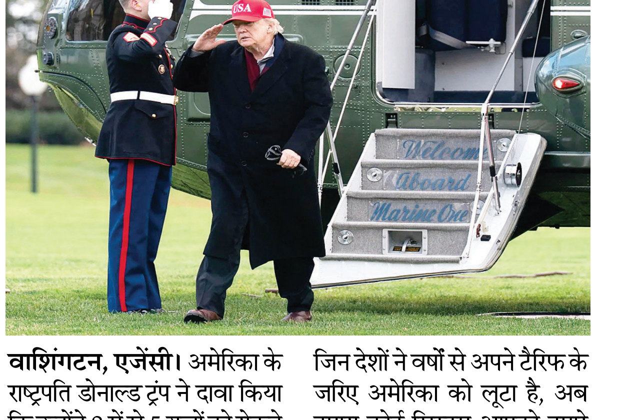

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने 8 में से 5 युद्धों को रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि यूएस दुनिया भर के देशों से टैरिफ के रूप में खरबों डॉलर कमा रहा है, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा हुआ है। ट्रुथ सोशल पर एक लंबे पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'हम विदेशों से टैरिफ और निवेश के रूप में खरबों डॉलर कमा रहे हैं। मैंने आठ में से पांच युद्धों को टैरिफ की धमकी के जरिए रोका है। अगर वे लड़ना बंद नहीं करेंगे या फिर शुरू करेंगे तो टैरिफ लगा दूंगा। डोनाल्ड ट्रंप भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को रोकने का दावा कई बार कर चुके हैं। हालांकि, भारत ने कभी भी ट्रंप की उस सीजफायर समझौते में भूमिका की पुष्टि नहीं की है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर तंज कसते हुए ट्रंप ने दावा किया कि अभी महंगाई लगभग शून्य है, जबकि स्लिपी जो बाइडेन के समय यह अमेरिकी इतिहास में सबसे खराब स्तर पर थी। उन्होंने लिखा, 'स्टॉक मार्केट ने 9 महीनों में 48वीं बार ऑल टाइम हाई छुआ है। जिन देशों ने वर्षों से अपने टैरिफ के जरिए अमेरिका को लूटा है, अब हमारा कोर्ट सिस्टम आपको हमारे देश को बर्बाद करने की इजाजत नहीं देगा। ट्रंप ने किस तरह का टैरिफ लगाया राष्ट्रपति ट्रंप ने जोर देकर कहा कि अभी अमेरिका अपनी पूरी इतिहास में सबसे अमीर, सबसे मजबूत और सबसे सम्मानित देश है। इसके पीछे का कारण 5 नवंबर 2024 (अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की तारीख) और टैरिफ हैं। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम का उपयोग करते हुए टैरिफ लगाए हैं। इनमें बेसलाइन 10 प्रतिशत टैरिफ सभी आयात पर है, जबकि बड़े व्यापार घाटे वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए गए हैं, जो 15 से 41 प्रतिशत तक या इससे अधिक हैं। चीन पर कुल 54, भारत-ब्राजील पर 50, यूरोपीय संघ-जापान पर 15 और कनाडा पर 35 टैरिफ लगाया है। स्टील, एल्यूमीनियम, तांबा पर 50 और कारों पर 25प्रतिशत जैसे प्रोडक्ट स्पेशल टैरिफ भी हैं।

एक और देश में विद्रोह की चिंगारी भड़की, सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

ट्यूनिस, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीकी देश ट्यूनीशिया में भी सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। शनिवार को हजारों की संख्या में लोग राष्ट्रपति काइस सईद के खिलाफ राजधानी ट्यूनिश की सड़कों पर उतरे। लोग राष्ट्रपति सईद की बढ़ती कथित तानाशाही और जेल में बंद राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने 'अन्याय के खिलाफ' बैनर के तले विरोध प्रदर्शन किया, जिसका नेतृत्व जेल में बंद राजनीतिक कैदियों के परिवारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने किया।

राष्ट्रपति सईद पर न्यायपालिका में दखलअंदाजी का आरोप : प्रदर्शन में हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी शामिल हुए, जिन्होंने सरकार विरोधी नारे लगाए। ये प्रदर्शन ऐसे समय हो रहे हैं, जब ट्यूनीशिया आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर परेशानियों से घिरा हुआ है। इससे पहले गुरुवार को ट्यूनीशिया के पत्रकारों ने भी सरकार विरोधी प्रदर्शन किए। दरअसल पत्रकारों ने प्रेस की आजादी को दबाने और प्रमुख नागरिक समाज संगठनों के खिलाफ कार्रवाई विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राष्ट्रपति सईद न्यायपालिका में दखलअंदाजी कर रहे हैं। साथ ही उन पर अपने राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल करने आरोप है।

जेल में बंद विपक्षी नेताओं के परिजन विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए : जेल में बंद विपक्षी नेता अब्देलहामिद जलसी की पत्नी मोनिया ब्राहिम ने कहा कि वह मार्च में इसलिए शामिल हुईं क्योंकि उनका मानना है कि कई ट्यूनीशियाई लोगों के साथ बहुत नाइंसाफी हो रही है। मैं एक नागरिक के तौर पर अपने अधिकारों की रक्षा करने आई हूं।' उन्होंने कहा कि 'राजनीतिक कैदी अच्छी तरह जानते हैं कि वे अपने उसूलों, सिविल और पॉलिटिकल

एक्टिविज्म के अपने संवैधानिक हक की कीमत चुकाने के लिए जेल में हैं, और आज ट्यूनीशिया में बनी सरकार उन्हें बंधक बनाए हुए है।' हिरासत में लिए गए लोगों में से कुछ भूख हड़ताल पर हैं, जिसमें संवैधानिक कानून के प्रोफेसर जाहेर बेन म्बारेक भी शामिल हैं, जो 20 दिनों से ज़्यादा समय से हड़ताल पर हैं। ट्यूनीशिया में बढ़ते दमन पर कई मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि 2022 के आखिर से 50 से ज़्यादा लोगों को, जिनमें राजनेता, वकील, पत्रकार और एक्टिविस्ट शामिल हैं, अपनी बात कहने की आजादी, शांति से इकट्ठा होने या राजनीतिक गतिविधि चलाने के अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए गिरफ्तार किया गया। राइट्स ग्रुप ने यह भी चेतावनी दी कि बड़े पैमाने पर एंटी-टेररिज्म और साइबरक्राइम कानूनों का इस्तेमाल असहमति को दबाने के लिए किया जा रहा है।

लंबे लोगों में 'एट्रियल फिब्रिलेशन' का खतरा

एट्रियल फिब्रिलेशन जो कि हृदय की अतालता (Cardiac arrhythmias) का एक प्रकार है। एट्रियल फिब्रिलेशन एक हृदय स्थिति है, जहां व्यक्ति की दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है। वैश्विक स्तर पर इस हृदय रोग से लगभग 33 मिलियन लोग प्रभावित हैं। यह स्थिति किसी भी दिल से जुड़ी बीमारी जैसे हाई बीपी या मोटापे, मधुमेह जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उत्पन्न हो सकती है। एट्रियल फिब्रिलेशन से स्ट्रोक और यहां तक कि दिल की विफलता (Heart Failure) हो सकती है।

एक अध्ययन से पता चलता है कि लंबे लोगों को एट्रियल फिब्रिलेशन का खतरा हो सकत है। शोधकर्ताओं के अनुसार, हर अतिरिक्त इंच के साथ, एट्रियल के कंपन का खतरा तीन प्रतिशत बढ़ जाता है। यह इंगित करता है कि ऊंचाई एट्रियल फिब्रिलेशन के लिए एक जोखिम कारक हो सकती है।

शोधकर्ता माइकल लेविन, एमडी, कार्डियोवस्कुलर मेडिसिन, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय ने कहा कि हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि एट्रियल फिब्रिलेशन के लिए जोखिम-पूर्वानुमान उपकरणों में ऊंचाई को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है,

उन्होंने कहा, वर्तमान दिशा-निर्देशों के अनुसार एट्रियल फिब्रिलेशन के लिए व्यापक स्क्रीनिंग के खिलाफ सलाह है, हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि मरीजों का एक निश्चित समूह, विशेष रूप से, बहुत लंबे रोगियों को स्क्रीनिंग से लाभ हो सकता है।

पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की टीम ने एंथ्रोपोमेट्रिक ट्रायल्स (GIANT) और एट्रियल फिब्रिलेशन जेनेटिक्स (AFGen) संगठनों की आनुवांशिक जांच से लगभग 700,000 लोगों का डेटा लिया, जो एट्रियल फिब्रिलेशन और ऊंचाई के बीच संबंध का अध्ययन करते हैं। शोधकर्ताओं ने उनके बीच एक कड़ी स्थापित करने के लिए एक सांख्यिकीय पद्धति का उपयोग किया, जहां उन्होंने पाया कि किसी व्यक्ति की ऊंचाई एट्रियल फिब्रिलेशन से निकटता से जुड़ी हुई है। वरिष्ठ शोधकर्ता स्कॉट डैमराउर ने बताया ये विश्लेषण दिखाते हैं कि कैसे हम मानव आनुवंशिकी का उपयोग कर सकते हैं, ताकि हमें आम बीमारी के लिए कारण जोखिम वाले कारकों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिल सके। वे यह भी बताते हैं कि हम संस्थागत बायोबैंक से व्यक्तिगत स्तर के डेटा के साथ बड़े स्तर के अध्ययन से सारांश-स्तर के आंकड़ों को कैसे जोड़ सकते हैं, ताकि मानव रोग की हमारी समझ को आगे बढ़ाया जा सके।

सेहत के दुश्मन 12 बैक्टीरिया और फंगस की हुई पहचान

केजीएमयू ने मरीजों की जान ले रहे खतरनाक बैक्टीरिया और फंगस को पहचानने में कामयाबी हासिल की है। माइक्रो बायोलाजी विभाग ने मरीजों की सेहत बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार 12 बैक्टीरिया और वायरस की पहचान माल्डी-टॉफ एमएस मशीन के जरिए की है।

इस तरह के घाव से सबसे ज्यादा फैलता है ये फंगस

इस जानकारी का लाभ न सिर्फ केजीएमयू, बल्कि देश के अन्य अस्पतालों को भी मिलेगा। केजीएमयू के डॉक्टर वेब कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विदेश के बड़े विशेषज्ञों से जुड़े हुए हैं। समय-समय पर सूचनाओं का भी लेन-देन होता है। इससे पहले तक कुछ ही खतरनाक बैक्टीरिया व वॉयरस की पहचान केजीएमयू में हो पाती थी।

मरीजों की जान बचाना होगा आसान

केजीएमयू मेडिसिन विभाग के डॉ. डी हिमांशु के मुताबिक स्ट्रेप्टो कॉकस-ए गैल्कटी व स्ट्रेप्टोकॉकस पायोजीन अस्पताल के बाहर से आता है। बाकी बैक्टीरिया एवं फंगस भर्ती मरीजों को होने की संभावना होती है। उन्होंने बताया कि समय पर बैक्टीरिया एवं फंगस की पहचान से मरीज की जान बचाना आसान हो जाता है, क्योंकि बिना बैक्टीरिया और फंगस की पहचान सही एंटीबायोटिक दवा के चयन में अड़चन आती है।

कई तरह के एंटीबायोटिक दवा का इस्तेमाल मरीज की सेहत के लिए घातक है। एक समय के बाद एंटीबायोटिक मरीज पर काम नहीं करती है। एंटीबायोटिक दवाएं सीमित हैं। लिहाजा इन्हें बचाकर रखने में कामयाबी मिलेगी।

इन मरीजों में खतरा अधिक

आईसीयू एवं वेंटिलेटर पर भर्ती मरीजों में रोगों से लड़ने की ताकत पहले से कम होती है। ऐसे में बैक्टीरिया एवं फंगस आसानी से उन्हें अपनी चपेट में ले लेते हैं।

146 मरीजों की जांच

माल्डी-टॉफ एमएस मशीन से कई तरह के घातक बैक्टीरिया और फंगस की पहचान आसान हो गई है। अब तक केजीएमयू में भर्ती 146 मरीजों की जांच इस मशीन से की गई।

30 से अधिक अस्पतालों में मशीन उपलब्ध

दिल्ली एम्स, पीजीआई लखनऊ समेत देश के 30 से अधिक बड़े अस्पतालों में माल्डी-टॉफ एमएस मशीन उपलब्ध है, लेकिन इन बैक्टीरिया और फंगस को पहली बार वृहद स्तर पर पहचाने का काम केजीएमयू ने किया है।

केजीएमयू में इन बैक्टीरिया और फंगस की हुई पहचान

एलीजाबेथकिंगी एनाफीलिज : इस बैक्टीरिया से नवजात निमोनिया की जद में आ रहे हैं। यह बैक्टीरिया दिमागी बुखार का कारण भी है।

स्ट्रेप्टो कॉकस-ए गैल्कटी : यह बैक्टीरिया मां से जन्म लेने वाले शिशु को होता है। इसकी चपेट में शिशु को दिमागी बुखार हो जाता है।

स्ट्रेप्टोकॉकस पायोजीन : यह एक प्रकार का खतरनाक फंगस है, जो त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। समय पर पहचान न होने से मरीज के हाथ-पैर में सड़न पैदा हो जाती है। मरीज का पूरा शरीर संक्रमण की जद में आ जाता है। मरीज की जान तक जा सकती है।

कैंडिडा यूटिलिस : खुले घाव से यह फंगस फैलता है, जो खून में जाकर संक्रमण पैदा करता है। समय पर सटीक एंटीफंगल दवा न मिलने से जान जोखिम में पड़ सकती है।

सियूडोमोनास स्टूडजेरी : आईसीयू पर भर्ती मरीजों को यह बैक्टीरिया संक्रमण फैलाता है। यह बैक्टीरिया घाव के माध्यम से शरीर में दाखिल होता है।

आंखों के पास जमा कोलेस्ट्रॉल हटाने अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

आंखों के आसपास जमा पीले पपड़ी जैसे निशान दरअसल कोलेस्ट्रॉल होते हैं, जो आपके चेहरे की खूबसूरती खराब करते हैं। इनका निशान हटाने के लिए आप आर्टिकल में बताए गए चार घरेलू उपाय अपना सकते हैं, जिससे कुछ दिनों में ही ये निशान गायब हो जाएंगे।

क्या आपकी आंखों के ऊपर की त्वचा पपड़ीदार नजर आने लगी है? पलकों के आसपास दाग जैसी दिखने वाली ये त्वचा दरअसल कोलेस्ट्रॉल है, जो इस बात का संकेत है कि आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ गया है और आपको इसे कंट्रोल करने की जरूरत है। बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल आपको हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं दे सकता है। ये संकेत दिखने पर आपको कम से कम एक बार डॉक्टर से सलाह लेकर अपने कोलेस्ट्रॉल की जांच करानी चाहिए। आंखों के ऊपर जमा इस पपड़ी वाली त्वचा हटाने कोलेस्ट्रॉल घटाना जरूरी है, साथ ही आप कुछ घरेलू उपाय अपना सकते हैं, जिनसे धब्बे जैसे दिखने वाला ये निशान जल्दी गायब हो जाएगा। जानें इनके बारे में।

लहसुन का करें प्रयोग

आंखों के पास जमा पपड़ी को हटाने लहसुन एक प्रभावी उपाय है। बस एक लहसुन की कली लीजिए और इसे छीलकर बीच से काट लीजिए। इसे आंखों के आसपास जहां त्वचा पर दाग या दाने दिख रहे हैं, वहां थोड़ी देर रगड़िए। आपको त्वचा पर थोड़ी जलन महसूस होगी, मगर उससे कोई समस्या नहीं है। दिन में 2-3 बार ऐसा करें, धीरे-धीरे ये दाग गायब हो जाएंगे।

केले का छिलका

केले के छिलके का प्रयोग करके भी आप आंखों पर जमा कोलेस्ट्रॉल से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए केले के छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और रात में सोने से पहले गीले वाले हिस्से को धब्बों वाली जगह पर लगाएं और टेप या बैंडेड की मदद से चिपका लें। रातभर ऐसे ही सोएं और सुबह टेप निकाल दें। 2-3 दिन ऐसा करने से दाग कम होने लगेंगे।

प्याज का रस

प्याज का रस लगाने से भी आंखों के पास जमा कोलेस्ट्रॉल हटाया जा सकता है। इसके लिए एक छोटे प्याज काटें और इसे पीस लें। अब सूती कपड़े या छन्नी की मदद से प्याज का रस निचोड़ लें। रस में थोड़ा नमक मिलाएं और रात भर इसे छोड़ दें। सुबह उठने के बाद रस को आंखों के आसपास जमा दाग-धब्बों पर लगाएं। जल्द ही आपकी त्वचा स्मूथ होने लगेगी।

कैस्टर ऑयल (अरंडी का तेल)

अगर आपकी आंखों पर कोलेस्ट्रॉल जमा होने के निशान या दाने आना अभी हाल में ही शुरू हुए हैं, तो अरंडी के तेल (कैस्टर ऑयल) का प्रयोग करके भी आप इससे छुटकारा पा सकते हैं। इसके प्रयोग के लिए थोड़े से अरंडी के तेल में रूई का फाहा (कॉटन बड) भिगोएं और पपड़ी वाली जगह पर लगाएं। दिन में 3-4 बार जब भी समय मिले इसे रूई की मदद से लगा लें। कुछ दिन में आपके दाग पूरी तरह साफ हो जाएंगे।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर (सेब का सिरका) भी कोलेस्ट्रॉल डिपॉजिट को ठीक करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। इसके लिए रूई के एक फाहे को सेब के सिरके में भिगोएं और इसके फाहे को कोलेस्ट्रॉल जमा वाली जगह पर रखकर टेप से चिपका लें। 2 घंटे तक लगा रहने दें और फिर सादे पानी से मुंह धो लें। जल्द ही आपको इनसे छुटकारा मिल जाएगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2657

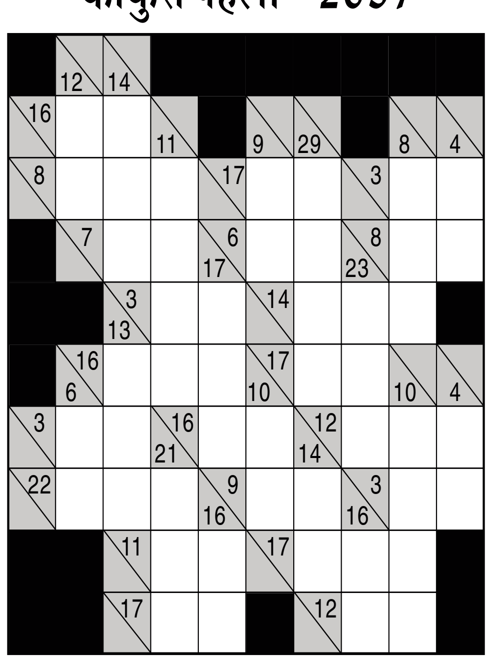

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

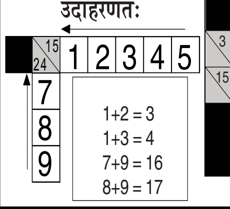

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2656 का हल

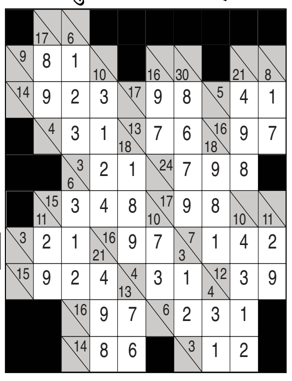

हंसी के फूव्वारें

जज (चोर से) - तुम्हारी जेब में जो कुछ है, उसे निकालकर मेज पर रख दो.

चोर (जज से)- यह तो सरासर नाइंसाफी है हुजूर. माल का आधा-आधा होना चाहिए.

बबलू (मम्मी से) - मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो.

मम्मी (बबलू से) - बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है?

बबलू (मम्मी से) - क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान कैंची की तरह चलती है.

युवा फिल्म अभिनेता (प्रेमिका से)- आज तक मुझसे शादी के सैकड़ों निवेदन किए जा चुके हैं.

प्रेमिका (अभिनेता से)- अच्छा, किस-किस ने निवेदन किया?

अभिनेता (प्रेमिका से) - 'मेरे मम्मी और डैडी ने.' अभिनेता मुस्कराते हुए बोला.

एक छाताधारी सैनिक से उनके अफसर ने पूछा, 'तुमने कितनी बार हवाई जहाज से छलांग लगाई है.'

'केवल एक बार.' सैनिक ने कहा.

'लेकिन तुम्हारे सर्विस रिकार्ड मे तो पन्द्रह बार लिखा हुआ है.'

'शेष चौदह बार तो मुझे धकेला गया था.' सैनिक ने कहा.

फिल्म वर्ग पहेली- 2657

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2656

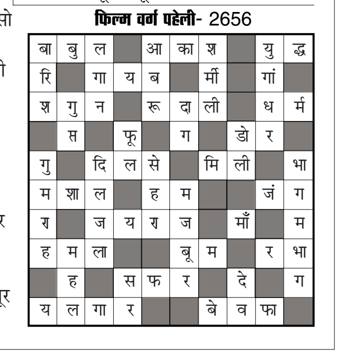

सूडोकु -2657

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2656 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली -2657

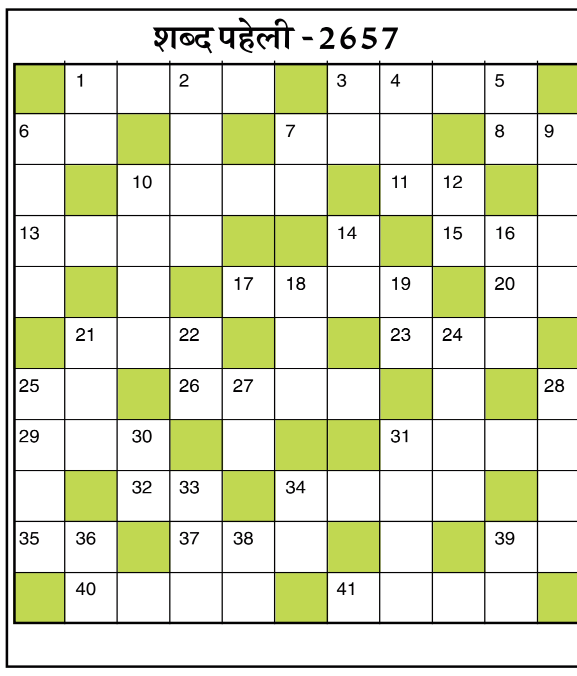

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -2556 का हल

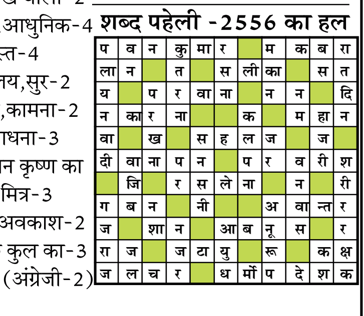

जयराम रमेश ने केंद्र को डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट पर घेरा

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार आ रही गिरावट को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट पर कहा कि रुपया 'फ्री फॉल' में है और 90 रुपये प्रति डॉलर के स्तर के करीब पहुंच चुका है। रमेश ने लिखा कि रुपये की यह स्थिति चिंताजनक है और आर्थिक प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े करती है। प्रधानमंत्री मोदी को इस पर ध्यान देना चाहिए।

देश के सामाजिक विमर्श को प्रभावित करने की रची जा रही वैश्विक साजिशः मालवीय

कोलकाता। भाजपा नेता और आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर गंभीर दावा किया है। उन्होंने कहा भारत के सामाजिक विमर्श को प्रभावित करने के लिए वैश्विक स्तर पर संगठित साजिश रची जा रही है। मालवीय के अनुसार, एक्स के लोकेशन डिटेल्स दिखाए जाने की नई व्यवस्था के बाद कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। उन्होंने लिखा कि बड़ी संख्या में ऐसे हैंडल हैं, जो स्वयं को कांग्रेस समर्थक बताते हैं। हिंदू विरोधी बयानबाजी करते हैं या जातिगत विभाजन फैलाने की कोशिश करते हैं। वह भारत से संचालित ही नहीं हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इनमें से कई अकाउंट पाकिस्तान, बांग्लादेश, एशिया के अन्य देशों और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से चलाए जा रहे हैं। मालवीय ने यह भी उल्लेख किया कि इन हैंडल्स ने अपनी पहचान छुपाने के लिए कई बार अपने यूज़रनेम बदले, जो अपने आप में संदेह पैदा करता है। मालवीय ने सवाल उठाते हुए कहा कि यह पूरा मामला संकेत देता है कि देश में फेक न्यूज फैलाकर सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने, जातिगत और वैचारिक विभाजन गहरा करने और भारत के आंतरिक विमर्श को प्रभावित करने के लिए कॉर्डिनेटेड ग्लोबल ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प, पहली बार मिर्ची स्प्रे का इस्तेमाल; कई पुलिसकर्मी घायल

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले के इंडिया गेट स्थित सी-हेक्सागन क्षेत्र में प्रदूषण विरोधी प्रदर्शन के दौरान रविवार शाम को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। नई दिल्ली जिले पुलिस उपायुक्त देवेश कुमार महला ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पहली बार पुलिसकर्मियों पर मिर्ची स्प्रे का इस्तेमाल किया, जिससे कई अधिकारी घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मियों का इलाज राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में चल रहा है। डीसीपी महला के मुताबिक, कुछ प्रदर्शनकारी सी-हेक्सागन के अंदर इकट्ठा हुए और पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड को तोड़कर सड़क पर बैठ गए। पुलिस ने उन्हें कई बार हटने का अनुरोध किया, क्योंकि उनके पीछे कई एंबुलेंस और मेडिकल टीमें फंसी थीं, जिन्हें आपातकालीन रास्ते की जरूरत थी। लेकिन प्रदर्शनकारी नहीं माने और बैरिकेड तोड़कर सड़क पर बैठ गए, जिससे यातायात बाधित हो गया। अधिकारी ने बताया कि स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख पुलिस ने उन्हें हटाना शुरू किया। इसी दौरान कई प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की और प्रतिरोध किया। झड़प के दौरान मिर्ची स्प्रे का इस्तेमाल किया गया, जिससे तीन से चार पुलिसकर्मियों की आंखों में गंभीर जलन हुई। वहीं खुंखार नक्सली हिड़मा के के लिए नारेबाजी भी करने लगे। डीसीपी महला ने कहा कि पुलिस कर्मियों पर इस तरह के हमले को बेहद गंभीरता से लिया जा रहा है और मामले में उचित कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ी किसी भी आपात स्थिति में बाधा उत्पन्न करना और पुलिस पर हमला करना कानूनन अपराध है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ओरछा में श्रीराम-जानकी विवाह महोत्सव की धूम, सवा लाख दीपों से जगमगाया कंचना घाट

भोपाल। बुन्देलखंड की अयोध्या के नाम से विख्यात भगवान श्री रामराजा सरकार की नगरी ओरछा धाम में श्रीराम-जानकी विवाह महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। मप्र के निवाड़ी जिले की धार्मिक नगरी ओरछा में श्रीराम विवाह महोत्सव की पूर्व संध्या पर शाम बेतवा नदी के कंचना घाट पर दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान सवा लाख दीप प्रज्वलित किए गए, जिसमें जनप्रतिनिधियों और हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। ओरछा में बेतवा के कंचना घाट पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस दीपोत्सव कार्यक्रम में सबसे पहले मां बेतवा की आरती की गई। इसके बाद सवा लाख दीपों का प्रज्वलन किया गया। हजारों हाथों द्वारा एक साथ दीप प्रज्वलित किए जाने से कंचना घाट और बेतवा नदी का किनारा प्रकाश से जगमगा उठा। नदी की लहरों में दीपों का प्रतिबिंब एक मनोरम दृश्य प्रस्तुत कर रहा था। इस आयोजन में स्थानीय नागरिक, स्वयंसेवी संस्थाएं, युवा समूह और देश-विदेश से आए पर्यटक बड़ी संख्या में पहुंचे। सभी ने मिलकर दीप जलाए और भगवान श्रीराम-जानकी के विवाह उत्सव का स्वागत किया। इस अवसर पर निवाड़ी कलेक्टर जमुना भिडे अपने परिवार सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। उनके साथ एसपी डॉ. राय सिंह नरवरिया, सीईओ जिला पंचायत रोहन सक्सेना, एएसपी ज्योति ठाकुर, एसडीएम मनीषा जैन, तहसीलदार, सीईओ जनपद पंचायत, सीएमओ सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

झारखंड मंडप में प्रदर्शित रांची स्मार्ट सिटी मॉडल बना आकर्षण का केंद्र

एजेंसी
रांची। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ)में इस वर्ष झारखंड पवेलियन का रांची स्मार्ट सिटी मॉडल मीडिया और दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित कर रहा है। नवीनतम तकनीक, भविष्य उन्मुख शहरी नियोजन और नागरिक-केंद्रित विकास दृष्टि के साथ यह मॉडल झारखंड सरकार की प्रगतिशील शहरी नीतियों का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। रांची स्मार्ट सिटी एक अत्याधुनिक आधारभूत संरचना रांची स्मार्ट सिटी में अत्याधुनिक आधारभूत संरचना का निर्माण तेज़ी से किया जा रहा है, जिसके तहत 656 एकड़ में विकसित की जाने वाली ग्रीनफील्ड टाउनशिप को सीबीडी, प्रस्तावित कैपिटल कॉम्प्लेक्स, हवाई अड्डे और हटिया रेलवे स्टेशन के निकट रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर

स्थापित किया जा रहा है। यह क्षेत्र भावी निवेश को आकर्षित करने, तकनीकी संस्थानों, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और ज्ञान-आधारित उद्योगों को विकसित करने के लिए एक आदर्श केंद्र के रूप में उभर रहा है। रांची को भविष्य के लिए तैयार स्मार्ट सिटी बनाने के लिए, 37 प्रतिशत भूमि को खुले और हरित क्षेत्र के रूप में आरक्षित किया गया है। 24 घंटे और सातों दिन गैस-इन्सुलेटेड बिजली स्टेशन और जल आपूर्ति नेटवर्क विकसित किया गया है। इसके अतिरिक्त, 16 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी के माध्यम से उपचारित जल का 40 प्रतिशत गैर-पेयजल उपयोग के लिए प्रस्तावित है, जिससे जल संरक्षण और टिकाऊ शहरी प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही भूमिगत वायरिंग मॉडल, सड़क किनारे उपयोगिता वाहिनी प्रणाली और अत्याधुनिक शहरी सेवाएं शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि रांची को शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में उभरते ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, रांची, जो सरकारी संगठनों, सार्वजनिक उपक्रमों और अनुसंधान एवं विकास केंद्रों का एक प्रमुख केंद्र है, अब ज्ञान आधारित उद्योगों और आधुनिक शिक्षा बुनियादी ढांचे के माध्यम से इस तरह विकसित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को करेंगे हरियाणा के कुरुक्षेत्र का दौरा

एजेंसी
कुरुक्षेत्र । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के कुरुक्षेत्र का दौरा करेंगे। इस दौरान वे कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री शाम करीब 4:00 बजे भगवान कृष्ण के पवित्र शंख के सम्मान में बनाए गए नए 'पांचजन्य' का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद, वे महाभारत अनुभव केंद्र जाएंगे, जहां महाभारत के खास प्रसंगों को दिखाया गया है, जो इसके हमेशा रहने वाले सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को दिखाते हैं। शाम करीब 4:30 बजे, प्रधानमंत्री नौवें सिख गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में एक खास कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री गुरु के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में एक खास सिक्का और यादगार स्टांप जारी करेंगे। गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के सम्मान में, भारत सरकार एक साल तक चलने वाला कार्यक्रम मना रही है। वे इस मौके पर मौजूद लोगों को भी संबोधित करेंगे। बाद में शाम करीब 5:45 बजे, प्रधानमंत्री मोदी ब्रह्म सरोवर में दर्शन और पूजा करेंगे। ब्रह्म सरोवर भारत के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह श्रीमद् भगवद् गीता के दिव्य ज्ञान से जुड़ा है। यह दौरा चल रहे इंटरनेशनल गीता महोत्सव के साथ हो रहा है, जो अभी 15 नवंबर से 5 दिसंबर तक कुरुक्षेत्र में हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के हरियाणा दौरे पर राज्य सरकार में मंत्री जेपी दलाल ने खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'यह बहुत खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 तारीख को कुरुक्षेत्र आएंगे। गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने समेत कई प्रोग्राम प्लान किए गए हैं। गीता जयंती समारोह भी होगा, जिसमें लाखों लोगों के आने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पूरी कर स्वदेश लौटे

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका की तीन दिवसीय यात्रा के बाद आज स्वदेश लौट आए। प्रधानमंत्री मोदी वहां जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने सम्मेलन में कृत्रिम मेधा (एआई) के दुरुपयोग को रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते का आह्वान किया और कहा कि महत्वपूर्ण तकनीक को वित्त-केंद्रित होने के बजाय मानव केंद्रित होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, '' सफल जोहान्सबर्ग जी-20 शिखर सम्मेलन खुशहाल और टिकाऊ धरती के लिए योगदान देगा। दुनिया के नेताओं के साथ मेरी मीटिंग और बातचीत बहुत फायदेमंद रही और इससे अलग-अलग देशों के साथ भारत के बाइलेटरल लिंक और गहरे होंगे। मैं इस सम्मेलन के आयोजन के लिए साउथ दक्षिण अफ्रीका के लोगों, राष्ट्रपति रामफोसा और दक्षिण अफ्रीका सरकार को धन्यवाद देना देता हूं। '' प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण अफ्रीका में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टॉर्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, दक्षिण कोरिया के

राष्ट्रपति ली जे-म्यूंग, ब्राज़ील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से मुलाकात की। उन्होंने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा, '' जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के गिरमिटिया गीत 'गंगा मैया' की प्रस्तुति भावविभोर कर गई। इस गीत को तमिल में सुनना अपने आप में एक अनूठा अनुभव रहा। इसमें उन लोगों की आशा और दृढ़ संकल्प की भावना समाहित है, जो कई दशक पहले यहां आए थे। भले ही उन्हें कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन वे विचलित नहीं हुए। गीतों और भजनों के माध्यम से उन्होंने भारत को अपने हृदय में बसा कर रखा है। अपनी जड़ों से इस सांस्कृतिक जुड़ाव को जीवंत देखना अभिभूत कर देने वाला है।''

देवभूमि उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की ओर अग्रसर-पुष्कर धामी

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं। राज्य में केदारखंड और मानसखंड क्षेत्र के मंदिरों के सौंदर्यीकरण के लिए योजनाएं बनाने के साथ हरिपुर कालसी में यमुनातीर्थ स्थल के पुनरुद्धार, हरिद्वार ऋषिकेश कॉरिडोर और शारदा कॉरिडोर के निर्माण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। वे नई दिल्ली के प्रगति मैदान मे आयोजित 44वें भारत अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेले के तहत उत्तराखण्ड पवेलियन में उत्तराखण्ड दिवस समारोह के मौके पर बोल रहे थे। इस अवसर पर नाट्यशाला थियेटर में उत्तराखण्ड के लोक कलाकारों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला हमारी संस्कृति, हस्तशिल्प, और समृद्ध विरासत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने का अवसर प्रदान करता है। यही नहीं इस मेले में आयोजित होने वाली सांस्कृतिक संध्या के माध्यम से हमारी लोक संस्कृति और उत्तराखंडी परंपराओं की जीवंत झलक देखने को मिलती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य की रजत जयंती

वर्ष के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राज्य के पवेलियन में लगने वाले स्थानीय उत्पादों के स्टॉलों पर लगने वाले शुल्क को माफ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे पारंपरिक मेलों, उत्सवों और लोक संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन फेस्टिवल' के रूप में विकसित करने का आव्हान किया है। इस पहल से हमारे राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित होने वाले पारंपरिक मेलों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। हमारे स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, लोककला और पर्यटन को भी इससे पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार उत्तराखंड को प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रही है। इसके लिये प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, खेल, पेयजल और हवाई कनेक्टिविटी जैसे सभी प्रमुख क्षेत्रों में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।राज्य में 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसी पहलों के माध्यम से विकसित भारत एवं विकसित उत्तराखंड बनाने के स्वप्न को साकार करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

आंध्रप्रदेश में हुए भीषण सड़क हादसे में मध्य प्रदेश के 4 श्रद्धालुओं की मौत, 5 घायल

एजेंसी
खंडवा/भोपाल। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में हुए एक भीषण सड़क हादसे में मध्य प्रदेश के चार तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई। इनमें तीन पुरुष एक महिला शामिल है। मध्य प्रदेश के खंडवा और खरगोन जिले के नौ लोगों का एक समूह एक ट्रैक्स गाड़ी मे सवार होकर तीर्थ दर्शन के लिए निकला था। शनिवार की रात आंधप्रदेश के कोटबोम्माली मंडल के येत्तुराल्लापाडु गांव के पास उनकी गाड़ी ने नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में गाड़ी में सवार 5 महिलाएं गंभीर रूप से घायल हुई हैं।

हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस और हाईवे गश्ती टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को नरसारावपेट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारियों से संपर्क कर शवों को जल्द खंडवा

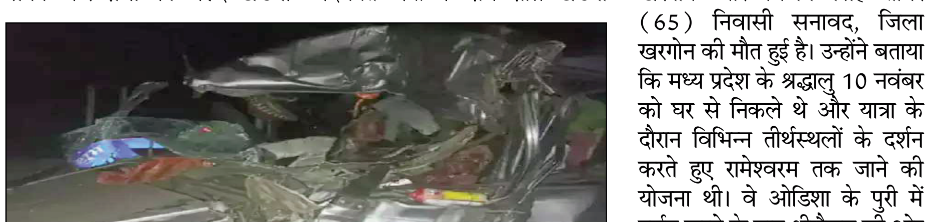

भेजने और घायलों के इलाज की व्यवस्था करने को कहा है। सांसद पाटिल ने हादसे की जानकारी साझा करते हुए कहा कि आंध्रप्रदेश में हुए भीषण सड़क हादसे में खंडवा जिले के चार नागरिकों की मृत्यु हुई है और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह समाचार अत्यंत व्यथित करने वाला है। यह अपूरणीय क्षति केवल उनके परिवारों की नहीं, पूरे खंडवा जिले है। आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम जिला प्रशासन से दूरभाष पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की है तथा सभी दिवंगत जनों के शव शीघ्र खंडवा लाने एवं घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें, शोकाकुल परिजन को इस कठिन समय में शक्ति दें तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। सांसद पाटिल ने बताया कि हादसे में खुश्याल सिंह चौहान (62) निवासी ग्राम खजूरी, जिला खंडवा, भूरे सिंह पंवार (60) निवासी ग्राम भोपाड़ा, जिला खरगोन, संतोषी बाई (62) निवासी ग्राम भोपाड़ा, जिला खरगोन और विजय सिंह तोमर (65) निवासी सनावद, जिला खरगोन की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के श्रद्धालु 10 नवंबर को घर से निकले थे और यात्रा के दौरान विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन करते हुए रामेश्वरम तक जाने की योजना थी। वे ओडिशा के पुरी में दर्शन करने के बाद श्रीशैलम की ओर जा रहे थे इसी दौरान कोटबोम्माली मंडल के येत्तुराल्लापाडु गांव के पास यह हादसा हो गया। प्रारंभिक जांच में पुलिस का मानना है कि एमयूवी चालक को झपकी आने से वाहन नियंत्रण खो बैठा और खड़े ट्रक से भिड़ गया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। बताया जा रहा है कि दो एंबुलेंस के माध्यम से चारों शवों को खंडवा लाया जा रहा। हादसे में घायल एक महिला भी शवों के साथ आ रही हैं।

उपराष्ट्रपति और दिल्ली की मुख्यमंत्री ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में किए दर्शन

एजेंसी
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने यहां के गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में दर्शन किए। उनके साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में यह जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वही पावन स्थल है जहां धर्म, मानवता और आस्था की रक्षा के लिए परम त्याग करने वाले श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया था। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब का अद्वितीय संदेश हमें निरंतर प्रेरित करता है कि हम सत्य के

लिए अडिग रहें, अत्याचार के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़े हों और प्रत्येक मानव के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की यह भूमि सेवा, बलिदान और सांस्कृतिक विरासत की जीवंत साक्षी है। इस मौके पर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा समेत सिख समुदाय के कई गण्यमान्य मौजूद रहे।

बढ़ते प्रदूषण से चेहरे की त्वचा की रंगत हो रही है फीकी: शहनाज हुसैन

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से न केवल सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है बल्कि चेहरे की त्वचा की रंगत को भी फीका कर रहा है। प्रदूषण से त्वचा पर प्रतिकूल असर पचास फीसदी तक बढ़ा है। इसके असर को रोका तो नहीं जा सकता लेकिन कुछ हद तक कम जरूर किया जा सकता है। ये कहना है सौंदर्य विशेषज्ञ शहनाज हुसैन का जो प्रगति मैदान मे आयोजित 44वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हॉल नंबर 14 के एक पवेलियन में मौजूद थी। उन्होंने इस मौके पर लोगों के सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने कहा कि लोग प्रदूषण के नुकसान को कुछ घरेलू उपाय और बीबी क्रीम लगा कर कम कर सकते हैं।

सौंदर्य विशेषज्ञ शहनाज हुसैन ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि प्रदूषण से माइक्रोस्कोपिक केमिकल्स के कण हमारे छिद्रों के मुकाबले 20 गुणा ज्यादा पतले होते हैं। जिसकी वजह से वह हमारी बाहरी त्वचा से हमारे छिद्रों में प्रवेश कर के त्वचा की नमी को खतम कर देते हैं, जिससे त्वचा में लालिमा, सूजन, काले दाग और असमय झुर्रियां आ जाती हैं। इससे त्वचा निर्जीव, शुष्क, कमजोर एवं बुझी-बुझी सी हो जाती है। उन्होंने बताया कि प्रदूषक ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन पैदा करते हैं, जिससे मेलेनिन का उत्पादन बढ़ जाता है और त्वचा का रंग असमान हो जाता है और काले धब्बे पड़ने लगते हैं। इसके लिए लोग घरेलू उपाय कर सकते हैं और मुंह को बार बार धोना चाहिए। उन्होंने कहा कि त्वचा शुष्क होने पर क्लीजिंग क्रीम तथा जेल का प्रयोग करना चाहिए जबकि तैलीय त्वचा में क्लीनिंग दूध या फेशवाश का

उपयोग किया जा सकता है। सौंदर्य पर प्रदूषण के प्रभावों को कम करने के लिए चन्दन, पुदीना, नीम, तुलसी जैसे पदार्थों का उपयोग करना चाहिए। इन पदार्थों में विषैले तत्वों से लड़ने की क्षमता तथा गुणों की वजह से त्वचा में विषैले पदार्थों के जमाव तथा फोड़े, फुन्सियों को साफ करने में मदद मिलती है।

पंकजा मुंडे के पीए अनंत गर्जे पत्नी की आत्महत्या मामले में गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे के पीए अनंत गर्जे को उनकी पत्नी गौरी पलावे गर्जे की आत्महत्या मामले में पुलिस ने रात गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच वर्ली पुलिस स्टेशन

की टीम कर रही है। दरअसल, गौरी ने अपने घर में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद गौरी के मायके वालों ने अनंत गर्जे, उनकी बहन और मां पर मानसिक प्रताड़ना देने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। मंत्री पंकजा मुंडे ने भी पुलिस को फोन कर मामले की निष्पक्ष जांच करने की अपील की थी। इसी के बाद वर्ली पुलिस ने अनंत गर्जे, उनकी बहन और मां के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस ने अनंत गर्जे को लगभग 1 बजे गिरफ्तार किया और उनसे पूछताछ जारी है।

क्या पता कल सिंध भारत का हिस्सा बन जाए : राजनाथ

एजेंसी
नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां एक कार्यक्रम में विभाजन के बाद पाकिस्तान में चले जाने वाले सिंध प्रांत के अभी भी भारत से सभ्यागत तौर पर जुड़े होने की बात कही और कहा कि भले ही वह आज हमारे साथ नहीं है लेकिन भविष्य में इसके भारत से दोबारा जुड़ने की बात से इनकार नहीं किया जा सकता। सिंधी समाज के एक कार्यक्रम में राजनाथ ने कहा, सिंध की भूमि आज भले ही भारत का हिस्सा ना हो लेकिन सभ्यतागत तौर पर वह हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा। जहां तक सीमा का सवाल है, वह तो बदलती रहती है, क्या पता भविष्य में सिंध भारत में वापस आ जाए। '

विज्ञान भवन में विश्व सिंधी हिंदू फाउंडेशन ऑफ एसोसिएशन के 'सशक्त समाज और समर्थ भारत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने भाजपा के शीर्ष नेता और देश के पूर्व गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भी याद किया। उन्होंने कहा कि एक पुस्तक में आडवाणी जी ने कहा था कि सिंधी हिंदुओं की पीढ़ियां ने आजनतक विभाजन को पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पूरे भारत में सिंधु नदी पवित्र मानी जाती है। कई मुसलमानों ने भी सिंधु जल को अत्यंत पवित्र माना है।

अपने वक्तव्य में राजनाथ सिंह

ने सिंधी समाज को सशक्त बनाने में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहयोग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज संघ के इस सहयोग को कभी नहीं भुला सकता। संघ ने हिंदुओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया। स्वयं गुरूजी गोलवलकर ने आजादी से पहले सिंध प्रांत का दौरा किया, जहां उन्हें सिंधी समाज से अपार प्रेम मिला। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से सिंधी समुदाय और उनकी संस्कृति के साथ खड़ी है और भविष्य में भी खड़ी रहेगी। भारतीय जनता पार्टी हमेशा से सिंधी समाज के हक और उनकी अधिकार के पक्ष में खड़ी रही है। राजनाथ सिंह ने कहा कि सिंधी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के लिए हमारे नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने 1957 में पहला गैर-सरकारी विधेयक पेश कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अटल जी ने सिंधी भाषा का समर्थन करते हुए कहा था सिंधी में भारत की आत्मा बोलती है। ' राजनाथ सिंह ने कहा कि पड़ोसी देश पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय वर्षों से अत्याचार सहन कर रहा है। इनमें से कई भारत भी पहुंचे हैं लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति के कारण हमेशा अपमानित होना पड़ा और वह अपने आवश्यक अधिकार भी नहीं पा सके। उन्होंने कहा कि इस पीड़ा को सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समझा और नागरिकता संशोधन विधेयक लेकर आए। सिंह ने सिंधी समाज के परिश्रम और साहस की सराहना की और कहा कि विभाजन के बाद सिंधी समाज ने भारत में शून्य से शुरुआत की, लेकिन सफलता के नए आयाम स्थापित किए। आज भारत ही नहीं, दुनिया भर में सिंधी समुदाय समाज निर्माण के विभिन्न कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इतिहास गवाह है कि भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में भी इन्होंने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

'जीरो माइल लिटरेचर फ़ेस्टिवल' से परिपक्वता बढ़ेगी:मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

एजेंसी
मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर के रेशिम बाग में कहा कि जीरो माइल लिटरेचर फेस्टिवल के माध्यम से परिपक्वता बढ़ेगी और जन-जागरूकता विस्तृत होगी। इस फेस्टिवल में विविध विषय प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनसे विचार-क्षमता बढ़ेगी और परिपक्व व्यक्तित्व का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, महाराष्ट्र शासन और ज़ीरो माइल यूथ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित नागपुर बुक फेस्टिवल 2025 के अंतर्गत चार दिवसीय जीरो माइल लिटरेचर फेस्टिवल का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मनुष्य में मानवीय संवेदनाएं होती हैं, और इन संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का वरदान उसे प्राप्त है। भाषा, साहित्य और पुस्तकें उसकी अभिव्यक्ति के प्रमुख माध्यम हैं। जहां अभिव्यक्ति समाप्त होती है, वहीं संस्कृति भी समाप्त हो जाती है। इसलिए परिपक्व संस्कृति को संजोकर रखना आवश्यक है, और इस सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का कार्य पुस्तकें करती हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि नागपुर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। यह शहर कई ऐसी ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी रहा है, जिन्होंने देश को दिशा दी। गोंड राजाओं ने सार्वजनिक पुस्तकालयों की परंपरा शुरू कर ज्ञान-संस्कृति को विकसित किया। भोसले काल में हिंदवी स्वराज्य के विस्तार में नागपुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का साहित्य उच्चकोटि का है। श्रीपाद कृष्ण कोल्हटकर, राजा बढे, राम शेवालकर, महेश एलकुंचवार, सुरेश भट, ग्रेस, वि.भि. कोलते, ग.र्त्य. माडखोलकर, मारुति चितमपल्ली, परशुराम खुणे जैसे अनेक साहित्यकारों ने इस संस्कृति को समृद्ध किया है। विदर्भ की भूमि भाषा-संगम की भूमि है, जहां मराठी और हिंदी साहित्य की समानांतर समृद्ध परंपरा देखने को मिलती है। लिटरेचर फेस्टिवल के माध्यम से नागपुर के सांस्कृतिक वातावरण में बड़ा परिवर्तन होगा। उन्होंने कहा उन्होंने आगे कहा कि जानकारी तब तक जानकारी ही रहती है जब तक वह ज्ञान में परिवर्तित नहीं होती। यदि जानकारी को ज्ञान में बदलना है और स्वयं को ज्ञानी व्यक्ति के रूप में स्थापित करना है, तो पुस्तकों का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने युवा पीढ़ी तक पुस्तकें पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घाटन कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री डॉ पंकज भोयर, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति एवं साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष डॉ कुमुद शर्मा, लेखक एवं शिव-कथाकार विजयराव देशमुख, एनबीटी अध्यक्ष प्रो. मिलिंद मराठे, निदेशक युवराज मलिक, जीरो माइल यूथ फाउंडेशन के मार्गदर्शक सत्यनारायण नुवाल, अध्यक्ष अजय संचेती, निदेशक समय बनसोड आदि मान्यवर उपस्थित रहे।

मार्को जानसन के 6 विकेटों ने ढाया कहर: भारतीय टीम 201 रनों पर सिमटी, दक्षिण अफ्रीका की 314 रनों की बढ़त

गुवाहाटी (एजेंसी)। गुवाहाटी में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका ने भारत को सिर्फ़ 201 रनों पर आउट कर 288 रनों की विशाल बढ़त हासिल कर ली। मेहमान टीम की पहली पारी में शानदार प्रदर्शन करने वाले मार्को जेनसन ने 48 रन देकर 6 विकेट लिए, जिससे भारतीय बल्लेबाजी क्रम लड़खड़ा गया। भारतीय टीम को कमज़ोर स्कोर पर आउट करने के बाद, दक्षिण अफ्रीका ने फिर से बल्लेबाजी की और तीसरे दिन का खेल आठ ओवर में 26/0 पर समाप्त हुआ। सलामी बल्लेबाज़ एडेन मार्करम (12*) और रयान रिकेल्टन (13*) नाबाद क्रीज़ पर थे और दक्षिण अफ्रीका 314 रनों की बढ़त के साथ आगे था।

भारत ने लंच के बाद के सत्र में 174/7 के स्कोर से शुरुआत की, जिसमें वाशिंगटन सुंदर (33*) और कुलदीप यादव (14*) नाबाद रहे और भारत 315 रनों से पीछे था। वाशिंगटन और कुलदीप ने सतर्कता से खेलते हुए बीच-बीच में चौके भी लगाए। हालांकि, प्रोटियाज़ स्पिनर साइमन हार्मर ने दिन का अपना तीसरा विकेट हासिल किया और वाशिंगटन को आउट कर दिया, जिससे भारत की विरोधी टीम की बढ़त को और कम करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया। हार्मर की आउटसाइड ऑफ स्टंप गेंद पर वाशिंगटन ने पहली स्लिप में खड़े एडेन मार्करम को कैच थमा दिया। वाशिंगटन ने 92 गेंदों पर 48 रन बनाने के बाद अपना विकेट गंवा दिया, जिससे भारत का स्कोर 194/8 हो गया।

जसप्रीत बुमराह के रूप में नए बल्लेबाज़ कुलदीप के साथ क्रीज़ पर थे, और जैनसन, जो पहले ही चार विकेट ले चुके थे, दूसरे छोर से भारतीय पुछल्ले बल्लेबाज़ों को लगातार परेशान कर रहे थे। दक्षिण अफ़्रीकी गेंदबाज़ों ने 81वें ओवर में दूसरी नई गेंद ली और कुछ ही देर में कुलदीप भी आउट हो गए। 82वें ओवर में जैनसन ने अपना विकेट गंवा दिया और भारत का स्कोर 194/9 हो गया। कुलदीप ने 134 गेंदों पर 19 रन की ज़बरदस्त पारी खेलने के बाद शॉर्ट-लेंथ गेंद पर दूसरी स्लिप में मार्करम को कैच थमा दिया। कुलदीप के विकेट के साथ ही जैनसन ने पाँच विकेट पूरे कर लिए।

मोहम्मद सिराज और बुमराह के क्रीज़ पर रहते हुए, भारत ने सात रन और जोड़े, इससे पहले जैनसन ने बुमराह का भी विकेट लिया, जिससे पारी में उनके विकेटों की संख्या छह हो गई। इससे पहले, भारत ने दूसरे सत्र की शुरुआत 102/4 से की, जिसमें कप्तान ऋषभ पंत (6*) और रवींद्र जडेजा (0*) नाबाद थे। मेजबान टीम का बल्लेबाजी में संदिग्ध रवैया जारी रहा, क्योंकि कप्तान पंत ने एक जोरदार शॉट खेला, लेकिन गेंद दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर काइल वेरिन के हाथों में चली गई।

पंत भारत के स्कोर में सिर्फ़ सात रन ही जोड़ पाए और भारत ने 37.2 ओवर में 109 रन पर अपनी आधी टीम गंवा दी। नितीश कुमार रेड्डी भी ज़्यादा देर तक क्रीज़ पर नहीं

टिक सके और एडेन मार्करम के शानदार कैच ने उनकी पारी का अंत कर दिया, जो 18 गेंदों में 10 रन पर थी। जेनसन अपनी लंबाई और उछाल से भारत को परेशान करते रहे, जिसका सामना करना जडेजा के लिए भी मुश्किल रहा। रवींद्र जडेजा के आउट होने के साथ ही भारत का स्कोर 43.3 ओवर में 122/7 हो गया। वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने बल्ले से भारत की लड़ाई को और लंबा खींचा और 56.3 ओवर में भारत को 150 के पार पहुँचा दिया। सुंदर ने जहाँ कुछ आक्रामक शॉट लगाए, वहीं कुलदीप ने भी कुछ रन बटोरे।

अब राहुल की कप्तानी में खेलते नजर आयेंगे विराट और रोहित

मुम्बई (एजेंसी)। अनभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा और विराट कोहली को प्रशंसक अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में खेलते हुए देख पायेंगे। ये सीरीज इस माह के अंत में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के एल राहुल की कप्तानी में उतरेगी। ऐसे में ये दोनो ही दिग्गज शुभमन गिल के बाद अब राहुल की कप्तानी में खेलते हुए दिखेंगे। इसमें सभी की नजरें विराट और रोहित के प्रदर्शन पर रहेंगी। प्रशंसक भी इनसे बड़ी पारी की उम्मीद करेंगे। इस सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर ही इन दोनो को आगे अवसर मिलेगा।

इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। शुभमन की गर्दन में अकड़न के कारण उनकी जगह राहुल को कप्तानी मिली है। इससे पहले रोहित और विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में शुभमन की कप्तानी में एकदिवसीय सीरीज खेली थी। रोहित और विराट के होने से शीर्ष और मध्य क्रम मजबूत होगा। इससे टीम मे स्थायित्व आने की संभावना है। वहीं उप कप्तान की जिम्मेदारी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दी गयी है। इसी सीरीज में शुभमन की जगह पर रुतुराज गायकवाड़ को शामिल किया गय है। रुतुराज ने भारत ए की ओर से हाल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके अलावा ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी इसी सीरीज में खेलेंगे। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले तिलक वर्मा को भी इस टीम में शामिल किया गया है।

टोक्यो से भी बड़ा कारनामा ! ब्लाइंड महिला टी20 विश्व कप भारत ने जीता, पीएम-जय शाह ने सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार आयोजित हुए दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप में जीत के लिए भारतीय महिला टीम को बधाई दी और कहा कि यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। भारत ने दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप के पहले संस्करण को जीतकर इतिहास रच दिया। भारत ने रविवार को कोलंबो में एकतरफा फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने X पर पोस्ट किया कि भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला दृष्टिबाधित महिला टी20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए बधाई ! इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे श्रृंखला में अपराजित रहीं। यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है, कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का एक शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है ! टीम को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ। यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

भारतीय टीम को दूसरा टेस्ट जीतने आक्रामक रणनीति अपनानी होंगी: शास्त्री

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में भारतीय टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे आक्रामक बल्लेबाजी करने होगी। शास्त्री ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों को अधिक समय खराब न करते हुए तेजी से रन बनाने चाहिए। साथ ही पहली पारी में हो सके तो दक्षिण अफ्रीका से कम रनों पर भी पारी घोषित कर दे। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में केवल 4 बार दूसरी पारी में विरोधी टीम से कम पर पारी घोषित की है, इसमें एक भी बार भी भारतीय टीम को जीत नहीं मिली है। भारतीय टीम एक मैच हारी जबकि तीन ड्रॉ रहे हैं।

शास्त्री ने कहा, 'भारतीय टीम को तय करना होगा कि वे नई गेंद का सामना कैसे करते हैं, फिर गेम को आगे बढ़ाएं और जीत दर्ज करें। उन्हें फैसले लेने होंगे, जिसका अर्थ है कि आप शायद पहले घोषित करना चाहें, फिर दूसरी पारी में विरोधी टीम को जल्दी आउट करने के प्रयास करें।' उन्होंने साथ ही कहा, 'आपको ये अवसर लेने होंगे। आप दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के 489 रन से आगे बल्लेबाजी करने का इंतजार नहीं कर सकते इसमें बहुत समय लगेगा।'

गौरतलब है कि टेस्ट क्रिकेट में 33 बार टीमों ने दूसरी पारी में पीछे होने पर पारी घोषित की है पर इसमें केवल तीन अवसरों पर ही इन टीमों को जीत मिली है। भारतीय टीम ने ऐसा चार बार किया है पर उन्हें एक बार भी जीत नहीं मिली। उन्हें एकमात्र हार 1948 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में मिली थी, जब उन्होंने 103 रन कम पर पारी घोषित की थी। वहीं तीन अन्य बार मुकाबले ड्रॉ रहे थे।

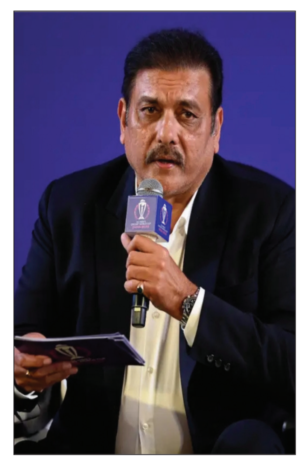

वेंकटेश प्रसाद बन सकते हैं दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 सीजन के लिए मुनाफ पटेल की जगह पर पूर्व भारतीय गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद को अपना नया गेंदबाजी कोच बना सकती है। इस कारण है कि मुनाफ के रहते टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। वहीं प्रसाद का अपने करियर के दौरान प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है संन्यास के बाद वह कोच के तौर पर भी सफल रहे हैं। जिसको देखते हुए कैपिल्स टीम उन्हें शामिल करना चाहती है। वहीं मुनाफ साल 2025 में कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच थे और उनके मार्गदर्शन में गेंदबाज प्रभावित नहीं कर पाये टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। कैपिटल्स लीग के 18वें सीजन में लगातार चार जीत के बाद भी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रही। इसी को देखते हुए कैपिटल्स नये सत्र में टीम नई सोच के साथ उतरना चाहती है और इसके लिए कोचिंग टीम में बदलाव करने जा रही है। अपने पहले आईपीएल खिताब को तलाश रही कैपिटल्स के गेंदबाजी विभाग को वेंकटेश के आने से मजबूती मिलेगी। उनके नाम को लेकर सोशल मीडिया में अटकलें जारी हैं पर कैपिटल्स ने अभी तक आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। फ्रेंचाइजी ने सीजन की शुरुआत शानदार प्रदर्शन के साथ की थी पर वह कमजोर गेंदबाजी के कारण दूसरे हिस्से में लड़खड़ा गयी। इसके पीछे उनकी खराब बल्लेबाजी और कमजोर गेंदबाजी रणनीति थी।

संजू सैमसन को वनडे टीम में जगह न मिलने पर भड़के अनिल कुंबले

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस माह के अंत में होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसम को शामिल नहीं किये जाने की आलोचना की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) ने 30 नवंबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए केएल राहुल को टीम का कमान बनाया है क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की अकड़न के कारण इस सीरीज से बाहर हैं। इस सीरीज के लिए युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की टीम में वापसी हुई है पर सैमसन को एक बार फिर अवसर नहीं मिला है। माना जा रहा है कि चयनकर्ताओं ने सैमसन के अच्छे फार्म के बाद भी उनकी उपेक्षा की है। कुंबले का मानना है कि सैमसन ने पिछले कुछ समय में एकदिवसीय प्रारुप में अपनी बल्लेबाजी बेहतर बनायी है। इसके आधार पर वह टीम में जगह पाने के अधिकारी थे। कुंबले ने कहा, मैं सैमसन का देखना चाहूंगा। क्योंकि मुझे लगता है उन्होंने कुछ साल पहले जो एकदिवसीय खेला था, उसमें शतक लगाया था। मैं जानता हूं कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय दल में शामिल नहीं थे। वहीं ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जगह दी गई है। वह लंबे समय बाद एकदिवसीय में वापसी में सफल रहे हैं।

शुभमन की गर्दन की जकड़न बनी रहस्य : किसी भी तरह की नर्व चोट नहीं पायी गयी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल की गर्दन की अकड़न को लेकर अभी तक रहस्य बना हुआ है। शुभमन इसी कारण दूसरे टेस्ट के साथ ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। वहीं जांच रिपोर्ट्स के अनुसार शुभमन को किसी भी तरह की नर्व चोट नहीं है। इसके बाद भी शुभमन के दर्द से उबरने में हो रही देरी से सभी हैरान हैं। सभी हैरान हैं कि उनकी रिकवरी में इतना समय क्यों लग रहा है। साधारण हालातों में गर्दन की अकड़न आम है। यही वजह थी कि वे टीम के साथ दूसरे टेस्ट के लिए गुवाहाटी भी गये थे पर आराम नहीं मिलने के कारण अचानक ही जांच के लिए मुम्बई चले गये। अगर गर्दन की अकड़न 2 दिन में ठीक न हो, तो इसे पूरी तरह ठीक होने में 15-20 दिन तक लग सकते हैं पर परे आराम की जरुरत होती है। वहीं यदि आराम का समय न हो, तो डॉक्टर एक ऐसा इंजेक्शन देते हैं जो रिकवरी की प्रक्रिया को तेज कर देता है। इंजेक्शन का पूरा असर दिखने में लगभग 3 दिन लगते हैं। इसके बाद खिलाड़ी रीहैब शुरू कर सकता है। शुभमन को यह इंजेक्शन दे दिया गया है और प्राप्त जानकारी के अनुसार वे अब पहले से काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं। इसी कारण अब एक-दो दिन में उनका रीहैब शुरू हो जाएगा। वे कितनी जल्दी मैदान पर लौटेंगे, यह उनके रीहैब की गति पर निर्भर करेगा. डॉक्टरों को भरोसा है कि अगर सब ठीक रहा, तो शुभमन टी20 सीरीज में खेल सकते हैं हालांकि ये अभी तक तय नहीं है।

इटली ने स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप जीता, जानें पहले किस देश ने किया ऐसा

बोलोग्ना (इटली) (एजेंसी)। इटली ने यानिक सिनर की अनुपस्थिति के बावजूद स्पेन को हराकर लगातार तीसरी बार डेविस कप का खिताब जीता और इस तरह से इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में अपनी बादशाहत बरकरार रखी। सिनर की अनुपस्थिति में मैटियो बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली इटली के लिए स्टार रहे। इन दोनों ने अपने एकल मैच जीतकर इटली को फाइनल में स्पेन पर 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई।

यह इटली का लगातार तीसरा और कुल चौथा डेविस कप खिताब है। लगातार तीन खिताब जीतने वाला आखिरी देश अमेरिका था, जिसने 1968 से 1972 तक लगातार पांच खिताब जीते थे। पिछले दो वर्षों में इटली को डेविस कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने अगले सत्र की तैयारी के लिए इस बार डेविस कप में भाग नहीं लिया।

यही नहीं इटली के विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेट्टी भी नहीं खेल रहे थे। इटली को उनकी जरूरत नहीं पड़ी। उसने इस सप्ताह बोलोग्ना के सुपरटेनिस एरेना में अपने तीनों मैच 2-0 से जीते। इटली ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया तथा सेमीफाइनल में बेल्जियम को हराया। स्पेन भी अपने स्टार खिलाड़ी और विश्व में शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज़ के बिना खेल रहा था।

फाइनल में बेरेटिनी ने पाब्लो कैरेनो बुस्टा को 6-3, 6-4 से हराया। उसके बाद कोबोली ने जौम मुनार को 1-6, 7-6 (5), 7-5 से हराकर इटली की जीत सुनिश्चित की। इटली ने पहली बार 1976 में डेविस कप जीता था। उसके बाद उसने 2023 और 2024 में मलागा में खिताब जीता था। यह पहली बार है जब उसने अपनी धरती पर जीत हासिल की है। छह बार का चैंपियन स्पेन 2019 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में खेल रहा था।

स्मृति मंधाना के मंगेतर पलाश भी बीमार हुए , अस्पताल ले जाया गया , तबियत में सुधार के बाद होटल लौटे

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना की परेशानियां बढ़ती जा रही है। उनके पिता को जहां रविवार को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं अब उनके मंगेतर पलाश मुच्छल के भी बीमार होने की जानकारी मिली है। पलाश को इसके बाद अस्पताल ले जाया गया हालांकि तबीयत में सुधार होने की वजह से वह वापस होटल रूम में लौट आये हैं। कहा जा रहा है कि उन्हें एसीडिटी और संक्रमण हुआ था पर अब वह ठीक हैं। मंधाना ने पिता की तबीयत खराब होने की वजह से ही अपनी शादी भी टाल दी है। वहीं मंधाना परिवार के डॉक्टर, डॉ. नमन शाह ने कहा कि एक चिकित्सा टीम उनके पिता की सेहत पर नजर रख रही है। अगर उनकी तबियत स्थिर रहती है तो उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। उन्होंने कहा, रविवार को करीब 1.30 बजे स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना को बाईं ओर सीने में दर्द हुआ। जैसे ही लक्षण दिखे, उनके बेटे ने मुझे फ़ोन किया, हमने एम्बुलेंस भेजी, उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। हमें ईसीसी व दूसरी रिपोट्र्स में पता चला कि कार्डियक एंजाइम बढ़े हुए हैं, इसलिए हमें उन्हें ऑब्ज़र्वेशन में रखा। उन्होंने साथ ही कहा, उनका ब्लड प्रेशर भी बढ़ा हुआ है, इसे कम करने के प्रयास जारी हैं। पूरी टीम उनका ध्यान रख रही है। ऐसे में अगर उनकी हालत बिगड़ती है, तो हमें एंजियोग्राफी करनी होगी।

पाकिस्तान टीम ने बांग्लादेश को सुपर ओवर में हराकर राइजिंग स्टार्स एशिया कप ट्रॉफी जीती

दोहा (एजेंसी)। पाकिस्तान ए ने राइजिंग स्टार्स एशिया कप ट्रॉफी जीत ली है। पाक ए टीम ने खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश को हराया। पाकिस्तान ए की टीम ने इसी के साथ ही तीसरी बार से ट्रॉफी अपने नाम की है। इस टूर्नामेंट का फाइनल काफी संघर्षपूर्ण रहा और सुपर ओवर में विजेता का फैसला हुआ। फाइनल में दोनो ही टीमों ने तय ओवरों में 125-125 रन बनाये जिसके कारण मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ। इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसके सलामी बल्लेबाज यासिर खान पारी की पहली ही गेंद पर आउट हो गये। दूसरे ओवर में मोहम्मद फैक भी खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। विकेटकीपर बल्लेबाज गाजी गोरी ने 9 गेंद में नौ रन बनाए। इसके बाद साद मसूद ने 26 गेंदों पर 3 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से 38 रन बनाये और पारी को संभाला। अराफात मिन्हास ने 25 रन और माज सदाकत ने 23 रन बनाये। वहीं बांग्लादेश की ओर से रिपोन मोंडोल ने तीन जबकि रकिबुल हसन ने दो विकेट लिए। इसके बाद 126 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश को शुरुआत अच्छी रही पर 22 के स्कोर पर पहला विकेट गिरने के बाद टीम ने एक के बाद एक विकेट खो दिये। बांग्लादेश ए की टीम ने एक समय 96 रन पर 9 विकेट गंवा दिये थे पर 10वें नंबर के बल्लेबाज अब्दुल गफ्फार सकलैन ने नाबाद 16 और 11वें नंबर के रिपोन मोंडोल ने नाबाद 11 रन बनाये। इनके बीच 29 रनों की साझेदारी से मैच टाई को गया। पाकिस्तान के लिए सुफियान मुकीम ने 3 विकेट जबकि अहमद दानियाल ने 2 विकेट लिए। इसके बाद सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ए की टीम उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना पायी। केवल 6 रन ही बना सके और 3 गेंदों में अपने दोनों विकेट खो दिए। इसके बाद जीत के लिए पाकिस्तान ए को 7 रनों का लक्ष्य मिला, जिसे साद मसूद और माज सदाकत की जोड़ी ने केवल 4 गेंदों में ही हासिल कर लिया।

लियोनेल मेसी ने रचा इतिहास, इंटर मियामी की 4-0 से धमाकेदार जीत

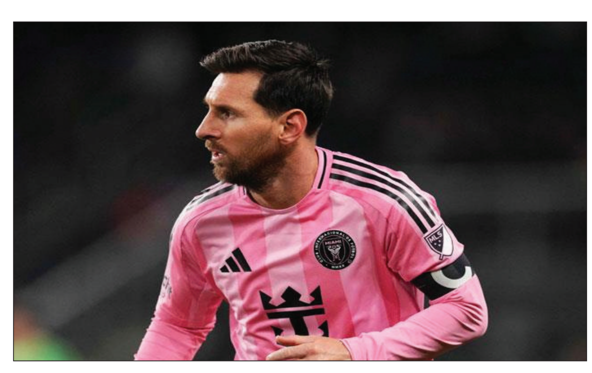

स्पोर्ट्स डेस्क - फुटबॉल के बादशाह लियोनेल मेसी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है और महानता कभी फीकी नहीं पड़ती। सिनसिनाटी में खेले गए ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस सेमीफाइनल में इंटर मियामी की 4-0 की धमाकेदार जीत के साथ मेसी ने अपने करियर का एक और ऐतिहासिक मुकाम छू लिया जिसमें 1300 गोल (गोल + असिस्ट) शामिल हैं। क्लब और देश के लिए कुल मिलाकर 896 गोल और 404 असिस्ट के साथ मेसी ने अपने करियर को नए ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। यह उपलब्धि उन्हें आधुनिक फुटबॉल के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान देती है।

MLS कप फाइनल की ओर इंटर मियामी की सबसे बड़ी जीत

इंटर मियामी ने FC सिनसिनाटी को हराकर पहली बार MLS कप ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल में कदम रखा। मैच की शुरुआत से ही मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया और पजेशन पर नियंत्रण बनाए रखा। 19वें मिनट में मिला पहला गोल टीम में जोश भरने वाला साबित हुआ। माटेओ सिल्वेटी के बेहतरीन क्रॉस को मेसी ने शानदार फिनिश में बदल दिया और मियामी को बढ़त दिला दी।

हमारे मौजूदा खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर और बेहतर होना होगा: साइना नेहवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने बताया कि मौजूदा पीढ़ी के लिए चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नई जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिए शहर में आई साइना ने कहा, 'हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक-चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिए। उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर 100 फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिए शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा।'

साइना ने कहा, 'विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है।' लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया। साइना ने कहा, 'जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है।'

उन्होंने कहा, 'उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी। एक खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है।'

साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढ़ी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा, 'शायद इस पीढ़ी में आक्रामकता कम है। मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे। हम जब 18 बरस के हुए, तब तक अच्छे नतीजे मिलने लगे थे।'

यशराज की एक्शन फिल्म में हुई ऐश्वर्य ठाकरे की एंट्री

यशराज फिल्म्स की अगली बड़ी एक्शन-रोमांस फिल्म इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में है। वजह है शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे का इस फिल्म में एंट्री करना। खास बात यह है कि ऐश्वर्य पहली बार बड़े पर्दे पर कदम रख रहे हैं- वह भी सीधे विलेन के रूप में। उनकी टक्कर होगी नए जमाने के उभरते सितारे अहान पांडे से, जबकि शरवरी वाघ फिल्म की मुख्य अभिनेत्री होंगी। निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं बड़े कैनवस वाली फिल्मों के लिए मशहूर अली अब्बास ज़फ़र। फिल्म इंडस्ट्री में हर बार किसी नए चेहरे की एंट्री होती है, तो दर्शकों में उत्सुकता बढ़ जाती है। लेकिन इस बार मामला कुछ खास है, क्योंकि ऐश्वर्य ठाकरे का लॉन्च सीधे बड़े पैमाने की फिल्म में, एक मजबूत नेगेटिव किरदार के रूप में हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में उनका किरदार सिर्फ विरोधी नहीं, बल्कि कहानी की पूरी दिशा तय करने वाला बताया जा रहा है। वहीं अहान पांडे, जिन्हें हाल ही में 'सैयारा' से युवाओं में जबरदस्त पहचान मिली, इस फिल्म के हीरो हैं। सूत्रों के मुताबिक दोनों के बीच होने वाला क्लैश फिल्म का मुख्य आकर्षण होगा।

अहान पांडे की कड़ी तैयारी

यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक बड़े कैनवस की कहानी नहीं, बल्कि कलाकारों के लिए भी बड़ा चैलेंज है।

खबर है कि अहान पांडे फिल्म के लिए रोजाना कई घंटों की ट्रेनिंग लेते हैं। सुबह बॉक्सिंग से शुरू होने वाला सेशन धीरे-धीरे मार्शल आर्ट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग तक जाता है। उनकी ट्रेनिंग का लेवल देखकर साफ है कि फिल्म में हाई-इंटेंसिटी फाइट सीक्वेंस होंगे, जो बड़े पर्दे पर देखने लायक होंगे।

ऐश्वर्य ठाकरे का नाम राजनीति से लेकर ग्लैमर वर्ल्ड तक अक्सर चर्चा में रहा है। लेकिन पहली बार वे किसी बड़े प्रोजेक्ट में अभिनय करने जा रहे हैं, वह भी एक ऐसे किरदार के रूप में जो फिल्म के टोन को तय करेगा। फिल्म इंडस्ट्री के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अगर यह किरदार दर्शकों को पसंद आया, तो ऐश्वर्य को एक दमदार शुरुआत मिल सकती है।

'गुस्ताख इश्क' में हमने पूरी ईमानदारी से काम किया है

उम्मीद है कि दर्शक भी उतना ही प्यार देंगे

90 के दशक वाले प्यार की सादगी और गहराई को नए अंदाज में दिखाने वाली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' जल्द ही रिलीज होने वाली है। विभु पुरी के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक ड्रामा में पहली बार फातिमा सना शेख और विजय वर्मा साथ नजर आएंगे। फिल्म में रिश्तों, प्यार और भावनाओं की जटिलताओं को पेश किया गया है। इसका खास आकर्षण गुलजार और विशाल भारद्वाज का संगीत है, जिसे दर्शक लेकर काफी उत्साहित हैं। हाल ही में फातिमा ने बातचीत में अपने अनुभव साझा किए।

90 के दशक की बहुत सी बातें याद आती हैं, खासकर उस दौर का सच्चा प्यार और जज्बात। आपको उस समय की कौन-सी बातें सबसे ज्यादा याद आती हैं?

बचपन में जब शाम के 7 बजे डिज्नी चैनल आता था, तो हम सब बच्चे खेलना छोड़कर टीवी देखने दौड़ पड़ते थे। उस वक्त न वीडियो गेम्स थे, न फोन। बस वही स्नेक वाला गेम होता था, वो भी पेरेंट्स के फोन पर। हर शाम दोस्तों के साथ बाहर खेलना और बातें करना सबसे मजेदार होता था। तब न ग्रुप चैट्स थीं, न ऑनलाइन डेटिंग। हम सब असली में मिलते थे, इसलिए वो दिन बहुत याद आते हैं।

आपका नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?

मुझे बहुत मजा आया। शुरू में मैं नर्वस थी क्योंकि उनका काम देखकर सब प्रभावित होते हैं। लगा कि वो मेरी परफॉर्मेंस को जज करेंगे, इसलिए बेस्ट देना चाहती थी। लेकिन वो बहुत सपोर्टिव और केयरिंग हैं, हमेशा मदद करते हैं, इसलिए अनुभव बहुत अच्छा रहा।

आपके अपने को-एक्टर विजय वर्मा की कौन-सी बात सबसे अच्छी लगती है?

विजय बहुत समझदार, टैलेंटेड और अच्छे इंसान हैं। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर शानदार है, जिससे हमारी अच्छी दोस्ती हो गई। मैं खुश हूं कि उनसे मुलाकात हुई।

आपकी फिल्म में गुलजार साहब, विशाल भारद्वाज और मनीष मल्होत्रा जैसे बड़े नाम जुड़े हैं। ट्रेलर को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, इसे आप कैसे देखती हैं?

ट्रेलर और गानों को बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। इतने बड़े कलाकारों के साथ काम करना बहुत खुशी की बात है। मनीष सर ने भरोसा दिखाया, नसीर जी ने बहुत प्यार दिया और सबने मिलकर पूरी ईमानदारी से काम किया। अब उम्मीद है कि दर्शक भी फिल्म को उतना ही प्यार देंगे, जितने प्यार से हमने इसे बनाया है।

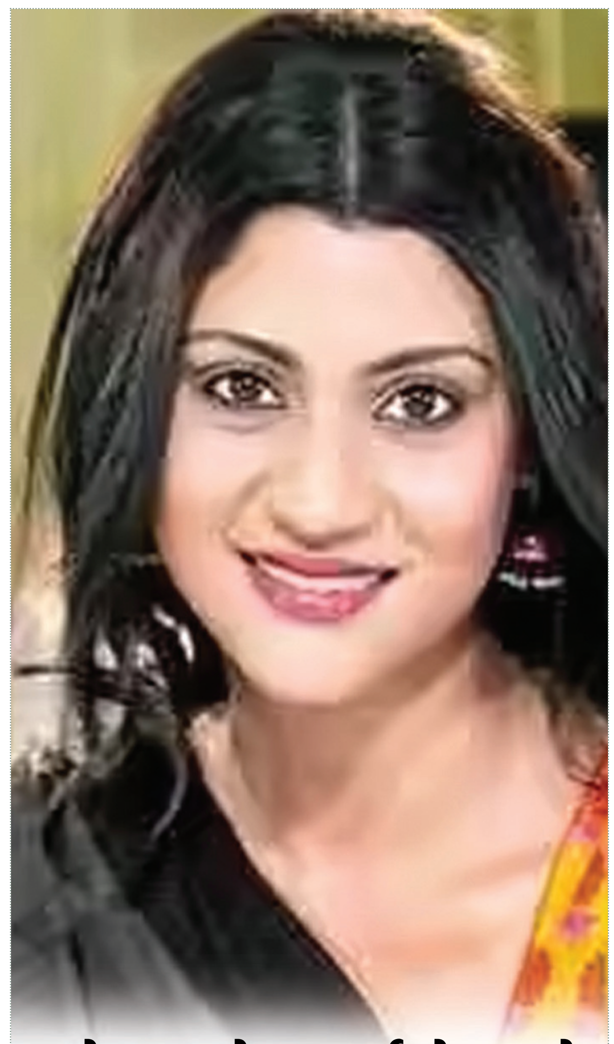

कोंकणा सेन शर्मा ने अपने अगले डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट दी

कोंकणा सेन शर्मा ने न सिर्फ एक अभिनेत्री बल्कि एक डायरेक्टर के तौर पर भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने साल 2016 में आई फिल्म डेथ इन द गंज का निर्देशन किया। वह लस्ट स्टोरीज 2 की सह-निर्देशक रहीं। अब एक्ट्रेस-डायरेक्टर ने अपने अगले डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट के बारे में अपडेट दी है। कॉमेडी फिल्म का निर्देशन करने वाली हैं अभिनेत्री अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए कोंकणा सेन शर्मा ने बताया यह एक कॉमेडी शो है, जिसे मैं अपने कॉलेज के दोस्त जयदीप सरकार के साथ लिख रही हूं और इसका निर्देशन कर रही हूं। मैं इसे लेकर थोड़ी घबराई हुई हूं लेकिन इसके साथ हमें मजा आने वाला है। कई कलाकार अपने निर्देशन में बन रहे शो में काम करते हैं। ऐसे में कोंकणा सेन शर्मा से पूछा गया कि क्या वह अपने निर्देशन में बन रहे शो में काम करेंगी? इस पर उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं इसमें बतौर अभिनेत्री काम करूंगी। मेरे पास कई दूसरे अच्छे कलाकार हैं, इसलिए मैं चीजों को अपने लिए मुश्किल क्यों बनाऊं। मैंने देखा है कि कलाकार प्रोजेक्ट को खुद लिखते हैं और उसका निर्देशन करते हैं। हालांकि मेरे पास अभी वो काबिलियत नहीं है। कोंकणा सेन शर्मा ने फिल्म पेज 3 से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हाल ही में वह साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो के सीक्वल मेट्रो... इन दिनो में नजर आईं। इसमें पंकज त्रिपाठी, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे कलाकार थे। इसका निर्देशन अनुराग बसु ने किया।

राहु केतु में कॉमेडी में रंग जमाते दिखेंगे पुलकित और वरुण;

अमित सियाल की एंट्री शानदार

कॉमेडी की डबल डोज लेकर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा हाजिर हो गए हैं। हाल ही में उनकी अपकमिंग फिल्म 'राहु केतु' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें सीरियस एक्टिंग के लिए मशहूर अमित सियाल भी नजर आए। टीजर में फिल्म की कहानी की झलक भी मिली। टीजर में पुलकित और वरुण धवन जब भी साथ होते हैं तो लोगों का नुकसान ही करते हैं। गांव में सभी इन्हें मनहूस मानते हैं। यह दोनों जिसकी जिंदगी में जाते हैं, उसके लिए मुश्किलों का दौर शुरू हो जाता है। टीजर में एक जगह पर राहु केतु का रेफरेंस भी दिखाया गया है।

अमित सियाल की दमदार एंट्री

आगे टीजर में अमित सियाल भी नजर आते हैं। वरुण और पुलकित का किरदार मिलकर अमित के कैरेक्टर की जिंदगी को मुश्किल बना देते हैं। आगे चलकर इनके बीच दुश्मनी भी दिखती है। इस कॉमेडी फिल्म में अमित सियाल का कैरेक्टर नेगेटिव नजर आता है।

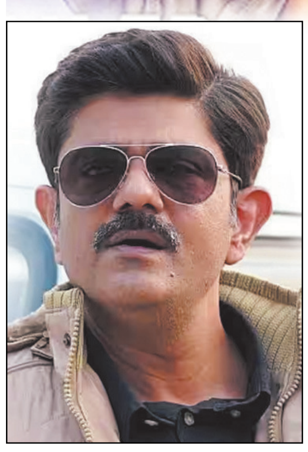

कब रिलीज होगी फिल्म

फिल्म राहु केतु में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, अमित सियाल के अलावा शालिनी पांडे, पीयूष मिश्रा और चंकी पांडे भी नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है। राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

....इसलिए पवन कल्याण को पसंद करती हैं राशि

अभिनेत्री राशि खन्ना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 120 बहादुर को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभाई हैं लेकिन कोई ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं था, जिसकी स्क्रिप्ट पढ़े बिना उन्होंने साइन किया हो। हालांकि उन्होंने बताया कि तेलुगु फिल्म उस्ताद भगत सिंह की स्क्रिप्ट सुने बिना ही इसे साइन किया। एक इंटरव्यू में राशि खन्ना ने फिल्म उस्ताद भगत सिंह के बारे में कई बातें बताई हैं। उन्होंने अपने सह-कलाकार पवन कल्याण की भी तारीफ की है। अपनी अगली फिल्म उस्ताद भगत सिंह में काम करने के बारे में पूछे जाने पर, राशि ने बताया यह एकमात्र ऐसी फिल्म है जिसे मैंने बिना स्क्रिप्ट सुने साइन कर लिया। मैंने हां कह दिया क्योंकि यह पवन कल्याण की फिल्म है। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी क्योंकि उनके पास स्टारडम है। मुझे पता है कि यह उनकी फिल्म है और मैं इसका हिस्सा हूं। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। कभी-कभी आप ऐसी फिल्में मशहूर होने के लिए करते हैं।

पवन कल्याण के बारे में बात करते हुए राशि ने कहा मैं इस चीज को बहुत पसंद करती हूं कि वह महिलाओं के प्रति सम्मान रखते हैं। दूसरी बात यह है कि आम लोगों को भी वह बहुत प्रेम करते हैं। इन सबके अलावा वह एक बहुत अच्छे अभिनेता हैं। राशि ने आगे बताया उनकी कॉमिक टाइमिंग शानदार है। मैंने सेट पर ऐसी छोटी-छोटी चीजें देखीं, जिनसे मैं हैरान हो गई। मुझे नहीं लगता कि उन्हें पता है कि वो कितने अच्छे हैं। ये पहली बार था जब मैं किसी सेट पर किसी स्टार से इतना प्रभावित हुई।

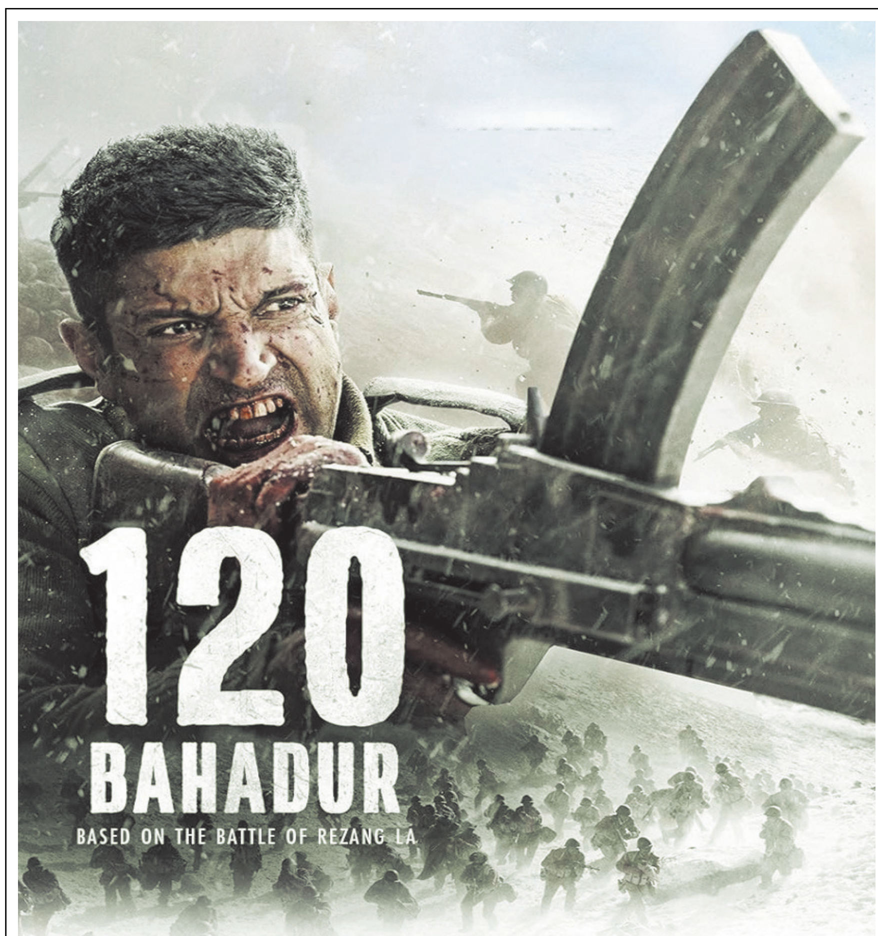

युद्ध नहीं, कुर्बानी दिखाती है फिल्म

फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर का दर्शकों को काफी इंतजार था। यह फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। कई दर्शकों ने फिल्म को देखकर इस पर प्रतिक्रिया दी है। आइए जानते हैं दर्शकों को यह फिल्म कैसी लगी है?

यूजर को पसंद आया फरहान का अभिनय

एक यूजर ने 120 बहादुर और फरहान अख्तर की तारीफ की है। उन्होंने लिखा है क्या हम फरहान अख्तर की स्क्रीन प्रेजेंस के बारे में बात कर सकते हैं? हर फ्रेम, हर डायलॉग और हर झलक बहुत अच्छी है। इस फिल्म को सिर्फ उनके लिए देखा जाना चाहिए।

यूजर ने दर्शकों से की ये गुजारिश

एक यूजर ने फिल्म की तारीफ की है। उन्होंने लिखा है 120 बहादुर फिल्म देखी। बिना हवा के सपोर्ट के 118 जवान -30 डिग्री में आखिरी सांस और आखिरी गोली तक लड़े। यह फिल्म युद्ध नहीं कुर्बानी दिखाती है। फिल्म को जरूर देखें।

फिल्म देखें ताकि इतिहास न भूलें

एक यूजर ने फैंस से गुजारिश की है कि इस फिल्म को जरूर देखें ताकि आप रोजांग ला में सैनिकों की कुर्बानी और इतिहास न भूलें। एक दूसरे यूजर ने फिल्म में फरहान अख्तर की अदाकारी की तारीफ की है।

फरहान को बताया असली मेजर शैतान सिंह

एक और यूजर ने फिल्म में फरहान अख्तर के अभिनय की तारीफ की है। उन्होंने फरहान अख्तर को असल जिंदगी का मेजर शैतान सिंह बताया है। एक दूसरे यूजर ने फिल्म की तारीफ करते हुए इसे असली कहानी और असली भावना बताया है।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म 120 बहादुर में फरहान अख्तर, राशि खन्ना, स्पर्श वालिया, विवान भटेना, धनवीर सिंह, दिग्विजय प्रताप, साहिब वर्मा, अंकित सिवाच, देवेंद्र अहिरवार औप एजाज खान हैं। फिल्म को रजनीश राजी घई ने डायरेक्ट किया है।

फिल्म का नाम 120 बहादुर ही क्यों रखा गया?

17 नवंबर 1962 की रात जो हुआ, उसके बाद 18 नवंबर की सुबह तक जो भी हुआ, वो एक आदमी का अकेला काम नहीं था। एक आदमी था जो बहुत बढ़िया नेता था, बहादुर और डर के आगे नहीं झुकने वाला। उसने अपने सैनिकों में जोश और हौसला बढ़ाया, लेकिन लड़ाई में 120 सैनिक थे। इसलिए हमें लगा कि फिल्म का सही नाम होना चाहिए '120 बहादुर,' क्योंकि ये फिल्म पूरी कंपनी के बारे में है।

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

सेहत का राज बस 4 ग्लास पानी एक साथ

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक-दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे-धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

- मधुमेह एक माह के लगभग।
- उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
- गैस दो सप्ताह के लगभग।
- टी.बी. छः माह के लगभग।
- कब्जीयत- दो सप्ताह के लगभग।

सावधान रहें ताजातरीन सब्जियों से

यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने स `

उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भ ी त र इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

सिर्फ 5 आहार ठंड में रखे सदाबहार

सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।

सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फरूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेंन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

जरा संभलकर मम्मी टू बी...

गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें

ऐसा न करें

- भारी वस्तुएं न उठाएं।
- कमर को झुकाएं नहीं।
- उल्टे-सीधे तरीके से न लेटें।
- जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
- ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
- कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
- हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

ऐसा करें

- भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
- कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
- अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
- नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
- हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते-चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
- भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
- जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।